CMYK

RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक
संपादक : संजर आर. मिश्रा

श्री 1008 महामंडलेश्वर
श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज
श्री रामानंद दास अन्नक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम

स्व. पं.पू.1008 श्री रामानन्द जी
तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

वर्ष-9 अंक: 279 ता. 17 अप्रेल 2021, शनिवार, कार्यालय :114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

पहला कॉलम

केंद्रीय मंत्री प्रकाश जावड़ेकर कोरोना पॉजिटिव, बोले- मेरे संपर्क में आने वाले कराएं टेस्ट

नेशनल डेस्क। केंद्रीय मंत्री प्रकाश जावड़ेकर भी कोरोना पॉजिटिव हो गए हैं। उन्होंने अपने आधिकारिक ट्विटर हैंडल से यह जानकारी दी है। जावड़ेकर ने कहा है कि जो भी लोग मेरे संपर्क में आए हैं, वे भी अपना कोविड-19 टेस्ट करवा लें। बीते दिनों से कई राजनेता कोविड-19 के शिकार हो चुके हैं। इससे पहले भी केंद्र सरकार में कई मंत्री कोरोना पॉजिटिव हो चुके हैं। आज ही कर्नाटक के मुख्यमंत्री बीएस येदियुरप्पा ने भी जानकारी दी है कि वो कोरोना पॉजिटिव हो गए हैं। वहीं, दिग्विजय सिंह की भी कोविड जांच रिपोर्ट पॉज़ीटिव आई है। वही फ़िलहाल अपने दिल्ली निवास पर क्वारंटीन हैं। उन्होंने कहा कि कृपया इस दौरान मेरे संपर्क में आए सभी लोग खुद को आइसोलेशन में रखकर अपनी सेहत से संबंधित सभी सतर्कता बरतें।

कर्नाटक के सीएम दूसरी बार कोरोना पॉजिटिव हुए

इसके अलावा कर्नाटक के मुख्यमंत्री बीएस येदियुरप्पा एक बार फिर से कोरोना पॉजिटिव हो गए हैं। उन्हें फिर से हॉस्पिटल में भर्ती करवाया गया है। मुख्यमंत्री ने ट्वीट कर कहा लिखा- हल्का बुखार आने के बाद मैंने कोरोना जांच करवाई और मेरी रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। उन्होंने आगे कहा कि मैं ठीक हूं, डॉक्टरों की सलाह पर अस्पताल में भर्ती हो रहा हूं। उन्होंने हाल के दिनों में संपर्क में आए लोगों को क्वॉरंटीन में रहने की अपील की है।

अस्पताल में 8 दिन इलाज के बाद डिस्चार्ज हुए आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत

नई दिल्ली। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ(आरएसएस) के सरसंघचालक मोहन भागवत को अस्पताल में इलाज के बाद छुट्टी मिल गई है। कोविड पॉजिटिव होने के बाद पिछले आठ दिन से नागपुर के किंग्जवे हास्पिटल में वह भर्ती थे। अस्पताल के मेडिकल सर्विसेज डायरेक्टर डॉ. सुभ्रजीत दासगुप्ता ने मेडिकल बुलेटिन में बताया कि डॉ. मोहन भागवत का स्वास्थ्य अब ठीक हैं। ब्लड प्रेशर, पल्स, ब्लड शुगर सब सामान्य है। डॉक्टरों की टीम ने चेक करने के बाद उन्हें आज डिस्चार्ज करने का निर्णय लिया है। हालांकि, डॉ. मोहन भागवत को एहतियातन अगले पांच दिन तक होम क्वारंटाइन में रहना होगा। बता दें कि आरएसएस के सरसंघचालक मोहन भागवत की बीते नौ अप्रैल को कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव आई थी। जिसके बाद उन्हें नागपुर के किंग्जवे अस्पताल में भर्ती कराया गया था। इलाज के बाद स्वस्थ होने पर डॉक्टरों ने मोहन भागवत को अस्पताल से छुट्टी दी है।

ऑक्सीजन सप्लाई को लेकर पीएम मोदी ने की बैठक

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को देश में पर्याप्त मेडिकल ग्रेड ऑक्सीजन की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए व्यापक समीक्षा बैठक की। स्वास्थ्य, इस्पात, सड़क परिवहन, आदि जैसे मंत्रालयों के इनपुट भी पीएम के साथ साझा किए गए। पीएम ने कहा कि मंत्रालयों और राज्य सरकारों के बीच तालमेल सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण है। पीएम मोदी ने ज्यादा कोरोना मामले वाले राज्यों महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, गुजरात, उत्तर प्रदेश, दिल्ली, छत्तीसगढ़, कर्नाटक, केरल, तमिलनाडु, हरियाणा, राजस्थान और पंजाब में आने वाले 15 दिनों में ऑक्सीजन की आपूर्ति की वर्तमान स्थिति और अनुमानित उपयोग की विस्तृत समीक्षा की। इन राज्यों में जिला स्तर की स्थिति का अवलोकन पीएम मोदी के सामने रखा गया। पीएम मोदी को बताया गया कि केंद्र और राज्य लगातार संपर्क में हैं और अनुमानित मांग के अनुमान 20 अप्रैल, 25 अप्रैल और 30 अप्रैल को राज्यों के साथ बातचीत की गई है। इसके मुताबिक 20 अप्रैल, 25 अप्रैल और 30 अप्रैल को अपनी अनुमानित मांग को पूरा करने के लिए इन 12 राज्यों को 4,880 मीट्रिक टन, 5,619 मीट्रिक टन और 6,593 मीट्रिक टन आवंटित किया गया है। बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए देश में उत्पादन क्षमता के बारे में पीएम को जानकारी दी गई। पीएम ने प्रत्येक संयंत्र की क्षमता के अनुसार ऑक्सीजन उत्पादन बढ़ाने का सुझाव दिया। ये सुनिश्चित करने के लिए भी कहा गया कि स्टील संयंत्रों में ऑक्सीजन की आपूर्ति के अधिशेष स्टॉक को चिकित्सा उपयोग के लिए उपलब्ध किया जा रहा है। सरकार ने ऑक्सीजन टैंकरों के सभी अंतरराज्यीय आवाजाही को परमिट के पंजीकरण से छूट दी है, ताकि आवाजाही को आसान और ज्यादा सक्षम बनाया जा सके। समीक्षा बैठक में पीएम को जानकारी दी गई कि राज्यों और ट्रांसपोर्टरों को कहा गया है कि वे टैंकरों को चौकी में काम करने वाले ड्राइवरों को सुनिश्चित करने के लिए कहें ताकि तेजी से बदलाव और मांग में वृद्धि को पूरा करने के लिए पर्याप्त क्षमता सुनिश्चित हो सके।

शाह ने राहुल गांधी को बताया भाजपा के DNA का फुलफॉर्म-‘D-विकास, N-राष्ट्रवाद और A-आत्मनिर्भर भारत

नेशनल डेस्क:

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह शुक्रवार को पश्चिम बंगाल में आयोजित एक चुनाव रैली में पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए उन्हें 'पर्यटक राजनेता' बताया। उन्होंने कहा कि हमारे देश में एक पर्यटक नेता हैं, पूरा चुनाव हो गया राहुल बाबा दिखाई नहीं पड़े। अभी एक सभा करके गए और उन्होंने कहा कि बीजेपी का DNA कैसा है। राहुल बाबा मैं हमारे DNA का परिचय करा देता हूं। डी-विकास, एन-राष्ट्रवाद, ए-आत्मनिर्भर भारत। यही भाजपा का डीएनए है। इसके साथ ही अमित शाह ने ममता सरकार पर हमला करते हुए आगे कहा कि क्या मातुआ, नामशूद्र और ऐसे अन्य समुदायों को नागरिकता नहीं मिलनी चाहिए? दीदी कहती हैं कि जब तक वह सत्ता में हैं, तब तक उन्हें नागरिकता नहीं मिलेगी। शाह ने कहा कि जैसे ही हम सरकार बनाएंगे, भाजपा ऐसे सभी समुदायों को सीएए के तहत नागरिकता दे देगी। जो 70 साल से यहां आए हैं, वो अपने ही देश में शरणार्थी का जीवन जी रहे हैं, उनको भाजपा नागरिकता देने का काम करेगी। शाह ने कहा कि अगर भाजपा सत्ता में आती है तो उत्तर बंगाल में एक एम्स अस्पताल बनवाएगी, क्योंकि इलाके के लोगों को गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए कोलकाता जाना पड़ता है। उन्होंने सत्तारूढ़ तृणमूल पर प्रहार करते हुए कहा, मोदी जी ने बंगाल को 115 योजनाएं दीं और दीदी ने 115 घोटाले दिए हैं। उन्होंने कहा कि वामदल, कांग्रेस और तृणमूल अवैध प्रवास रोक नहीं सकतीं क्योंकि वे उन्हें अपने वोटबैंक के रूप में देखती हैं।

नड्डा का ममता पर हमला, कहा- ना मां की चिंता हुई, ना माटी और ना ही मानुष की रक्षा हुई

नेशनल डेस्क।

केंद्रीय बलों का घेराव करने संबंधी बयान के लिए पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की आलोचना करते हुए भाजपा अध्यक्ष जे पी नड्डा ने शुक्रवार को आश्चर्य व्यक्त किया कि वह कैसे इतने वर्षों से प्रशासन चला रही हैं। पूर्वी वर्द्धमान जिले में यहां एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए भाजपा अध्यक्ष ने ममता बनर्जी पर आरोप लगाया कि वह संविधान की रक्षा करने में विफल रही हैं। मुख्यमंत्री पर महिलाओं की सुरक्षा के लिए कोई भी कदम नहीं उठाने का आरोप लगाते हुए नड्डा ने कहा कि राज्य में बलात्कार की घटनाओं, तेजाब हमले और घरेलू हिंसा के सर्वाधिक मामले हैं। उन्होंने कहा, सत्ता में आने के बाद से ही वह मां, माटी और मानुष की बात करती रही हैं। क्या हुआ मां का? पश्चिम बंगाल में बलात्कार, तेजाब हमले और घरेलू हिंसा के सबसे अधिक मामले हैं। उनकी सरकार केंद्र सरकार को अपराध के आंकड़े नहीं भेजती है। अब स्पष्ट हो गया है कि वह आंकड़े क्यों नहीं भेजतीं। राज्य में कृषि संबंधित ढांचा विकसित नहीं करने का मुख्यमंत्री पर आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा कि यह क्षेत्र धान और आलू की उपज के लिए जाना जाता है लेकिन यहां के किसानों को उनकी उपज का पारिश्रमिक भी नहीं मिल पाता है। तृणमूल कांग्रेस पर हमला करते हुए उन्होंने पूछा, राज्य में कितने कोल्ड स्टोरेज और वेयरहाउस हैं। बिचौलिए किसानों का शोषण कर रहे हैं। राज्य में सिंचाई की भी कोई व्यवस्था नहीं है। नड्डा ने आयुष्मान भारत योजना जैसी केंद्रीय योजनाओं से राज्य के लोगों को वंचित रखने का आरोप लगाते हुए कहा कि सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस के नेताओं ने तो अम्फान तूफान की मुआवजा राशि में भी घोटाला कर डाला। केंद्रीय सुरक्षा बलों का घेराव करने संबंधी ममता बनर्जी के बयान का जिक्र करते हुए नड्डा ने कहा, यदि यह उनका बयान है तो मुझे आश्चर्य होता है कि उन्होंने इतने वर्षों तक प्रशासन कैसे चलाया। संविधान की रक्षा करना कर्तव्य है लेकिन वह ऐसा नहीं कर सकीं उन्होंने कहा कि यदि भाजपा सत्ता में आती है तो वह राज्य के लोगों को वसूली, तुष्टिकरण की राजनीति, तानाशाही और कटमनी की संस्कृति से निजात दिलाएगी। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि राज्य में इस बार भाजपा की ही सरकार बनेगी। उन्होंने कहा कि नव वर्ष में राज्य के लोग असली परिवर्तन का एहसास करेंगे।

CM योगी के सख्त निर्देश, कहा- बिना मास्क पकड़े गए तो 1 हजार रुपए जुर्माना

लखनऊ।

कोरोना संक्रेमित मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने वर्चुअली बैठक में टीम-11 निर्देश दिए हैं कि कोरोना वायरस के बढ़ते संक्रमण को देखते हुए हर रविवार शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में कंपलीट लॉकडाउन लगाया जाए। सीएम योगी के फैसले बाद उत्तर प्रदेश में अब सभी शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में रविवार को पूर्णतया बंदी रहेगी इस दौरान अति आवश्यक सेवाओं को छोड़कर सभी बाजार तथा दफ्तर बंद रहेंगे। सीएम ने कहा कि प्रदेश में बिना मास्क के कोई नहीं चल सकेगा। मास्क न लगाने वालों पर 1000 का जुर्माना लगाया जाएगा और दूसरी बार बिना मास्क पकड़े जाने पर 10,000 रुपये का जुर्माना देना होगा। इतना ही नहीं बैठक के दौरान सीएम योगी ने भरण-पोषण भत्ता की सूची अपडेट करने के भी निर्देश दिए हैं। इससे जल्द ही गरीबों को राहत राशि मिल सकेगी।

नई दिल्ली में शुक्रवार को इंडिया गेट पर भारी तूफान के दौरान फंसे लोग।

दिल्ली कोरोना एप पर अस्पतालों में उपलब्ध बेड की सही जानकारी जनता को मिले : केजरीवाल

नई दिल्ली।

दिल्ली में कोरोना संक्रमण को लेकर दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने आज दिल्ली सचिवालय में उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक की। इसमें स्वास्थ्य विभाग को सीएम द्वारा यह सुनिश्चित करने निर्देश दिए कि दिल्ली कोरोना एप पर अस्पतालों में बेड की सही जानकारी जनता को उपलब्ध कराई जाए। बैठक में उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया, स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन, मुख्य सचिव, एसीएस और स्वास्थ्य विभाग के सभी अधिकारी मौजूद रहे। इस दौरान सीएम अरविंद केजरीवाल ने पहले स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों से दिल्ली में कोरोना के मौजूदा हालात की विस्तृत जानकारी ली। सीएम अरविंद केजरीवाल ने समीक्षा बैठक में मुख्य रूप से तीन बातों पर चर्चा की। पहला, दिल्ली के अंदर अधिक से अधिक बेड की क्षमता बढ़ाने पर बल दिया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि, दिल्ली सरकार का मुख्य ध्यान दिल्ली के अंदर अधिक से अधिक कोविड बेड की क्षमता बढ़ाने पर है, जिससे कि उन मरीजों का समुचित इलाज सुनिश्चित किया जा सके, जिन्हें तत्काल बेड की जरूरत है। बैठक में बेड प्रबंधन पर विस्तार से चर्चा की गई। सीएम ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि, वे और अधिक कोविड सुविधाएं बढ़ाएं और पूरी दिल्ली में ऑक्सीजन बेड की क्षमता बढ़ाने पर बल दें। दूसरा, बैठक में दिल्ली कोरोना एप पर कोविड अस्पतालों में उपलब्ध बेड की सही जानकारी लोगों को उपलब्ध कराने पर चर्चा की गई। मुख्यमंत्री ने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि दिल्ली सरकार द्वारा जारी दिल्ली कोरोना एप पर सरकारी और निजी अस्पतालों में उपलब्ध कोविड बेड की संख्या बिल्कुल सही प्रदर्शित होनी चाहिए।

बाहरी लोग बंगाल में फैला रहे हैं कोरोना, गुजरातियों के आने पर रोक लगाए EC: ममता बनर्जी

नेशनल डेस्क।

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी ने आज नदिया की रैली में जनता को संबोधित करते हुए भाजपा पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि मैं चुनाव आयोग से आग्रह करूंगी की कोविड-19 के प्रसार पर रोक लगाने के लिए वह बीजेपी को प्रचार की खातिर बाहर से लोगों के लाने पर रोक लगाए। खासकर उन्हें जो लोग गुजरात से आ रहे हैं। हालांकि, ममता ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी यहां आ सकते हैं, लेकिन कोरोना परीक्षण जरूरी है। ममता बनर्जी ने कहा कि बीजेपी ने प्रचार से मुझे रोकने के लिए मेरे पैरों को निशाना बनाया, लेकिन लोगों के आशीर्वाद से मैंने उन्हें गलत साबित कर दिया। बनर्जी ने कहा, प्रधानमंत्री या अन्य नेता प्रचार के लिये आते हैं तो हमें कुछ नहीं कहना... रैलियों के लिये मंच और पंडाल लगाने के लिये भाजपा को सबसे बुरी तरह प्रभावित राज्यों से लोगों को क्यों लाना चाहिए? तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो ने कहा कि स्थानीय श्रमिक और सज्जाकारों की आवश्यक कोविड-19 जांच के बाद इस उद्देश्य के लिये सेवा ली जा सकती है। अपनी चोट का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा उनके पैर को निशाना बनाकर उन्हें प्रचार करने से रोकना चाहती थी, लेकिन उन्होंने इस चुनौती को गलत साबित कर दिया। उन्होंने कहा, उन्होंने मेरे पैर को निशाना बनाया था, लेकिन लोगों के आशीर्वाद से मैंने उन्हें गलत साबित कर दिया। चोट 75 प्रतिशत तक ठीक हो चुकी है। नंदीग्राम में दस मार्च को चुनाव प्रचार के दौरान बनर्जी चोटिल हो गई थीं और उसके बाद से वह रैलियों एवं रोड शो में व्हीलचेयर पर बैठी नजर आती हैं। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल में कोरोना वायरस के मामले इतने अधिक नहीं बढ़ते अगर मोदी ने राज्य के हर नागरिक का टीकाकरण सुनिश्चित किया होता। बनर्जी ने कहा, ‘‘पिछले पांच-छह महीने में वायरस कमजोर हो गया था। लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हर नागरिक के टीकाकरण के लिए कदम नहीं उठाया। उन्होंने राज्य के लोगों के निःशुल्क टीकाकरण के मेरे सुझाव पर राजनीतिक कारणों से ध्यान नहीं दिया। उन्होंने कहा, ‘‘अपनी तरफ से हमने कोलकाता एवं अन्य स्थानों पर निःशुल्क टीकाकरण शुरू किया है। पश्चिम बंगाल में बृहस्पतिवार को कोरोना वायरस के 6769 मामले सामने आए और कम से कम 22 लोगों की संक्रमण से मौत हो गई। सभी योग्य मतदाताओं से शनिवार को विधानसभा चुनाव के पांचवें चरण में मतदान करने की अपील करते हुए मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया, ‘‘अगर आपने किसी बहाने मतदान नहीं किया तो भाजपा मतदाता सूची से आपका नाम काटने का प्रयास करेगी।

टीएमसी सुप्रीमो ने एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में बढ़ोतरी के लिए केंद्र की भाजपा नीत सरकार की आलोचना की। उन्होंने कहा, ‘‘अगर उनकी चलती रही तो वे प्रति सिलेंडर कीमत पांच हजार रुपये तक पहुंचा देंगे... उनसे कहिए कि वोट के बदले हमें धन नहीं चाहिए, हम निःशुल्क रसोई गैस चाहते हैं। उन्होंने भगवा दल पर वोट के लिए लोगों में पैसे बांटने के आरोप लगाए। नवद्वीप शहर के बारे में बनर्जी ने कहा कि उनकी सरकार ने मंदिरों के इस शहर पर 300 करोड़ रुपये खर्च किए हैं।

CMYK

कोरोना को लेकर CM योगी की अहम बैठक, कहा- Covid अस्पतालों में न होने दें ऑक्सीजन की कमी

लखनऊ:

उत्तर प्रदेश में खतरनाक कोरोना वायरस का संक्रमण तेजी से पांव पसारता जा रहा है। ऐसे में कोविड प्रबंधन के संबंध में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज शुक्रवार को सभी मंडलायुक्तों, जिलाधिकारियों, सीएमओ और टीम-11 के सदस्यों के साथ समीक्षा बैठक कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। सीएम ने कहा कि उत्तर प्रदेश के पास कोविड प्रबंधन का बेहतरीन अनुभव है। हमारी नीति और नीतियों को वैश्विक स्तर पर सराहना मिली है। कोविड-19 की इस लड़ाई में हमारी जीत निश्चित है। प्रदेश के प्रत्येक नागरिक की इसमें महत्वपूर्ण भूमिका है। कोविड प्रोटोकॉल का अनुपालन सभी के हित में है। मास्क, सैनिटाइजेशन और शारीरिक दूरी को हमें अपनी जीवनशैली में शामिल करना होगा।

स्थापित होगा 1000 बेड का नया कोविड हॉस्पिटल

राजधानी लखनऊ में 1000 बेड का नया कोविड हॉस्पिटल स्थापित किया जाए। डिफेंस एक्सपो आयोजन स्थल इसके लिए बेहतर स्थान हो सकता है। इस संबंध में आवश्यक कार्यवाही तत्काल सुनिश्चित की जाए।

लापरवाही नहीं होगी स्वीकार्य

कोविड टेस्ट के लिए सरकारी और निजी प्रयोगशालाएं पूरी क्षमता के साथ कार्य करें। इस कार्य में किसी प्रकार की लापरवाही स्वीकार्य नहीं है। कोविड टेस्टिंग के लिए शासन स्तर पर दरें भी तय की जा चुकी हैं। जिला प्रशासन क्वालिटी कंट्रोल के साथ इन व्यवस्थाओं को लागू किया जाना सुनिश्चित करें।

सभी OPD सेवाएं स्थगित

3 प्रदेश के सभी शासकीय चिकित्सालयों में ओपीडी सेवाएं स्थगित रखी जाएं। इस समय भीड़ संक्रमण को बढ़ाने वाला हो सकता है। ओपीडी सेवाओं के लिए टेलीकन्सल्टेशन को बढ़ावा दिया जाए। सरकारी चिकित्सालयों में केवल आपातकालीन सेवाएं ही संचालित हों। मुख्यमंत्री आरोग्य मेलों का आयोजन 15 मई तक के लिए स्थगित रखा जाए।

सुचारु रखें आपातकालीन सेवाओं के लिए ट्रॉमा सेंटर का संचालन

लखनऊ के केजीएमयू, बलरामपुर चिकित्सालय और कैंसर इंस्टिट्यूट को डेडीकेटेड कोविड चिकित्सालय बनाया जा रहा है। इससे कोविड मरीजों के उपचार के लिए और अच्छी सुविधा प्राप्त हो सकेगी। इसी प्रकार, एरा मेडिकल कॉलेज, टीएस मिश्रा मेडिकल कॉलेज, इंटीग्रल मेडिकल, मेयो मेडिकल कॉलेज तथा हिन्द मेडिकल कॉलेज को पूरी तरह डेडीकेटेड कोविड हॉस्पिटल घोषित किया गया है। यहां शीघ्रातिशीघ्र सभी आवश्यक प्रबंध सुनिश्चित किए जाएं। आपातकालीन सेवाओं के लिए लखनऊ में ट्रॉमा सेंटर का संचालन सुचारु रखा जाए।

मरीजों को उपलब्ध कराएं मेडिकल किट

होम आइसोलेशन में निवासरत लोगों की सुविधाओं और जरूरतों का पूरा ध्यान रखा जाए। ऐसे मरीजों को सभी प्रकार की आवश्यक दवाओं को समाहित करते हुए मेडिकल किट उपलब्ध कराई जाए। मेडिकल किट में न्यूनतम एक सप्ताह की दवा जरूर हो।

कोरोना वायरस से संक्रमण के मामलों में 'सुनामी' का सामना कर रहा है गुजरात : हाईकोर्ट

अहमदाबाद।

गुजरात हाईकोर्ट ने कहा है कि राज्य कोरोना वायरस से संक्रमण के मामलों में 'सुनामी' का सामना कर रहा है क्योंकि उसने पूर्व में अदालत और केंद्र द्वारा दिए गए सुझावों पर अमल नहीं किया, साथ ही उतनी सतर्कता नहीं बरती गई जितनी बरती जानी चाहिए थी। मुख्य न्यायाधीश विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति भार्गव करिया की खंडपीठ ने राज्य सरकार द्वारा बिस्तरों की उपलब्धता, जांच सुविधा, ऑक्सीजन, रेमडेसिविर इंजेक्शन संबंधी दावों पर भी आशंका जताई। पीठ ने कहा, ''आशंका है कि भविष्य में स्थिति और भी खराब हो सकती है। कोर्ट ने कहा इस अदालत ने फरवरी में कुछ सुझाव दिए थे। हमने और कोविड-19 समर्पित अस्पतालों को तैयार करने को कहा था। हमने कहा था कि पर्याप्त बिस्तर उपलब्ध होने चाहिए, जांच की संख्या बढ़ाई जानी चाहिए, सुनिश्चत करें कि लोग मास्क पहले और सार्वजनिक स्थलों पर सख्त निगरानी रखी जाए।'' अदालत ने कहा, ''लेकिन, ऐसा लगता है कि राज्य सरकार ने हमारी सलाह पर विचार नहीं किया। इसी वजह से आज कोरोना वायरस महामारी की सुनामी देखी जा रही है। चूंकि, केंद्र लगातार राज्य को इसकी याद दिला रहा था लेकिन सरकार उतनी सतर्क नहीं थी जितनी होनी चाहिए।'' अदालत ने यह टिप्पणी कोरोना वायरस महामारी की स्थिति और लोगों की समस्या पर पिछले सप्ताह स्वत~ संज्ञान लेते हुए दाखिल जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए की। इसके जवाब में महाधिवक्ता कमल त्रिवेदी ने अदालत को आश्वस्त किया कि राज्य सरकार मामले में 'गंभीर' थी और हर संभव प्रयास कर रही है। रेमडेसिविर इंजेक्शन की उपलब्धता के बारे में उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में स्थिति में सुधार होगा क्योंकि केंद्र सरकार ने गुजरात सरकार के अनुरोध पर इनके निर्यात पर रोक लगा दी है। जब अदालत ने जांच सुविधा के बारे में पूछा तो त्रिवेदी ने सूचित किया कि डांग जिले को छोड़ राज्य के सभी जिलों में आरटी-पीसीआर जांच प्रयोगशाला है। हालांकि, न्यायमूर्ति करिया ने त्रिवेदी को सरकार के दावे की दोबारा जांच करने को कहा और रेखांकित किया कि आणंद जिले में प्रयोगशाला नहीं है और नमूने अहमदाबाद लाए जाते हैं।

पश्चिम बंगाल में आखिरी 4 चरण की एक साथ होगी वोटिंग

कोलकत्ता । पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में बचे हुए आखिरी के 4 चरणों को एक साथ कराने की चर्चा के बीच चुनाव आयोग का जवाब आया है। चुनाव आयोग ने कहा कि बंगाल में बचे हुए आखिरी 4 चरणों के चुनाव को एक साथ कराने की कोई योजना नहीं है। बता दें कि देशभर में कोरोना वायरस के बढ़ते केसों को देखते हुए ऐसी चर्चा थी कि बंगाल में बचे हुए चुनाव को एक साथ कराया जा सकता है। कोरोना के बीच चुनाव प्रचार को लेकर चुनाव आयोग ने 16 अप्रैल को एक सर्वदलीय बैठक भी बुलाई है। इस बैठक में सभी दलों से चुनाव प्रचार के दौरान कोरोना प्रोटोकॉल का पालन करने को लेकर दिशा निर्देश दिया जा सकता है। इस बैठक में वर्चुअल चुनाव प्रचार पर भी चर्चा होने की संभावना है। हालांकि, चुनाव आयोग की ओर से इस संबंध में कोई जानकारी सामने नहीं आई है। पश्चिम बंगाल में अभी तक चारणों के लिए वोट डाले जा चुके हैं। पहले चरण के लिए राज्य की 30 जिलों की विधानसभा सीटों पर 27 मार्च को वोटिंग हुई थी। दूसरे चरण के लिए 1 अप्रैल को, तीसरे चरण के लिए 6 अप्रैल को और चौथे चरण के लिए 10 अप्रैल को वोट डाले गए। अब पांचवे चरण के लिए 17 अप्रैल को वोटिंग है। इस चरण के लिए आज चुनाव प्रचार भी थम गया। इसके बाद छठवें चरण के लिए 22 अप्रैल को, सातवें चरण के लिए 26 और आठवें चरण के लिए 29 अप्रैल को वोटिंग होनी है।

यूपी ने 25 हजार रेमडेसिविर लाने को भेजा हवाई जहाज,गुजरात ने कहा-हम किसी को नहीं दे रहे इंजेक्शन

अहमदाबाद। गुजरात सरकार ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) शासित राज्यों में ही कोरोना के इलाज में इस्तेमाल होने वाली दवा रेमडेसिविर की आपूर्ति करने से साफ इनकार किया है। विजय रूपाणी सरकार ने कहा कि उसने सरकारी और निजी अस्पतालों में कोरोना रोगियों और राज्य में गंभीर लक्षणों वाले मरीजों को प्रतिदिन एंटीवायरल दवा रेमेडिसविर के लगभग 25,000 इंजेक्शन उपलब्ध कराए हैं। विजय रूपाणी सरकार का बयान तब आया, जब उत्तर प्रदेश सरकार ने गुजरात से रेमेडिसविर की 25,000 यूनिट्स लाने के लिए अहमदाबाद में सरकारी विमान भेजा। मुख्यमंत्री कार्यालय से किए गए ट्वीट के मुताबिक, मुख्यमंत्री ने अहमदाबाद से 25,000 रेमडेसिविर की तत्काल उपलब्धता के आदेश स्वास्थ्य विभाग को दिए। मुख्यमंत्री के आदेशानुसार स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी राजकीय वायुयान से बुधवार शाम तक अहमदाबाद से रेमडेसिविर इंजेक्शन ले आएंगे। बता दें कि बुधवार को ही दवा की खेप लखनऊ पहुंच गई। इस बीच, गुजरात सरकार ने इस बात से इनकार किया है कि राज्य भाजपा शासित राज्यों में ही रेमडेसिविर दवा का स्टॉक भेज रहा है।

वन नेशन, वन एमएसपी, वन डीबीटी से देशभर के किसानों को हो रहा लाभ : गोयल

नई दिल्ली।

केंद्रीय उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्री पीयूष गोयल ने गुरुवार को कहा कि वन नेशन, वन एमएसपी वन डीबीटी सिद्धांत से देशभर के किसानों को लाभ मिल रहा है। पंजाब और हरियाणा में न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर गेहूं की खरीद के लिए किसानों को सीधा भुगतान उनके खाते में करने की व्यवस्था चालू रबी विपणन सीजन में लागू होने के बाद वन नेशन वन एमएसपी और वन डीबीटी की परिकल्पना को अमलीजामा पहनाया गया है। देश के अन्य राज्यों में एमएसपी पर फसलों की खरीद का ऑनलाइन भुगतान की प्रक्रिया पहले ही लागू हो चुकी थी। मगर, इन दोनों राज्यों में पिछले खरीफ सीजन तक आढ़तियों के मार्फत किसानों को एमएसपी का भुगतान हो रहा था। केंद्रीय मंत्री ने एक ट्वीट के जरिए कहा, वन नेशन, वन एमएसपी वन डीबीटी सिद्धांत से देशभर के किसानों को लाभ मिल रहा है। उन्होंने कहा कि किसानों से एमएसपी पर खरीदी गई उपज का भुगतान, सीधा उनके बैंक खातों में दिया जाएगा। गोयल ने कहा, यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की किसानों के हितों की रक्षा के लिए उनकी प्रतिबद्धता का दर्शाता है। चालू रबी विपणन सीजन 2021-22 में 10 अप्रैल को पंजाब में गेहूं की खरीद शुरू होने के बाद 14 अप्रैल तक सरकारी एजेंसियों ने किसानों से 10.56 लाख टन से ज्यादा गेहूं किसानों से खरीद लिया था। वहीं, हरियाणा में एक अप्रैल से गेहूं की खरीद शुरू हुई और 14 अप्रैल तक 30 लाख टन से ज्यादा खरीद हो चुकी चुकी थी। चालू सीजन में 14 अप्रैल तक देशभर में 64.7 लाख ट्रन गेहूं की खरीद हुई है और एमएसपी पर होने वाली इस खरीद से देश के 11 राज्यों के 6,60,593 किसान लाभान्वित हुए हैं, अब तक खरीदे गए गेहूं का कुल मूल्य 12,800 करोड़ रुपये है।

मतदान बूथ के अंदर से मत पेटिका लूट ले गए उपद्रवी

आगरा।

यूपी पंचायत चुनाव के पहले चरण में आगरा जिले में बवाल हो गया। यहां फतेहाबाद तहसील के रिहावली मतदान केंद्र प्राथमिक विद्यालय के एक बूथ से उपद्रवी दो मतपेटिका लूट ले गए। बताया जा रहा है यहां पहले फर्जी वोटिंग को लेकर दो पक्षों के समर्थक आमने-सामने आए थे। इसी दौरान मतपेटी लूट की वारदात हो गई।मतपेटी लूट की जानकारी मिलते ही पुलिस फोर्स सहित जिला अधिकारी और एसएसपी मौके पर पहुंचे। झांसी जिले के ककरबई थाना क्षेत्र अंतर्गत गांव कैरोखर में बनाए गए बूथ संख्या 1, 2 पर जमकर उपद्रव हुआ। मतदान केन्द्र पर रखे बैलेट पेपर फाड़ डाले। कुर्सियां तोड़ डाली। यहीं नहीं आक्रोशित लोगों ने जमकर पथराव किया। जिससे केन्द्र पर अफरा-तफरी मच गई। वहीं कई घंटे मतदान बाधित रहा। घटना के बाद केन्द्र छावनी में तब्दील हो गया। करीब एक घंटे के बाद भारी पुलिस बल की मौजूदगी में दोबारा मतदान शुरू हुआ।

ककरबई के गांव कैरोखर में बूथ नंबर 1 व 2 बनाए गए थे। गुरुवार को भोर से यहां मतदान हुआ। कुछ संख्या में ग्रामीण ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। तभी करीब 11.30 बजे कुछ संख्या में लोग मतदान केन्द्र के अंदर आ गए। इससे पहले कि कोई कुछ समझ पाता, उन्होंने कर्मचारियों से अभद्रता किया। विरोध करने वह और आक्रोशित हो गए। उन्होंने जमकर बवाल काटा। बेलेट पेपर फाड़ डाले। कर्मचारियों के लिए रखी गई कुर्सियां तोड़ डाली। यही नहीं उन्होंने मतपेटिया उठाने का भी प्रयास किया। उनमे पानी भर दिया। आनन-फानन में केन्द्र पर तैनात फोर्स ने आला अफसरों को खबर की। सूचना पर पहुंचे एसपी ग्रामीण नेपाल सिंह ने पुलिस बल के साथ घटना स्थल का जायजा लिया। वहीं फोर्स ने उपद्रव कर रहे लोगों को खदेड़ डाला।

भारतीय कोस्ट गार्ड ने 8 पाकिस्तानियों सहित बोट पकड़ी, 150 करोड़ रुपए कीमत की 30 किलो हेरोइन भी बरामद

कच्छ ।

गुजरात के कच्छ में इंडियन कोस्ट गार्ड (आईसीजी) और गुजरात के आतंकवाद रोधी दस्ते ने अरब सागर से लगी भारतीय समुद्री सीमा के अंदर एक बोट पकड़ी है, जिसमें 8 पाकिस्तानी सवार थे, तटरक्षक दल और आतंकवाद रोधी दस्ते को 8 पाकिस्तानियों से 30 किलो हेरोइन भी जब्त की है। इंडियन कोस्ट गार्ड ने पकड़े गए पाकिस्तानियों और हेरोइन के बारे में जानकारी दी है। आईसीजी ने ट्विटर पर कहा, आईसीजी ने एटीएस गुजरात के साथ एक संयुक्त अभियान में आज भारतीय समुद्री क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय समुद्री सीमा रेखा के पास जखौ बंदरगाह से पाकिस्तानी नौका पीएफबी (पाकिस्तानी फिशिंग बोट) पकड़ी। इसमें आठ पाकिस्तानी नागरिक सवार थे।

भारतीय कोस्ट गार्ड को देखकर इन्होंने भागने की कोशिश की, लेकिन नाकाम रहे। इनकी बोट से मछली पकडने के सामान के अलावा छिपाकर रखी गई 30 किग्रा हेरोइन भी जब्त की गई है।

डिलीवरी जखौ बंदरगाह पर होनी थी आईसीजी से मिली जानकारी के अनुसार, जब्त की गई हेरोइन की बाजार कीमत 150 करोड़ रुपए आंकी गई है। गिरफ्तार घुसपैठियों ने पूछताछ में खुद को मछुआरा बताते हुए कहा कि इस ड्रग्स की डिलीवरी कच्छ के जखौ पोर्ट पर की जाना थी। हेरोइन की डिलीवरी कौन लेने आने वाला था, इसकी जानकारी भी आईसीजी को मिल गई है। फिलहाल उसकी तलाश की जा रही है।

यूपी पंचायत चुनाव : कोरोना खतरे के बीच पहले चरण का मतदान संपन्न, कई जगह छिटपुट घटनाएं

लखनऊ।

कोरोना संक्रमण की दूसरी लहर के बीच यूपी में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के पहले चरण में गुरुवार को 18 जिलों में मतदान संपन्न हो गया। सुबह सात बजे से मतदान की प्रक्रिया शुरू हुई जो शाम छह बजे तक चली। 18 जिलों में जिला पंचायत सदस्य के 779, क्षेत्र पंचायत के 19,313 व ग्राम प्रधान के 14,789 पदों के चयन के लिए लोग सुबह सात बजे से ही मतदान केंद्र पहुंचे। शाम छह बजे तक मतदान का समय समाप्त होने के बाद भी लोग लाइन में लगे रहे। प्रदेश में शाम पांच बजे तक 18 जिलों में कुल 61 प्रतिशत मतदान हो गया था। गोरखपुर के सरदार नगर ब्लाक के प्राथमिक विद्यालय बघाड़ में बूथ संख्या-तीन पर तैनात पीठासीन अधिकारी मोहम्मद आरिफ खां की हार्ट अटैक से मौत हो गई। कुशीनगर, सेवरही के परसा ऊर्फ सिरसिया निवासी मोहम्मद आरिफ लोक निर्माण विभाग में तैनात थे। मतदान प्रक्रिया के लिए 18 जिलों में 51,176 केंद्र बनाए गए थे। जहां 3,16,46,162 मतदान गांव की सरकार के लिए अपने मताधिकार का प्रयोग किया। चुनाव में 2,99,012 उम्मीदवारों की किस्मत वोटिंग मशीन में बंद हो गई। चुनाव चार चरणों में होने हैं। परिणाम दो मई को आएंगे। रामपुर जिले की तहसील बिलासपुर की ग्राम पंचायत बलखेड़ा में पीठासीन अधिकारी ने एक व्यक्ति के पास से कई पर्चियां पकड़ लीं। हालांकि पुलिस ने बाद में पर्चियां लेकर वहीं फेंक दीं और मामले को रफा-दफा कर दिया। जिस पर प्रत्याशी इनकार खां ने बूथ पर हंगामा किया और फर्जी वोटिंग होने का आरोप लगाया साथ ही इसकी शिकायत डीएम और चुनाव आयोग से करने की बात कही। कानपुर में बिधनू ब्लॉक पिपरगवां गांव में एक प्रधान प्रत्याशी के समर्थकों ने बूथ नंबर 186 पर पीठासीन अधिकारी व कर्मियों से मारपीट की और मतपेटी में पानी डाल दिया। इससे करीब एक घंटे वोटिंग ठप रही। तब तक 227 वोट पड़ चुके थे। पुलिस ने दो लोगों को हिरासत में लिया है। जौनपुर में बदलापुर के रूपचंद्रपुर ग्राम पंचायत में बूथ संख्या 223 और 224 पर फर्जी वोट डालने को लेकर दो ग्राम प्रधान प्रत्याशियों के समर्थकों के बीच मारपीट हो गई, जिसमें चार घायल हुए हैं। बरेली में नबाबगंज तहसील के गांव जगराजपुर में एक बीडी सी प्रत्याशी का चुनाव चिन्ह ईंट बैलेट पेपर में नहीं है। उसकी जगह पर उसके नाम के आगे चकिया निशान था, जो एक अन्य प्रत्याशी का चुनाव चिन्ह था। प्रत्यशियों ने हंगामा किया जिससे मतदान करीब दो घंटे से ज्यादा देर तक प्रभावित रहा। सेक्टर मजिस्ट्रेट के समझने के बाद ही चुनाव दोबारा शुरू हुआ। जिलाधिकारी नीतीश कुमार ने बताया कि कुछ ही देर में नए परिवर्तित मतपत्र मिल जाएंगे और किसी प्रकार की परेशानी नहीं होगी। महोबा में जिला पंचायत की जैतपुर सीट के बूथ 11 और 12 में एजेंट न बनाए जाने से नाराज निर्दलीय प्रत्याशी आरती अरविंद नायक और उनके समर्थकों ने जिला प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की। तहसीलदार और पुलिस पर गंभीर आरोप लगाए। रायबरेली में तीन प्रधान पदों के चुनाव स्थगित कर दिए गए हैं। यह निर्णय प्रधान प्रत्याशियों के निधन के चलते लिया गया। इसमें हरदचंदपुर ब्लॉक के कठवारा, बछरावां ब्लॉक के पहनासा और सरेनी ब्लॉक के रामपुर कला पंचायत शामिल हैं।

सक्रिय और सचेत है सरकार, जो भी जरूरत होगी कदम उठाए जाएंगे : नीतीश

पटना। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने गुरुवार को कहा कि कोरोना के बढ़ते मामलों को लेकर सरकार सक्रिय और सचेत है। उन्होंने कहा कि कोरोना को लेकर 17 अप्रैल को राज्यपाल की ओर से सर्वदलीय बैठक बुलाई गई है, उस बैठक में जो भी सुझाव आएंगे उसे देखते हुए जो भी कदम जरूरत होंगे वह उठाए जाएंगें। पटना के इंदिरा गांधी आयुर्विज्ञान संस्थान (आईजीआईएमएस) में कोरोना टीकाकरण के दूसरा डोज लेने के बाद पत्रकारों से चर्चा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि कोरोना की जांच और टीकाकरण पर सरकार का पूरा ध्यान है। उन्होंने कहा, रोजाना एक लाख से ज्यादा टेस्टिंग हो रही हैं, इसे और बढ़ाना है। टीकाकरण का काम भी बड़े पैमाने पर किया जा रहा है। उन्होंने कहा, बिहार आने वाले हर किसी की जांच होगी। आने वाले को नहीं पता होता कि उसे क्या हुआ है, वहीं जो लोग उसके संपर्क में आते हैं उन्हें कोरोना हो जाता है, इसलिए जांच बहुत जरूरी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार सक्रिय और सजग है। अस्पतालों में बेडों की संख्या भी बढ़ाई जा रही है। विभाग और अधिकारी मिलकर काम कर रहे हैं। केंद्र सरकार से भी बात हो रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्थिति पर हमलोगों की पूरी नजर है। उन्होंने कहा कि 17 अप्रैल को राज्यपाल की अध्यक्षता में सर्वदलीय बैठक बुलाई गयी है और इसमें जो भी सुझाव आयेंगे उस पर सरकार निर्णय लेगी। उन्होंने स्पष्ट कहा कि स्थिति अगर गंभीर होगी तो हम कोई भी कदम उठाएंगे।

संक्षिप्त समाचार

ईडी के समन पर अधिकारियों के सामने पेश नहीं हुईं महबूबा मुफ्ती की मां

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती की मां गुरुवार को एक मनी लॉन्ड्रिंग मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के समक्ष हाजिर नहीं हुईं। ईडी के सूत्रों के अनुसार, गुलशन आरा को गुरुवार को एजेंसी के श्रीनगर स्थित कार्यालय में ईडी अधिकारियों के सामने पेश होने के लिए कहा गया था, लेकिन उन्होंने किसी भी अन्य वैकल्पिक तारीख पर पूछताछ करने का अनुरोध किया। ईडी ने 25 मार्च को मामले के संबंध में महबूबा मुफ्ती का बयान दर्ज किया था। वह राष्ट्रीय राजधानी में पूछताछ के लिए वित्तीय जांच के दो समन पर गैरहाजिर रहने के बाद ईडी के समक्ष पेश हुई थीं।

30 किलो हेरोइन के साथ 8 पाकिस्तानी गिरफ्तारी, एटीएस और कोस्ट गार्ड की संयुक्त कार्रवाई

अहमदाबाद . गुजरात एटीएस और इंडियन कोस्ट गार्ड ने आज यानी गुरुवार को कच्छ के जखौ के निकट संयुक्त कार्यवाही करते हुए नाव समेत 8 पाकिस्तानियों को गिरफ्तार कर लिया. पकड़े गए पाकिस्तानी शख्सों के पास से 30 किलो हेरोइन बरामद हुई है. अंतर्राष्ट्रीय बाजा में हेरोइन की कीमत रु. 150 करोड़ बताई जा रही है. गुजरात एटीएस और इंडियन कोस्ट गार्ड ने 8 पाकिस्तानी नागरिकों को भारतीय समुद्र में अंतर्राष्ट्रीय जल सीमा के निकट से पकड़ा है.

बंगाल में प्रचार नहीं करेंगी लेफ्ट पार्टियां

कोलकाता । पश्चिम बंगाल में लेफ्ट पार्टियों ने अच्छा फैसला लिया है। कोरोना को देखते हुए पार्टी ने आने वाले तीन चरणों के चुनाव में कोई भी बड़ी रैली न करने का ऐलान किया है। पार्टी के नेताओं ने कहा कि अब वे डोर टू डोर कैंपेन शुरू करेंगे। इसके अलावा ऑनलाइन तरीकों से भी प्रचार किया जाएगा। इससे कोरोना फैलने से रोका जा सकेगा। देश में कोरोना महामारी विकराल रूप ले चुकी है। बीते 24 घंटे में 1 लाख 99 हजार 376 नए मरीज मिले हैं। 93,418 ठीक हुए और 1,037 की मौत हो गई। नए केस का आंकड़ा पिछले साल 16 सितंबर को आए पहले पीक के दोगुना से ज्यादा हो गया है। तब एक दिन में सबसे ज्यादा 97,860 केस आए थे। इसके साथ ही एक्टिव केस, यानी इलाज करा रहे मरीजों की संख्या 14 लाख 65 हजार 877 हो गई है। यह 15 लाख के पार हो सकती है, क्योंकि इसमें बीते दो दिन से एक लाख से ज्यादा की बढ़ोतरी हो रही है।

IMD ने जारी किया मानसून का पहला अनुमान, इस साल सामान्य होगी बारिश

नेशनल डेस्क। भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) एक वेबिनार के जरिए दक्षिण पश्चिम मानसून का पहला दीर्घावधि पूर्वानुमान जारी कर रहा है। आईएमडी के अनुसार इस बार बारिश समान्य से बेहतर होगी, जो देश के लिए अच्छी खबर है। जून से सितंबर के बीच सक्रिय रहने वाले मानसून सीजन में कुल 98 फीसदी बारिश होने की संभावना है।

दो बार अनुमान होता है जारी

विभाग मानसून से पहले दो बार अपने अनुमान जारी करता है, पहले अनुमान से एक तस्वीर साफ हो जाती है कि उस साल मानसून की देश में चाल क्या रहेगी। वहीं दूसरे अनुमान से मानसून को लेकर तस्वीर और ज्यादा साफ होती है।

स्काइमेट ने ये जताया था अनुमान

मौसम संबंधी पूर्वानुमान व्यक्त करने वाली निजी एजेंसी 'स्काइमेट वेदर% ने मंगलवार को कहा था कि जून से सितंबर के दौरान देश में 75 प्रतिशत से अधिक वर्षा का योगदान देने वाला दक्षिण-पश्चिम मानसून इस साल सामान्य रहेगा। भौगोलिक जोखिम के आधार पर उत्तर-पूर्वी क्षेत्र के कुछ हिस्सों के साथ उत्तरी भारत में इस मौसम में कम बारिश होने की भी आशंका है।

जून से सितंबर के बीच 103 प्रतिशत वर्षा रहने का अनुमान

स्काइमेट के अनुसार जून से सितंबर के दौरान वर्षा का दीर्घावधि औसत (एलपीए) 103 प्रतिशत रहेगा। इसमें चूक की संभावना पांच प्रतिशत अधिक या कम की है। सामान्य% मानसून रहने की 60 प्रतिशत संभावना है और 'सामान्य से ज्यादा% बारिश की 15 प्रतिशत संभावना है। स्काइमेट ने कहा कि मासिक आधार पर जून में 106 प्रतिशत वर्षा जबकि जुलाई में 97 प्रतिशत वर्षा की संभावना है। अगस्त और सितंबर में 99 प्रतिशत और 116 प्रतिशत बारिश का अनुमान है। दीर्घावधि औसत के हिसाब से 96-104 प्रतिशत के बीच मानसून को सामान्य माना जाता है और 103 प्रतिशत वर्षा सामान्य रेंज में सबसे अधिक औसत है।

बीजेपी शासित नगर निगम चलाएगा वीकेंड लॉकडाउन में मेगा सैनिटाइजेशन अभियान

नई दिल्ली। दिल्ली में भाजपा शासित तीनों नगर निगम भी कोरोना के खिलाफ जंग में जुट गए हैं। निगम के अस्पतालों में बेड बढ़ाने की कवायद शुरू हो गई है। भाजपा के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष आदेश कुमार गुप्ता ने कहा कि कोरोना के मुश्किल वक्त में जनता के साथ नगर निगम खड़े हैं। तीनों नगर निगमों इस वीकेंड लॉकडाउन में पूरी दिल्ली में मेगा सैनिटाइजेशन अभियान चलाया जाएगा। भाजपा के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष आदेश गुप्ता ने बताया कि निगमों की ओर से दिल्ली में लगभग 130 वैक्सीनेशन सेंटर चलाये जा रहे हैं, जिनकी जल्द संख्या बढ़ाई जाएगी ताकि तेजी से वैक्सीनेशन हो सके। तीनों निगमों ने दिल्ली सरकार को ऑफर दिया है कि निगम अपने कम्युनिटी सेंटर्स, स्कूलों को क्वारंटाइन सेंटर्स बनाने को तैयार है। उन्होंने बताया कि पूर्वी दिल्ली नगर निगम के स्वामी दयानंद अस्पताल के प्राइवेट वार्ड में बेड्स की व्यवस्था की जाएगी। उत्तरी दिल्ली नगर निगम के हिंदूराव और बालकराम अस्पतालों में 200 से शुरूआत करके लगभग 1 हफ्ते में 400 बेड्स की व्यवस्था की जाएगी। दक्षिणी नगर निगम के तिलक नगर और कालकाजी अस्पतालों में 200 बेड्स की व्यवस्था की जाएगी।

US संसद में जलवायु परिवर्तन मुद्दे पर भारत के साथ द्विपक्षीय सहयोग को लेकर विधेयक पेश

वाशिंगटन:

अमेरिका के 10 सीनेटरों के एक समूह ने अंतर्राष्ट्रीय जलवायु परिवर्तन मुद्दे पर भारत के साथ द्विपक्षीय सहयोग को लेकर एक विधेयक पेश किया है। इसमें व्हाइट हाउस द्वारा अगले सप्ताह आयोजित किए जाने वाले विभिन्न देशों के नेताओं के शिखर सम्मेलन से पहले इस क्षेत्र में भारत के साथ द्विपक्षीय सहयोग को फिर से मजबूत करने समेत जलवायु परिवर्तन से निपटने में मददगार विभिन्न बातों का जिक्र किया गया है। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन ने 22 और 23 अप्रैल को आयोजित होने वाले इस शिखर सम्मेलन के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत विश्व के 40 नेताओं को आमंत्रित किया है। सीनेट विदेश संबंध समिति के अध्यक्ष एवं सीनेटर बॉब मेनेंडेज ने नौ अन्य डेमोक्रेटिक सदस्यों के साथ मिलकर 'जलवायु परिवर्तन के अंतरराष्ट्रीय न्यूनीकरण, अनुकूलन और प्रौद्योगिकी संवर्धन में अमेरिका के नेतृत्व संबंधी विधेयक' (अमेरिकी जलवायु विधेयक 2021) को पेश किया। मेनेंडेज ने कहा कि इस विधेयक में जलवायु परिवर्तन संबंधी व्यापक विदेश नीति पर सर्वाधिक ध्यान केंद्रित किया गया है। इस 212 पृष्ठों वाले विधेयक में भारत के लिए एक अलग अनुभाग समर्पित किया गया है, जिसमें बाइडन प्रशासन से अपील की गई है कि वह स्वच्छ ऊर्जा प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में अनुसंधान विकास एवं निवेश पर भारत के साथ द्विपक्षीय सहयोग को पुनः मजबूत करने के लिए कदम उठाए। विधेयक में कहा गया है कि अर्थव्यवस्था एवं मध्यम वर्ग के विस्तार के साथ भारत में ऊर्जा की मांग बढ़ेगी, ऐसे में ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को कम करने और जलवायु सुरक्षा बढ़ाने में मददगार और पर्यावरणीय एवं सामाजिक रूप से जिम्मेदार तरीकों से ऊर्जा क्षेत्र को बढ़ावा देने में भारत का समर्थन करना अमेरिका की राष्ट्रीय सुरक्षा एवं वैश्विक सुरक्षा के हित में होगा। विधेयक में कहा गया है कि भारत ने नवीकरणीय ऊर्जा में वैश्विक नेता बनकर अपनी बढ़ती ऊर्जा मांग को पूरा किया है। विधेयक में कहा गया है कि नवीकरणीय ऊर्जा में निवेश और राष्ट्रीय ग्रीनहाउस गैस न्यूनीकरण नीतियों के क्रियान्वयन के बावजूद भारत में दुनिया के सबसे दूषित जीवाश्म ईंधन बिजली संयंत्र हैं और उसके परिवहन क्षेत्र से अत्यधिक उत्सर्जन होता है। इसमें कहा गया है कि भारत विदेशी निवेश का अहम बाजार है और यह अंतरराष्ट्रीय स्वच्छ ऊर्जा विकास के क्षेत्र में भविष्य में बड़ा

प्रतिद्वंद्वी होगा। विधेयक में कहा गया है कि स्वच्छ ऊर्जा मंत्री एवं अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन में भारत के नेतृत्व ने उसे नवीकरणीय ऊर्जा के विकास में अग्रणी बना दिया है और इसे स्वच्छ ऊर्जा उत्पादकों में शीर्ष पांच वैश्विक उत्पादकों में शामिल करने में मदद की है।

129वां चीनी आयात-निर्यात उत्पाद विनिमय मेला उद्घाटित

बीजिंग। 129वां चीनी आयात-निर्यात उत्पाद विनिमय मेला 15 अप्रैल को उद्घाटित हुआ। इस बार का मेला फिर एक बार ऑनलाइन आयोजित किया गया। मेले का पैमाना स्थिर रहा और प्रदर्शनियों की संख्या एक नई ऊंचाई पर पहुंच गई। निर्यातित मालों के ढांचों, विदेशी व्यापार की प्रमुख इकाइयों और अंतर्राष्ट्रीय बाजार के लेइआउट को निरंतर श्रेष्ठ किया गया है। मेले के प्रेस प्रवक्ता श्यु पिन के परिचय के मुताबिक, मेला 10 दिनों के लिए चलेगा और 50 प्रदर्शित क्षेत्रों की तैयारी की गई है। अब कुल 27 लाख से अधिक उत्पादकों ने प्रदर्शनी में शामिल किया, जो इतिहास में एक नया रिकॉर्ड है। और करीब 8.2 लाख उत्पादक विश्व में पहली बार लोगों के सामने आए हैं। इस साल मेले में कुल 2600 आभासी प्रदर्शनी हॉल उपलब्ध हैं। देश विदेश के करीब 26 हजार उद्यमों ने हिस्सा लिया, जिन में 86.8 प्रतिशत निजी उद्यम हैं। वे फोटो, वीडियो, 3डी और वीआर आदि विविधतापूर्ण तरीकों से उत्पादों का प्रदर्शन करते हैं। कानाडा, ब्राजिल, दक्षिण कोरिया आदि 28 देशों और क्षेत्रों के 340 उद्यमों ने मेले में भाग लिया है।

अमेरिकी सांसद बोले-आतंकियों को आसरा देता है पाकिस्तान

वाशिंगटन।

आतंकवाद और आतंकवादियों को आसरा देना पाकिस्तान के लिए अब महंगा पड़ रहा है। भारत संयुक्त राष्ट्र में कई बार इस मामले को उठा चुका है। लेकिन पाकिस्तान मानने को तैयार नहीं है। अब अमेरिका ने पाकिस्तान का चेहरा बेनकाब किया है। अमेरिका के एक सांसद ने कहा कि अफगानिस्तान में तालिबान के जड़ें जमाने के पीछे पाकिस्तान का हाथ है। पाकिस्तान से ही तालिबान नियंत्रित हो रहा है। सीनेट आर्म्ड सर्विस कमेटी के अध्यक्ष जैक रीड ने गुरुवार को संसद में बताया कि तालिबान के बढने में बहुत बड़ा योगदान पाकिस्तान से मिल रही सुरक्षित पनाहगाह है। अमेरिका इसे खत्म करने में असफल रहा है।

बाइडेन प्रशासन के बाद आया बयान

गौरतलब है कि पिछले दिन व्हाइट हाउस की ओर से एक बयान जारी किया गया था। इसमें युद्धग्रस्त देश से 11 सितंबर तक अपने सभी सैनिकों को वापस बुलाने की बात कही गई है। बाइडेन प्रशासन की ओर से जारी बयान के बाद सांसद ने पाकिस्तान के बारे में खुलासा किया है। अमेरिकी सांसद रीड ने कहा, जैसा कि अफगान स्टडी समूह की ओर से बताया गया कि आतंकवाद के लिए ये पनाहगाह जरूरी हैं। इसके अलावा पाकिस्तान की आईएसआई ने मौके का फायदा उठाने के लिए अमेरिका के साथ सहयोग करते हुए तालिबान की मदद की।

अफगानिस्तान में भारी तबाही

उन्होंने कहा कि 2018 के आकलन को देखे तो पाकिस्तान ने सैन्य और खुफिया सहयोग दिया। जिससे अमेरिकी सैनिक, अफगान सुरक्षा बल के जवान और नागरिक मारे गए और अफगानिस्तान में भारी रक्तपात मचा। उन्होंने आगे बताया कि तालिबान को यह समर्थन पाकिस्तान की ओर से अमेरिका के सहयोग के विरोधाभासी है।

तंगहाल पाकिस्तान की तरह ही फिसड्डी निकला उसका पासपोर्ट

लाहौर। दुनिया में किस देश के पासपोर्ट की रैंकिंग क्या है, पासपोर्ट के लिहाज से किस देश की कितनी हैसियत है, इसकी नई लिस्ट जारी कर दी गई है। दुनिया में जहां जापान का पासपोर्ट सबसे मजबूत है, वहीं अफगानिस्तान का पासपोर्ट सबसे कमजोर है। इतना ही नहीं, पड़ोसी देश पाकिस्तान की तंगहाल स्थिति की तरह ही उसका पासपोर्ट भी फिसड्डी है। साल 2021 के लिए दुनिया के सबसे पावरफुल पासपोर्ट की रैंकिग की सूची में पाकिस्तान काफी नीचे है और इसका पासपोर्ट दुनिया का चौथा सबसे कमजोर पासपोर्ट है। पावरफुल पासपोर्ट के मामले में पाकिस्तान सिर्फ सीरिया, अफगानिस्तान और इराक से आगे है। इस इंडेक्स में यह बताया गया है कि किस देश के पासपोर्ट रखने वाले बिना पहले विजा लिए कितने देशों में जा सकता है। इस सूची में दुनिया का सबसे पावरफुल पासपोर्ट जापान का माना गया है। जापान का पासपोर्ट रखने वाले दुनिया के 193 में फ्री वीजा या वीजा ऑन अराइवल सुविधा के साथ घूम सकते हैं। इस लिस्ट में दूसरे सबसे पावरफुल पासपोर्ट वाले देश का नाम है सिंगापुर। सिंगापुर का पासपोर्ट रखने वाले शख्स को दुनिया के 192 देशों में फ्री वीजा या वीजा ऑन अराइवल की सुविधा मिलती है। वहीं, इस लिस्ट में तीसरे नंबर पर संयुक्त रूप से साउथ अफ्रीका और जर्मनी का नाम आता है, जिनके पास 191 देशों का एक्सेस है। यहां हैरानी का बात है कि सैन्य तख्तापलट के बाद भी म्यांमार इस इंडेक्स में 94वें नंबर पर स्थान हासिल करने में कामयाब रहा है। इसके पास 47 देशों में जाने का एक्सेस है। वहीं, भारत इस रैंकिंग में 84वें नंबर है और बांग्लादेश 100वें नंबर पर। भारत के नागरिक 58 देशों में फ्री वीजा या वीजा ऑन अराइवल पर जा सकते हैं। वहीं, चीन की बात करें तो ड्रैगन को इस सूची में 68वां स्थान मिला है। चीन की इस रैंकिंग में 22 पायदान का सुधार देखा गया है।

फेडेक्स सेंटर में गोलीबारी में 8 की मौत, हमलावर ने की आत्महत्या

लाहौर। इंडियानापोलिस में फेडेक्स के एक केंद्र पर फायरिंग कर 8 लोगों की गोली मारकर हत्या कर दी गई। इस घटना में कई अन्य घायल हो गए। पुलिस प्रवक्ता गेने कुक ने कहा कि अधिकारियों को शहर के अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के पास फेडेक्स सेंटर पर फायरिंग की जानकारी मिली है। उन्होंने कहा कि बंदूकधारी ने आत्महत्या कर ली।पुलिस ने बताया कि संदिग्ध बंदूकधारी ने हमला करने के बाद आत्महत्या कर ली। इंडियानापोलिस पुलिस की प्रवक्ता जिनी कुक ने कहा कि घटना रात की है। जब पुलिस घटनास्थल पर पहुंची तो वहां पर गोलीबारी चल रही थी। कुक ने बताया कि कई लोगों को गोली लगी है हालांकि उन्होंने घायलों की संख्या नहीं बताई। उन्होंने कहा कि बंदूकधारी मर चुका है और अब लोगों को कोई खतरा नहीं है। फेडेक्स केंद्र में काम करने वाले घटना के एक चश्मदीद ने कहा कि गोलियों की आवाज आई और उसके बाद उसने एक बंदूकधारी को वहां गोलियां चलाते देखा। इस घटना के लाइव वीडियो में पुलिस ने बड़े पैमाने पर गोलीबारी की बात देखी है। इससे पहले पिछले महीने के अंत में, दक्षिणी कैलिफोर्निया में एक कार्यालय की इमारत में एक बच्चे सहित चार लोगों की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। 22 मार्च को कोलोराडो के बोल्डर में एक किराने की दुकान पर हुई गोलीबारी में 10 लोग मारे गए थे। एक हफ्ते के बाद कम आया जब एक आदमी ने अटलांटा, जॉर्जिया में स्पा में एशियाई मूल की छह महिलाओं सहित आठ लोगों की गोली मारकर हत्या कर दी। अमेरिका में लगभग 40,000 लोग हर साल बंदूकों से मरते हैं।

अमेरिकी सैनिकों की वापसी से अफगानी महिलाओं में भय

रियाद। अफगानिस्तान से अमेरिकी सैनिकों की वापसी की घोषणा के बाद से अफगानी महिलाएं डरी हुई हैं। उन्होंने आशंका जताई है कि अमेरिकी सैनिकों की वापसी के बाद देश में दोबारा तालिबान का कब्जा हो सकता है। हेरात यूनिवर्सिटी की छात्रा बसीरह हैदरी कहती हैं कि हमने तालिबान के खौफनाक दिन देखे हैं। मुझे आशंका है कि अब वे हमें घरों से नहीं निकलने देंगे। हम अपनी पढ़ाई पूरी कर कुछ बड़ा काम करना चाहते थे। लेकिन तालिबान के आने के बाद यह कर पाना असंभव हो जाएगा। हम कट्टरपंथियों की सोच को पूरी तरह नहीं बदल सकते। कम से कम वे हमें पढने दें। एक अन्य छात्रा सलमा एहरारी ने कहा कि दुनिया इस बात को समझे कि तालिबान उन्हें मूर्ख बना रहा है। तालिबान अब भी नहीं बदला है। भले ही तालिबानी लोग सोशल मीडिया और आधुनिक टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल कर रहे हैं। लेकिन उनकी सोच आज भी 20 साल पुरानी है। उनके रहते महिलाएं शिक्षा नहीं ग्रहण कर सकतीं। अफगानिस्तान की एक पत्रकार आतिफा अलीजादे ने कहा, 'मेरे पिता डरे हुए हैं। उन्होंने मुझसे काम छोडने को कहा है।' आतिफा ऐसा इसलिए कह रही हैं क्योंकि पिछले छह महीने में अफगानिस्तान में 8 पत्रकारों की हत्या कर दी गई है।

अमेरिका में सफेद कपास का उत्पादन कैसे हुआ?

बीजिंग।

18वीं और 19वीं सदी तक, कपास उद्योग अमेरिका के लिए आय के मुख्य स्रोतों में से एक था। उस समय अमेरिका को कपास साम्राज्य भी कहा जाता था। अमेरिका के लिए, कपास न केवल एक आर्थिक शक्ति थी, बल्कि एक राजनीतिक शक्ति भी थी। कपास को उन कारकों में से एक माना जाता है, जिन्होंने उस समय गृहयुद्ध शुरू किया था। अमेरिका के दक्षिणी राज्यों में कपास की खूब खेती होती थी, लेकिन इसे उगाना घाटे का सौदा माना जाता था। कारण यह था कि कॉटन के बीज से कॉटन निकालने में बहुत समय और पैसा लगता था। इसमें इतना समय और पैसा लगता था कि एक बार तो किसान कॉटन की खेती बंद करने की बात सोचने लगे थे। लेकिन इसे आसान बनाया कॉटन जिन नामक मशीन के आविष्कारक इली ह्विटनी ने। 8 दिसंबर 1765 को मैसाचुएट्स, अमेरिका में जन्मे इली ह्विटनी ने सन् 1793 में कॉटन जिन मशीन का आविष्कार किया। इस मशीन के द्वारा एक दिन में करीब 25 किलो कॉटन को बीजों से निकाला जा सकता था। इस आविष्कार के कारण अमेरिका में कॉटन की खेती बढ़ गई और विश्व बाजार में कॉटन के कपड़े छा गए। परंतु, इससे पहले अमेरिका में कपास उत्पादन का स्तर बहुत कम था और इसकी अर्थव्यवस्था के लिए बहुत कम महत्व था। वृक्षारोपण प्रणाली मुख्य रूप से तंबाकू, धान और इंडिगो पर आधारित थी। कपड़ा उद्योग में कपास की स्थिति के बारे में सभी जानते थे, लेकिन समस्या तकनीकी कठिनाइयों की थी। समय की कमी और श्रम की बचत विधि से कपास के बीजों को फाइबर से अलग करना बहुत मुश्किल होता था। ऐसा इसलिए, क्योंकि कपास ऊन कपास के बीज को लपेटता है, जिससे कपास इकट्ठा करना बहुत मुश्किल हो जाता है। इली व्हिटनी ने जिस तकनीक का आविष्कार किया वह लोकप्रिय हो गया, लेकिन अन्य लोगों ने इसे अनधिकृत रूप से उपयोग करना शुरू कर दिया, जिसके परिणामस्वरूप न्यूनतम वित्तीय लाभ हुआ। कॉटन जिन की लोकप्रियता के साथ, अमेरिका में बड़े पैमाने पर कपास उद्योग का जन्म हुआ। कपास उगाने वाले उद्योग का विस्तार अमेरिका के अनेक राज्यों में हुआ, जिसमें दक्षिण कैरोलिना, उत्तरी कैरोलिना, जॉर्जिया और वर्जीनिया शामिल हैं और जल्दी से पश्चिम की ओर फैल गया। बाद में, टेक्सास और एरिजोना प्रमुख कपास उत्पादक क्षेत्र बन गए। सन् 1926 तक, अमेरिका में कपास का क्षेत्रफल करीब 4.5 करोड़ एकड़ तक फैल गया।

मिस्र में रेत में दफन मिला 3400 साल पुराना सोने का शहर

लग्जर । मिस्र में पुरातत्वविदों को दक्षिणी राज्य लग्जर में नील नदी के पश्चिमी तट पर खोया हुआ सोने का शहर मिल गया है। इसे 1922 में मिस्र के सबसे चर्चित फैरों यानी राजा तूतनखामेन (तुत) के मकबरे की खोज के बाद सबसे बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है। मिस्र में पुरातत्व मामलों के राज्य मंत्री रह चुके पुरातत्वविद जही हावास ने अपने फेसबुक पेज पर इसकी घोषणा की। करीब 3,400 साल पुराना यह शहर लग्जर में मशहूर किंग्स वैली के पास रेत में दफन मिला। यह वही जगह है जहां तुत का मकबरा मिला था। इसी मकबरे से तूतनखामेन की ममी के साथ 10 किलो सोने से बने मुखौटे समेत करीब 5 हजार बेशकीमती कलाकृतियां मिली थीं। दिलचस्प बात यह है कि यह खोज अनजाने में हुई है। पुरातत्वविदों की टीम तूतनखामेन के शवगृह मंदिर की खोज करते-करते इस दफन शहर तक पहुंच गई।

सत्य का प्रतिनिधित्व करने वाली अंतर्राष्ट्रीयता शक्ति बढ़ती रही : राज गलोर

बीजिंग।

हाल में इजराइल के लघु वीडियो इंटरनेट सेलिब्रिटी राज गलोर ने चीन के शिनच्यांग के अकसू क्षेत्र की शाया काउंटी जाकर वहां कपास खेती मैदान में काम करने का अनुभव लिया। सीएमजी के साथ साक्षात्कार में उन्होंने कहा कि शिनच्यांग की यात्रा में सबसे यादगार बात है कि यहां सब सामान्य रहे हैं। स्थानीय लोग सुखी के लिए संघर्ष कर रहे हैं।

औस्ट्रेलियाई सिटिजंस पार्टी की वेबसाइट द्वारा हाल में एक रिपोर्ट जारी कर अमेरिका और ब्रिटेन आदि पश्चिमी देशों ने भू-राजनीतिक मकसद से अलगाववादी और आतंकवादी कार्यवाइयां कर चीन की स्थिरता को बर्बाद करने और चीन के विकास को नियंत्रित करने की कुचेष्टा का पदार्फाश किया। इधर के वर्षों में चीन सरकार द्वारा उठाये गए आतंकवादी विरोधी कदम प्रभावी है। अमेरिका जैसे पश्चिमी देशों के चीन विरोधी राजनेताओं ने जानबूझकर कई संस्थाओं का नियंत्रण कर शिनच्यांग संबंधी अनेक अफवाहों की रचना की और पश्चिमी मीडिया के जरिए फैलने की कोशिश की। हाल में औस्ट्रेलियाई सामरिक नीति अनुसंधान एएसपीआई द्वारा स्थापित शिनच्यांग डेटा प्रॉजेक्ट का खुलासा किया गया। इसके मुताबिक, शिनच्यांग में बहुत ज्यादा नजरबंद स्थल हैं, लेकिन उस द्वारा जारी भौगोलिक जानकारी के विश्लेषण से बताया गया कि 90

प्रतिशत सरकारी इकाइयां, अस्पताल, निवास कम्युनिटि और दुकानें हैं। वास्तव में पश्चिमी देशों में चीन विरोधी शक्तियों के बीच आपसी सांठ-गांठ खुला रहस्य है। कई दिनों पहले भूतपूर्व अमेरिकी एफबीआई अनुवादक सिबेल एदमोंदज के 2015 के शिनच्यांग साक्षात्कार वीडियो को रिलीज किया गया। वीडियो में उसने कहा कि अमेरिका की योजना है कि अफगानिस्तान, यूक्रेन और इराक में उपयोगी उपाय चीन के शिनच्यांग में लाने की कोशिश करना है। शिनच्यांग संबंधी मसले पर सत्य का प्रतिनिधित्व करने वाली अंतर्राष्ट्रीयता की शक्ति बढ़ती रही, जिससे शिनच्यांग से चीन को नियंत्रित करने की कुचेष्टा अवश्य ही विफल होगी।

जैव सुरक्षा कानून 15 अप्रैल से लागू

बीजिंग। वर्ष 2021 के 15 अप्रैल को चीन का छठा राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस मनाया गया। इस मौके पर जैव सुरक्षा कानून औपचारिक रूप से लागू किया गया। राष्ट्रीय सुरक्षा के एक महत्वपूर्ण भाग के रूप में जैव सुरक्षा हमारे जीवन से दूर नहीं है। गौरतलब है कि यह कानून चीन में जैव सुरक्षा क्षेत्र में पहला आधारभूत कानून है जिसमें महामारी की रोकथाम व नियंत्रण, जैव तकनीक का विकास, प्रयोगशाला की सुरक्षा, मानव आनुवंशिक संसाधन व जैव संसाधन की सुरक्षा, विदेशी प्रजातियों का आक्रमण, जैव विविधता, माइक्रोबियल प्रतिरोध, जैव आतंकवादी हमला और जैव हथियारों की धमकी समेत आठ मुख्य चुनौतियां शामिल हुई हैं, ताकि चीन में जैव सुरक्षा को सुनिश्चित करने के लिये एक सख्त कानूनी रक्षा रेखा की स्थापना की जा सके। एनपीसी की संविधान व कानून कमेटी के उपाध्यक्ष छूंग बिन ने कहा कि जैव सुरक्षा के संबंधित कानून व नीति-नियमों के आधार पर जैव सुरक्षा कानून में जैव सुरक्षा से जुड़ी चुनौतियों का मुकाबला करने के अनुभव इकट्ठे किए गए हैं। खास तौर पर कोविड-19 महामारी की रोकथाम व नियंत्रण में मौजूद समस्याओं के प्रति जैव सुरक्षा की निगरानी, चेतावनी, जोखिम की जांच व मूल्यांकन आदि बुनियादी व्यवस्थाओं को निश्चित किया गया।

पारा 1 डिग्री चढ़ेगा, भारत में बारिश 5 फीसदी ज्यादा होगी

बर्लिन । पोट्सडैम इंस्टीट्यूट ऑफ क्लाइमेट इम्पैक्ट रिसर्च (जर्मनी) के साइंटिस्ट, प्रोफेसर एंडर्स लीवरमैन ने ग्लोबल वार्मिंग की वजह से भारत की बारिश पर होने वाले प्रभावों का अध्ययन किया है। उनके मुताबिक, जितनी बार धरती का पारा ग्लोबल वार्मिंग की वजह से एक डिग्री सेल्सियस ऊपर चढ़ेगा, उतनी बार भारत में मानसून की 5 फीसदी ज्यादा बारिश होगी। उनका कहना है कि मॉनसूनी बारिश हर साल बुरी होती जाएगी। साथ ही इसका अंदाजा लगाना भी मुश्किल होगा। उनकी यह स्टडी अर्थ सिस्टम डायनेमिक्स में प्रकाशित हुई है। भारत में आमतौर पर बारिश का सीजन जून के महीने से शुरू होता है और यह सितंबर के अंत तक चलता है। प्रो. एंडर्स ने बताया कि इस सदी के अंत तक साल-दर-साल ग्लोबल वार्मिंग की वजह से तापमान बढ़ेगा। हमारी स्टडी में यह बात सामने आई है कि भारत में मॉनसूनी बारिश और तबाही मचाएगी। इससे ज्यादा बाढ़ आएगी जिससे लाखों एकड़ में फैली फसलें खराब होंगी। एंडर्स के मुताबिक, इस शोध के लिए उन्होंने क्लाइमेट मॉडल 31 का उपयोग किया है।

यूएई ने कहा-भारत और पाकिस्तान के रिश्ते सुधारने में मदद कर रहे

वॉशिंगटन ।

संयुक्त अरब अमीरात ने पहली बार आधिकारिक तौर पर यह कबूल किया है कि वो भारत और पाकिस्तान के बीच रिश्ते सुधारने में मदद कर रहा है। अमेरिका में यूएई के एम्बेसेडर यूसुफ अल ओटायबा ने कहा-हम चाहते हैं कि ये दोनों देश अच्छे दोस्त भले ही न बन सकें, लेकिन कम से कम बातचीत तो शुरू होनी ही चाहिए ताकि इस क्षेत्र में अमन कायम हो सके। पिछले महीने भारत और पाकिस्तान अचानक एलओसी पर संघर्ष विराम के लिए राजी हुए थे। तब कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में कहा गया था कि यूएई दोनों देशों के बीच बैक डोर डिप्लोमैसी में मदद कर रहा है। हालांकि, यह पहली बार है कि यूएई ने अपनी भूमिका स्वीकार की है। यूसुफ ने बुधवार को स्टेनफोर्ड यूनिवर्सिटी के एक वर्चुअल सेशन में शिरकत की। यहां भारत-पाकिस्तान रिश्तों और इनमें यूएई की भूमिका पर सवाल भी पूछे गए। एक सवाल के जवाब में इस डिप्लोमैट ने कहा-दोनों देश एटमी ताकत से लैस हैं। इनके बीच हेल्दी रिलेशन जरूरी हैं। यह जरूरी नहीं कि इन दोनों देशों के बीच गहरी दोस्ती ही हो। लेकिन, कम से कम दुश्मनी नहीं होनी चाहिए। बातचीत जरूरी है।

कट्टरपंथियों से डरती है इमरान सरकार

पिछले दिनों पाकिस्तान के नए वित्त मंत्री हम्माद अजहर ने भारत से कपास और शक्कर के आयात को मंजूरी दी थी। इन दोनों ही चीजों की वहां बेहद किल्लत है। कॉटन न होने की वजह से टेक्सटाइल इंडस्ट्री बंद होने की कगार पर है। रमजान के पवित्र महीना चल रहा है और पाकिस्तान में इस वक्त शक्कर की कीमत 115 रुपए प्रति किलोग्राम है। बहरहाल, हम्माद के ऐलान के अगले ही दिन इमरान सरकार ने इन दोनों चीजों के इम्पोर्ट करने का फैसला वापस ले लिया। पाकिस्तानी मीडिया का कहना है कि 24 घंटे में फैसला बदलने के पीछे कट्टरपंथियों का दबाव था।

अरब के शेख ब्रिटेन के सबसे बड़े जमींदार

यूएई के पीएम ने ब्रिटेन के पॉश इलाके में 1 लाख एकड़ जमीन खरीदी

लंदन।

ब्रिटेन में शासन भले ही शाही परिवार का हो, लेकिन यहां की ज्यादातर जमीन का मालिक कोई और है। ये शख्स हैं- दुबई को दुनिया का सबसे खूबसूरत शहर बनाने वाले यूएई के उपराष्ट्रपति और प्रधानमंत्री शेख मोहम्मद बिन रशीद अल मख्तूम। इनके पास ब्रिटेन में 40 हजार हेक्टेयर यानी करीब 1 लाख एकड़ जमीन है। वे यहां के सबसे बड़े जमींदार बन गए हैं। ये खुलासा ब्रिटिश अखबार 'द गार्जियन' ने किया है। शेख मोहम्मद के पास लंदन के सबसे महंगे और पॉश इलाकों में भव्य हवेली, मेंशन यहां तक कि न्यूमार्केट जैसी बेशकीमती जगह पर अस्तबल और ट्रेनिंग सेंटर भी हैं। इसके अलावा स्कॉटिश हाइलैंड में भी करीब 25,000 हेक्टेयर जमीन है। हैरानी की बात ये है कि शेख तो ब्रिटेन में धड़ल्ले से महंगी जमीन खरीद रहे हैं, लेकिन यहां कीमत से ज्यादा अहम यह है कि शाही परिवार भी शेख को अपनी जमीन बेच रहा है। ब्रिटेन के हाई-प्रोफाइल लोगों के बीच अपना दबदबा बनाने में शेख के हॉर्स रेसिंग में किए गए निवेश का बहुत बड़ा हाथ है। साल 2011 से 2020 के बीच में शेख ने अकेले घुड़दौड़ पर 6,000 करोड़ रुपए का निवेश किया है। इस आंकड़े का मतलब है पूरे का पूरा न्यूमार्केट का इलाका और ब्रिटेन में खेला जाने वाला यह खेल, दोनों शेख पर निर्भर हैं। अरात इंवेस्टमेंट लिमिटेड कंपनी के जरिए शेख ने न्यूमार्केट इलाके में फैली जमीन का आधे से ज्यादा हिस्सा खरीद लिया। इतना ही नहीं, न्यूमार्केट के आसपास 100 से ज्यादा प्रॉपर्टी ऐसी हैं, जिनका घोड़ों से ताल्लुक नहीं है, लेकिन उन पर शेख की मिल्कियत है। 2019 में जॉकी क्लब ने क्वीन एलिजाबेथ की स्टेच्यू के साथ शेख के सम्मान में उनका पोर्ट्रेट भी जारी किया था। लोगों ने यह कहते हुए शेख का आभार जताया कि उन्होंने यहां रेसिंग एंपायर खड़ा कर किया। शेख ने 1981 से 2015 के बीच सैकड़ों एकड में फैली प्रॉपर्टी खरीदी है, जिसकी कीमत करीब 10 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा आंकी गई है। इनमें ड्यूक का शाही एस्टेट, ऐतिहासिक माल्टन पैडॉक्स और रटलैंड हाउस भी शामिल है।

संपादकीय

कोरोना में महंगाई

खुदरा बाजार में तो महंगाई का असर पहले ही दिखने लगा था, लेकिन अब थोक महंगाई के आंकड़े भी सामने आ गए हैं। थोक महंगाई आठ साल के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई है। थोक महंगाई के लिए सीधे-सीधे कच्चे तेल और धातु की कीमतों को जिम्मेदार ठहराया जा रहा है, जिसके चलते थोक कीमतों पर आधारित मुद्रास्फीति मार्च में बढ़कर 7.39 प्रतिशत हो गई थी। एक महीने में महंगाई की यह बड़ी छलांग है, क्योंकि फरवरी में यह मुद्रास्फीति महज 4.17 प्रतिशत पर थी। इसके पहले थोक महंगाई अक्तूबर 2012 में 7.4 प्रतिशत के उच्चतम स्तर पर थी। एक कारण यह भी बताया जा रहा है कि पिछले साल चूंकि मार्च में ही यह मुद्रास्फीति कम थी, इसलिए तुलनात्मक रूप से अभी महंगाई ज्यादा नजर आ रही है। पिछले साल मार्च महीने में महंगाई दर 0.42 प्रतिशत ही थी। फरवरी के महीने में चूंकि तेल की कीमतों में लगातार बढ़ोतरी की जा रही थी, उसका असर इस मुद्रास्फीति पर पड़ना तय था। पेट्रोल, डीजल की बढ़ती कीमतों की वजह से ही मार्च में ईंधन और बिजली की मुद्रास्फीति 10.25 प्रतिशत रही, जो फरवरी में महज 0.58 प्रतिशत थी। आंकड़ों के अनुसार, मार्च में खुदरा मुद्रास्फीति चार महीने के उच्चतम स्तर 5.52 प्रतिशत पर पहुंच गई थी। महंगाई का बढ़ना कतई नहीं चौंकाता, क्योंकि एक समय महंगाई को रोकने के लिए कुछ भी नहीं किया जा रहा था। यहां तक कि भारतीय रिजर्व बैंक ने भी अपनी नीतियों से महंगाई के पक्ष को मजबूत किया। यह माना गया कि महंगाई को कुछ बल देना देश की अर्थव्यवस्था में सुधार के लिए जरूरी है, ताकि उत्पादकों को लाभ हो। लॉकडाउन के दौर में ज्यादातर उत्पादों के दाम काबू में थे, उत्पाद बहुत मुश्किल से बिक रहे थे, लेकिन जैसे ही बिक्री में तेजी आई, दाम बढ़ने लगे। कीमतों के बढ़ने का यह क्रम हम सब्जियों से लेकर घर-जमीन तक देख सकते हैं। नवंबर के बाद के तीन महीने ऐसे रहे हैं, जब मनमाने ढंग से चीजों की कीमतों को बढ़ने दिया गया है, नतीजा सामने है। वैसे भी, यह बताया जाता है कि मुद्रास्फीति महंगाई की पूरी कहानी बयान नहीं करती है। सब्जियों-फलों के दाम फिर बढ़ने लगे हैं, जो कि गरमियों में होता ही है। तेल की कीमतें चुनाव की वजह से स्थिर हैं, लेकिन मतदान होने के बाद तेल कंपनियों के घाटे का रोना फिर सुनाई पड़ सकता है। यह ऐसा समय है, जब सरकार को महंगाई के प्रति सजग हो जाना चाहिए। कोरोना का कहर चरम पर पहुंच रहा है। गरीब व मध्यवर्गीय आबादी सुरक्षित ठिकानों की ओर निकल पड़ी है। लोग अपने बजट की चिंता करने लगे हैं। जो काम ऑनलाइन संभव नहीं हैं, उन सब पर असर दिखने लगा है। महंगाई को एक सीमा तक ही बढ़ने की इजाजत दी जाए। हो सकता है, भारतीय रिजर्व बैंक अपनी मौद्रिक नीति में बदलाव करे, लेकिन उससे ज्यादा जरूरी है कि तेल, ईंधन की कीमतों को स्थिर रखा जाए। तेल और रसोई के खर्च को बढ़ने से रोकना आम लोगों के खाते में नकद राहत देने से बेहतर है। याद रहे, लॉकडाउन के समय लोग संभल गए थे, क्योंकि महंगाई ज्यादा नहीं थी। इस बार भी महंगाई को काबू में रखना अनिवार्य है। इसके साथ ही जिन जमाखोरों का दुस्साहस वैधानिक समर्थन से बढ़ा हुआ है, उन पर भी लगाम जरूरी है, ताकि बाजार में किसी चीज की कालाबाजारी न हो।

आज के ट्वीट

सिविल वॉर

फ्रांस ने अपने नागरिकों से जल्द से जल्द पाकिस्तान छोड़ने को कहा। पाकिस्तान में फ्रांस के मुद्दे पर हो रही सिविल वॉर।

- पुष्पेंद्र कुलश्रेष्ठ

रायसीना संवाद में कोरोना प्रभावित विश्व की चिंता

सियाराम पांडेय 'शांत'

दिल्ली में रायसीना डायलॉग-2021 का वर्चुअल आगाज हो चुका है। वर्ष 2016 में शुरू हुआ रायसीना संवाद 13 अप्रैल से 16 अप्रैल तक चलने वाला है। जिसमें 50 सत्रों का आयोजन हो रहा है। कार्यक्रम में 50 देशों के 150 स्पीकर हिस्सा ले रहे हैं। रायसीना संवाद के इस छठवें संस्करण का आयोजन ऐसे समय हो रहा है जब पूरी दुनिया कोविड-19 की चपेट में हैं। ऐसे में कोरोना महामारी से निपटने के तौर-तरीकों और आपसी सहयोग पर मंथन हो रहा है। कोरोना आज की ज्वलंत समस्या है। एक साल से अधिक समय हो गया, दुनिया के तमाम देश कोरोना से बर्बाद हो रहे हैं। जान-माल का अपरिमित नुकसान झेल रहे हैं। बीमारी जब वैश्कि हो, समस्या वैश्विक हो तो उसका निदान भी वैश्विक ही होना चाहिए। समस्या के निदान में संवाद की बड़ी भूमिका होती है। रायसीना संवाद को इसी कड़ी में देखा-समझा जा सकता है। 13 अप्रैल से 16 अप्रैल तक चलने वाले इस संवाद का आगाज बेहद प्रेरक रहा है। इसमें कोरोना तो उभयनिष्ठ था ही, चीन की भी चर्चा हुई। पड़ोसियों के साथ उसके विस्तारवादी व्यवहार की आलोचना हुई तो उसकी कुछ अच्छाइयों का भी जिक्र हुआ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की इस बात में दम है कि हम किसी भी समस्या के समाधान के लिए प्लान तो बदल सकते हैं लेकिन प्लैनेट नहीं। रहेंगे तो आखिर धरती पर ही, इसलिए हमें धरती की जरूरतों के हिसाब से ही अपना रहन-सहन, कार्य व्यवहार सुनिश्चित करना पड़ेगा। जबतक कोरोना महामारी के खिलाफ सभी एकजुट नहीं होंगे, तब तक मानव जाति इसे हरा नहीं पाएगी। भारत ने इन विषम परिस्थितियों में अपने 138 करोड़ नागरिकों की तो चिंता की ही, दूसरे देशों की भी सहायता की। कोरोना ने वैश्विक व्यवस्था और अपनी सोच में परिवर्तन करने का दुनिया को अवसर दिया है। हमें ऐसी व्यवस्था बनानी चाहिए, जिससे आज की समस्याओं और आगामी चुनौतियों का निराकरण हो सके। उन्होंने कहा कि कई बाधाओं के बावजूद हमने 80 से अधिक देशों को कोविड-19 रोधी टीके उपलब्ध कराए। उन्होंने सुस्पष्ट किया कि मानवता इस महामारी को हराने में तबतक कामयाब नहीं हो सकेगी जब तक हम सब, हर जगह, यह सोचे बिना कि हमारे पासपोर्ट का रंग क्या है, इससे बाहर निकलने की कोशिश नहीं करेंगे। वहीं, विदेश मंत्री एस जयशंकर ने स्वास्थ्य सुरक्षा को राष्ट्रीय सुरक्षा का अभिन्न अंग बताया। साथ ही यह संदेश भी दिया कि पूरे विश्व में कोरोना वायरस रोधी टीके तक सभी लोगों की समान रूप से पहुंच महत्वपूर्ण है क्योंकि जबतक सभी लोग सुरक्षित नहीं होंगे तबतक कोई सुरक्षित नहीं होगा। उन्होंने भारत के टीका मैत्री अभियान का भी जिक्र किया और कहा कि भारत इस अभियान के तहत सुनिश्चित करने का प्रयास कर रहा है कि एक भी व्यक्ति टीके से वंचित न रह जाए। भारतीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कहा है कि 'दक्षिण-दक्षिण संबंध, मानवीय सहयोग, आपदा के खिलाफ प्रतिरोध को लेकर पूरी दुनिया को एक साथ आना चाहिए। भारत ने जनवरी से अबतक विश्व के 83 देशों में 6 करोड़ 45 लाख वैक्सीन मानवीय आधार पर भेजी है। प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार के विजय राघवन ने कहा कि कोविड-19 महामारी से निपटने के लिए भारत ने तेजी से टीका बनाया बल्कि दुनिया में वह टीके का निर्यात भी कर रहा है। कोविड रोधी टीके के निर्माण में न केवल बड़ी कंपनियां लगी हैं बल्कि चिकित्सा शिक्षा भी इस कार्य में व्यापक मदद दे रहा है। नाटो के महासचिव जेन्स स्टोलटेनबर्ग ने क्षेत्र में पड़ोसियों पर दबाव डालने और दक्षिण चीन सागर में नौवहन की स्वतंत्रता में बाधा उत्पन्न करने के चीन के कदमों की ओर ध्यान आकृष्ट किया। उन्होंने कहा कि ट्रान्स अटलांटिक सैन्य गठबंधन चीन के चलते उत्पन्न सुरक्षा प्रभावों का मुकाबला करने के लिए एक महत्वपूर्ण मंच है। स्टोलटेनबर्ग ने रायसीना डायलॉग में अपने आनलाइन संबोधन में इस बात का विश्वास जाहिर किया कि भारत की हिंद-प्रशांत क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण भूमिका है। साथ ही, यह एक महत्वपूर्ण और सक्रिय अंतरराष्ट्रीय हितधारक भी है। नाटो के लिए एक एकीकृत सैन्य सहयोग का हिस्सा बने बिना देश के साथ अलग-अलग तरीके से काम करने की काफी संभावनाएं है। भारत वास्तव में वैश्विक परिदृश्य में मायने रखता है। इस कार्यक्रम में रवांडा के राष्ट्रपति पॉल कगामे और डेनमार्क के प्रधानमंत्री मेट्टे फेडरिक्शन इस बार बतौर मुख्य अतिथि हिस्सा ले रहे हैं। वहीं, आस्ट्रेलिया की विदेश मंत्री मरीसे पायने, फ्रांस के विदेश मंत्री जीन वेस ली ड्रायन भी इस संवाद कार्यक्रम में हिस्सा ले रहे हैं। भारत सरकार द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में इस बार नेपाल, पुर्तगाल, स्लोवेनिया, रोमानिया, सिंगापुर, जापान, इटली, स्वीडन, नाइजीरिया, आस्ट्रेलिया, केन्या, मालदीव, चिली, कतर, ईरान और भूटान के विदेश मंत्री भी हिस्सा ले रहे हैं। यह और बात है कि विश्व स्वास्थ्य संगठन के प्रमुख टेड्रोस अदानोम गेब्रेयसस का मानना है कि भले ही दुनियाभर में अब तक 78 करोड़ से अधिक कोविड-19 रोधी टीके लगाए जा चुके हैं, लेकिन महामारी का अंत अब भी काफी दूर है। उन्होंने यह तो माना कि चीन के वुहान शहर में दिसंबर 2019 में कोरोना वायरस संक्रमण का पहला मामला सामने आया था। अबतक दुनियाभर में 13,65,00,400 लोग इसकी चपेट में आ चुके हैं। इनमें से 29,44,500 की मौत हो चुकी है लेकिन चीन की नीति और नीयत पर वे चुप्पी साधे ही नजर आए। भले ही वे रायनीसा संवाद का हिस्सा न हों और उनका यह बयान कोरोना संक्रमण के संदर्भ में अलग से आया हो लेकिन विश्व स्वास्थ्य संगठन के प्रमुख होने के नाते वे दुनिया भर में फैल रहे कोरोना संक्रमण के लिए चीन की आलोचना तो कर ही सकते हैं। रायसीना संवाद का निष्कर्ष अंतिम दिन निकलेगा लेकिन इससे देश-दुनिया को आगे ले जाने की जो रूपरेखा बनेगी, वह निर्णायक होगी, इतनी उम्मीद तो की ही जा सकती है।

(लेखक हिन्दुस्थान समाचार से संबद्ध हैं।)

ज्ञान गंगा

चमत्कार एक भ्रम

सद्गुरु

मेरे लिए तो चमत्कार वो है कि जैसे मैं कहीं बीच रास्ते में खड़ा हूं, आगे जाने के लिए कोई बस या दूसरा साधन नहीं है। मैं फंस गया हूं। तभी अचानक एक कार आई, मेरे पास आकर रुकी और फिर मुझे लेकर चल दी। उस समय मुझे ऐसा लगा कि ईश्वर ने खुद आकर मुझे बिठाया है। लोग ऐसी बातें बताते हैं, जिसे वे चमत्कार कहते हैं। जब बस ड्राइवर व कार ड्राइवर ने चमत्कार कर दिया तो फिर भला वही काम मैं क्यों करूं? इस धरती पर लोगों ने ईश्वर के बारे में बहुत ज्यादा बात करना शुरू कर दिया, क्योंकि उन्हें इंसान होने की विशालता का अहसास ही नहीं था। अगर उन्हें इंसान होने की विशालता का अंदाजा होता तो फिर वे किसी और चीज के बारे में बात ही नहीं करते। मुझे पता है कि आपको मेरी इस बात में अहंकार दिखेगा। तो अगर कोई कहता है, 'खुद को जानो' या फिर उसका सारा ध्यान इस इंसान यानी खुद को जानने पर होता है तो फिर वह भी बहुत अहंकारी हुआ। तो यह कोई अहंकारी होने या अहंकारी नहीं होने की बात नहीं है, यह सिर्फ जीवन को उसी तरह से देखने की बात है, जैसा कि वह है। ये जीवन को वैसा बनाने के बारे में नहीं है, जैसा आपको लगता है कि उसे होना चाहिए। जीवन को वैसा बनाने के बारे में नहीं है, जैसा कि वो सामाजिक या राजनैतिक रूप से सही समझा जाता है। बल्कि जीवन को वैसा देखने के बारे में है, जैसा वह है। तो आपको लगा कि बस नहीं आएगी, लेकिन एक बस आ गई, आपको लगा कि भगवान ने आपके लिए बस भेजी है। ऐसे में तो आप बुनियादी मानवता भी भूल जाएंगे, क्योंकि तब आप बस ड्राइवर का शुक्रिया तक अदा नहीं कर पाएंगे। मान लीजिए आप भूखे हैं, कोई आया और आपको खाना दे दिया। अगर आपने देखा कि कोई इंसान आपको आकर खाना दे रहा है तो आपके भीतर जबरदस्त कृतज्ञता (शुक्रिया) का भाव आएगा, लेकिन अगर आप सोच रहे हैं कि ईश्वर इस बेवकूफ के जरिए मेरे लिए खाना भेज रहे हैं, तब आप अपने आस-पास के इंसानों के प्रति कृतज्ञता का सहज भाव भी खो देंगे। यही वजह है कि ईश्वरीय लोग आज सबसे ज्यादा अहंकारी हो गए हैं। अगर आप जीवन को वैसा नहीं देखते, जैसा वह है तो आप उन चीजों को लेकर कल्पना करना शुरू कर देते हैं, जो आपके अनुभव में नहीं होतीं।

बदलावकारी न्यायिक फैसलों की उम्मीद

अरुण नैथानी

'एक अच्छे जीवन को परिभाषित करने के लिये व्यक्ति को अनेक गुणों के साथ जीना होता है। उसके व्यक्तित्व में विनम्रता, धैर्य, दया, काम के प्रति नैतिकता व लगातार सीखने-सुधारने का उत्साह भी शामिल होना चाहिए। जजों के लिए महत्वपूर्ण यह है कि वे किसी भी कीमत पर अपने सिद्धांतों के साथ किसी भी स्तर पर समझौता न करें। अपने फैसलों के प्रति निडर रहें। जजों में सबसे बड़ी खूबी यह होनी चाहिए कि वे सभी तरह के दबावों को झेल सकें। साथ ही विषम परिस्थितियों का डटकर मुकाबला कर सकें।' जस्टिस एन.वी. रमन्ना के इन विचारों से उनके व्यक्तित्व की गहराई और परिपक्वता का पता चलता है। हाल ही में राष्ट्रपति ने उन्हें सुप्रीम कोर्ट का मुख्य न्यायाधीश नियुक्त किया है। वे 24 अप्रैल को देश के 48वें मुख्य न्यायाधीश की शपथ लेंगें। जस्टिस रमन्ना का मानना है 'यदि कमजोर वर्ग गरीबी, अशिक्षा या कमजोरी की वजह से अपने अधिकारों का प्रयोग नहीं कर पाता तो सामान्य न्याय की गारंटी का कोई मतलब नहीं रह जाता।' यह भी कि 'यह सुनिश्चित करने की जरूरत है कि ई-लोक अदालत, जनता की लोक अदालत बनी रहे।' इन वक्तव्यों से उनकी न्यायिक प्रतिबद्धता का पता चलता है। आंध्र प्रदेश के कृष्णा जिले के पोन्नवरम गांव में किसान परिवार में 27 अगस्त, 1957 को जन्मे एन.वी. रमन्ना का जीवन सतत संघर्षों का रहा है। विज्ञान व कानून में स्नातक करने के बाद वर्ष 1983 में उन्होंने वकालत को अपना पेशा चुना। न्यायिक व्यवस्था क्षेत्र में लगभग चार दशक तक उन्होंने विभिन्न भूमिकाएं निभाई हैं। सुप्रीम कोर्ट में न्यायाधीश बनने से पहले वे आंध्र प्रदेश हाईकोर्ट, सेंट्रल व आंध्र प्रदेश प्रशासकीय ट्रिब्यूनल तथा सुप्रीम कोर्ट में वकालत कर चुके हैं। वर्ष 2000 से एक सितंबर, 2013 तक आंध्र प्रदेश हाइकोर्ट में जज रहने के अलावा वे आंध्र हाईकोर्ट में कार्यकारी मुख्य न्यायाधीश भी रह चुके हैं। दो सितंबर, 2013 से 16 फरवरी, 2014 तक दिल्ली हाईकोर्ट में मुख्य न्यायाधीश बने। फरवरी, 2014 में उन्हें सुप्रीम कोर्ट में न्यायाधीश बनाया गया। संवैधानिक मामलों, दीवानी, सेवा व अंतर्राज्यीय नदियों से जुड़े कानूनों में उन्हें विशेषज्ञता हासिल है। उन्होंने विभिन्न सरकारी पैनलों में अधिवक्ता के रूप में योगदान के अलावा आंध्र प्रदेश के अतिरिक्त महाधिवक्ता के तौर पर भी काम किया है। अब मुख्य न्यायाधीश के रूप में उनकी पारी सोलह महीने की होगी। जस्टिस एन.वी. रमन्ना को देश में आये कई बदलावकारी फैसलों के लिये याद किया जाता है। वे अयोध्या मामले में ऐतिहासिक फैसला देने वाली तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश रंजन गोगोई के नेतृत्व वाली संवैधानिक पीठ का हिस्सा रहे हैं। वे सुप्रीम कोर्ट की तीन जजों वाली उस बेंच का हिस्सा रहे हैं, जिसने इंटरनेट की आजादी को अनुच्छेद-19 के तहत मौलिक अधिकार मानकर महत्वपूर्ण फैसला दिया। इसके बाद जम्मू कश्मीर में 4-जी इंटरनेट सेवा की बहाली के बाबत बनी तीन सदस्यीय कमेटी का भी वे हिस्सा थे। शीर्ष अदालत के मुख्य न्यायाधीश के कार्यालय को सूचना के अधिकार के दायरे में लाने के बाबत फैसला करने वाली पांच सदस्यीय संवैधानिक बेंच में भी न्यायमूर्ति रमन्ना शामिल थे। वे उस नौ सदस्यीय बेंच का भी हिस्सा रहे, जिसने दूसरे राज्यों से आने वाले सामान पर टैक्स लगाने को न्यायोचित ठहराया था। साथ ही कहा था कि संवैधानिक प्रावधानों के चलते इसके लिये राष्ट्रपति से अनुमति लेने की जरूरत नहीं है। वे उस बदलावकारी फैसला देने वाली पांच जजों की संवैधानिक बेंच का हिस्सा भी थे, जिसने अरुणाचल के मामले में कहा था कि राज्यपाल सीएम व कैबिनेट की सलाह के बिना सत्र नहीं बुला सकते। साथ ही निर्धारण किया था कि किसी कंपनी पर जुर्माने की रकम का निर्धारण कंपनी के टर्नओवर से निर्धारित होगी। जस्टिस रमन्ना की नेतृत्व वाली बेंच ने अपने निर्णय में कहा था कि ट्रांसफर ऑफ प्रॉपर्टी एक्ट के अंतर्गत मकान मालिक तथा किरायेदार अपने विवाद को बातचीत के जरिये भी हल कर सकते हैं। उन्हें खर्चीली व लंबी कानूनी प्रक्रिया में उलझने की जरूरत नहीं है। अपने एक फैसले में अभियुक्त के अधिकारों की वकालत करते हुए कहा था कि अभियुक्त के बयान को सिरे से खारिज नहीं किया जा सकता। मुकदमे के अंत में उसके बयान को महत्व दिया जाना चाहिए क्योंकि उसे भी बचाव करने और न्याय की आस करने का अधिकार है। इतना ही नहीं घरेलू महिलाओं के प्रति उनकी संवेदनशील टिप्पणी को याद किया जाता है, जिसमें उनकी बेंच ने कहा था कि सांस्कृतिक व सामाजिक मान्यताओं के चलते घर के कार्यों में महिलाओं के योगदान को आर्थिक आधार पर महत्वहीन नहीं माना जा सकता। पति के ऑफिस के काम की तुलना में महिला का घर का काम उतना ही महत्वपूर्ण है। उनके काम को महत्व देने के लिये उनकी आय तय करना महत्वपूर्ण है। कई चर्चित मामलों में याचिकाओं पर सुनवाई से इसलिये अलग कर लिया कि कहीं उनका किसी पक्ष से किसी तरह का जुड़ाव रहा है। जैसे सीबीआई के अंतरिम निदेशक एम. नागेश्वर राव के मामले में, क्योंकि वे उनकी बेटी की शादी में शामिल हुए थे। वहीं हाल में आंध्र के मुख्यमंत्री वाईएस जगनमोहन रेड्डी ने अक्तूबर, 2020 में चीफ जस्टिस को पत्र लिखकर आंध्र प्रदेश हाईकोर्ट के कामकाज में दखल देने की बात कही है, जिसे कालांतर शीर्ष अदालत ने आधारहीन मानकर खारिज कर दिया। बहरहाल न्यायपालिका के बार में न्यायमूर्ति रमन्ना की यह टिप्पणी यादगार रहेगी कि न्यायपालिका की सबसे बड़ी ताकत उसमें लोगों का विश्वास है। विश्वास व स्वीकार्यता के लिये आदेश नहीं दिया जा सकता, उन्हें अर्जित करना होता है। बहरहाल, जस्टिस रमन्ना आंध्र प्रदेश हाईकोर्ट के पहले जज होंगे जो देश के मुख्य न्यायाधीश बने।

आज का राशिफल

मेष जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। राजनैतिक महात्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी अपेक्षित है। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

वृषभ आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। वाणी की सौम्यता बनाये रखे। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। दूसरों से सहयोग लेने में आप सफल रहेंगे। ईश्वर के प्रति आस्था बढ़ेगी।

मिथुन आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। वाणी की सौम्यता बनाये रखे। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। दूसरों से सहयोग लेने में आप सफल रहेंगे। ईश्वर के प्रति आस्था बढ़ेगी।

कर्क राजनैतिक महात्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

सिंह पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। क्रोध व भावुकता में लिया गया निर्णय कष्टकारी होगा। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं।

कन्या व्यावसायिक योजना सफल होगी। आर्थिक दिशा में किए गए प्रयासों में सफलता मिलेगी। वाणी की सौम्यता बनाकर रखना आवश्यक है। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा।

तुला व्यावसायिक व पारिवारिक समस्याएं रहेंगी। अधीनस्थ कर्मचारी से तनाव मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। आमोद-प्रमोद के साधनों में वृद्धि होगी। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा।

वृश्चिक शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। विरोधियों का पराभव होगा। मकान सम्पत्ति व वाहन की दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे।

धनु पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। पड़ोसियों से अकारण विवाद हो सकता है।

मकर रोजी रोजगार की दिशा में सफलता मिलेगी। नए अनुबन्ध प्राप्त होंगे। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। कार्यक्षेत्र में कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। वाणी पर नियंत्रण रखने की आवश्यकता है।

कुम्भ दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। मन प्रसन्न रहेगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

मीन गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। किसी अभिन्न मित्र से मिलाप होगा। भारी व्यय का सामना करना पड़ेगा। व्यर्थ के विवाद में न पड़ें।

कैटरीना कैफ को अब नहीं बनना चिकनी चमेली!

कैटरीना कैफ को डांस करना बहुत पसंद है और फिल्मों में डांस करने का कोई मौका वे हाथ से जाने नहीं देती। कैटरीना अभिनीत कई फिल्मों में दर्शक उनके यादगार डांस देख चुके हैं। अपनी मेहनत के बल पर उन्होंने इतने बेहतरीन डांस किए कि दर्शक उनके दीवाने हो गए। डांस के प्रति दीवानगी को देखते ही कैटरीना ने आइटम नंबर भी कर डाले थे। 'शीला की जवानी' और 'चिकनी चमेली' तो दर्शकों के दिमाग में अभी भी ताजा है। कैटरीना के डांस मूवमेंट और मादकता को देख दर्शक सुधबुध खो बैठे थे। ये दोनों गाने सुपरहिट रहे थे। हालांकि इन गानों के लिए कैटरीना को आलोचना का भी सामना करना पड़ा था। खबर है कि एक बड़ी फिल्म के निर्माता ने कैटरीना को अपनी आगामी फिल्म के लिए आइटम नंबर का ऑफर दिया है। बड़ा बैनर है इसलिए फीस भी भारी-भरकम है, लेकिन कैटरीना ने इस ऑफर को ठुकरा दिया है। यह बात कुछ दिनों पहले की है जब कोरोना से कैटरीना कोरोना संक्रमित नहीं हुई थी। कैटरीना से जुड़े सूत्र का कहना है कि कैटरीना की अब आइटम नंबर में दिलचस्पी नहीं है। उन्होंने उस निर्माता को अपनी व्यस्तता का हवाला देते हुए ऑफर ठुकरा दिया है। कैटरीना अपने करियर के उस मोड़ पर है जहां वे आइटम नंबर नहीं करना चाहती हैं।

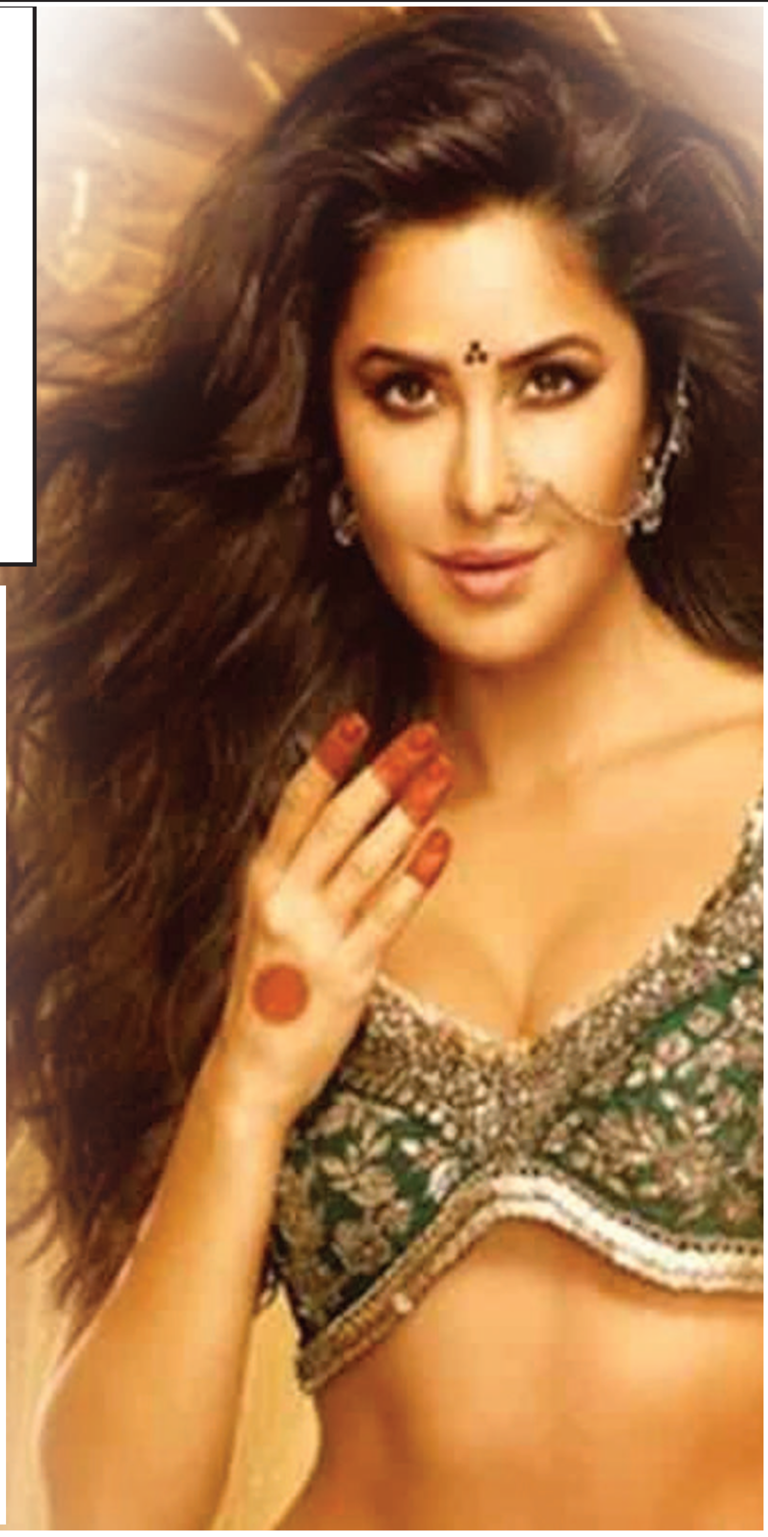

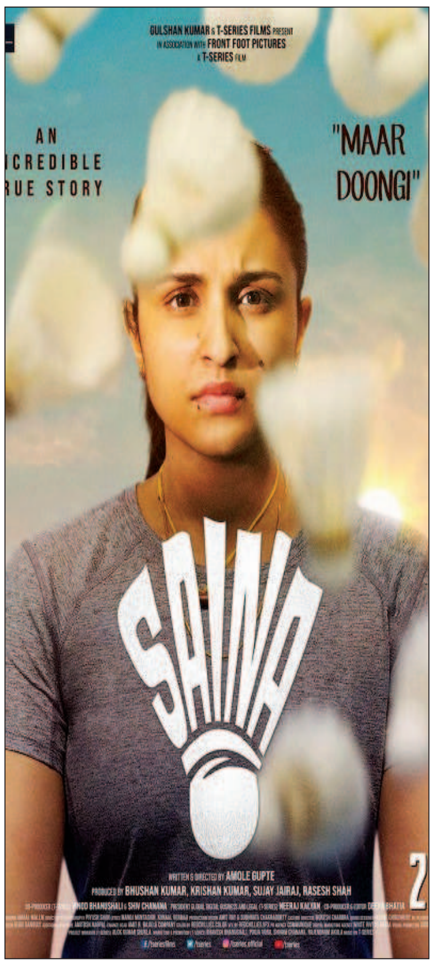

सिनेमाघर में रिलीज के बाद 23 अप्रैल को ओटीटी पर रिलीज होगी परिणीति की फिल्म 'साइना'

लंबे समय बाद 26 मार्च को सिनेमाघरों में रिलीज हुई परिणीति चोपड़ा की फिल्म 'साइना' जल्द ही अमेजन प्राइम वीडियो पर स्ट्रीमिंग शुरू करेगी। भारतीय बैडमिंटन विजेता साइना नेहवाल की बायोपिक 23 अप्रैल को ओटीटी प्लेटफॉर्म अमेजन प्राइम वीडियो पर रिलीज होगी। स्पोर्ट ड्रामा फिल्म का लंबे समय से इंतजार था। एक साल के लंबे लॉकडाउन के बाद सिनेमाघर खुलने के बाद यह पहली परिणीति चोपड़ा की फिल्म थी। कोरोना के कारण जो लोग सिनेमाघरों में ये फिल्म नहीं देख सके अब वह अमेजन प्राइम पर देख सकते हैं। अमोल गुप्ते द्वारा निर्देशित फिल्म क्रोनिकल्स साइना के बचपन, बैडमिंटन में उनकी बढ़ती रुचि और हरियाणा से हैदराबाद तक के सफर, जहां उन्होंने कोच से मुलाकात की, जिसने उनका जीवन बदल दिया। कहानी उसके संघर्ष और उपलब्धियों और खेल की दुनिया में उसकी यात्रा बताती है। अमेज़न प्राइम वीडियो पर 'साइना' की रिलीज़ के बारे में बात करते हुए, परिणीति चोपड़ा ने कहा, 'मैं अमेज़ॅन प्राइम वीडियो पर एक वैश्विक डिजिटल प्रीमियर रखने वाली फिल्म के लिए बेहद उत्साहित हूं। इस तरह की प्रेरणादायक कहानी दुनिया भर के दर्शकों के लिए मोटिवेशन का कारण बनेगी। उन्होंने आगे कहा, 'इस फिल्म के साथ, मैंने सीखा है कि एक जीवनी फिल्म कई चुनौतियों के साथ आती है। एक अभिनेता के रूप में मेरी सबसे बड़ी चुनौती थी, सायना नेहवाल के जूते में शाब्दिक रूप से और लाक्षणिक रूप से, कहानी के प्रति सच्चे बने रहना और उसकी उपलब्धियों और कठिनाइयों को फिर से बनाना। एक अभिनेता के रूप में, मैंने प्रत्येक चुनौती को अपनाया, और मुझे लगता है कि मैंने इस प्रक्रिया में एक पेशेवर के रूप में बहुत कुछ सीखा है। मैंने शारीरिक बनावट और सही बॉडी लैंग्वेज पर काम किया, और मुझे खुशी है कि इसने मेरे पक्ष में काम किया। मेरे पास इस फिल्म पर काम करने का बहुत अच्छा समय था।'

ऐसी फिल्मों में काम करना चाहती हूं जहां महिलाएं प्रमुख हों: पाउली दाम

अभिनेत्री पाउली दाम का कहना है कि वह सिनेमा में हमेशा महिलाओं के दृष्टिकोण को सामने रखना चाहती हैं और उनकी हाल की फिल्में इस सोच को दर्शाती हैं। बंगाली और हिन्दी सिनेमा में काम करने वाली दाम की 2020 में दो फिल्में 'काली' और 'बुलबुल' आयीं जिन्हें आलोचकों और दर्शकों दोनों ने खूब पसंद किया। 'बुलबुल' में अभिनेत्री ने जहां विधवा की भूमिका निभाई है वहीं 'काली' में वह अपने बेटे को बचाने के लिए भ्रष्टतंत्र से लड़ रही मां की भूमिका में थीं। कोलकाता से 'जूम' पर पीटीआई से बातचीत में पाउली दाम ने कहा, ''मैं हमेशा से यही करना चाहती थी। ऐसा नहीं है कि मुझे मेरे करियर की शुरुआत से ही ऐसे मजबूत किरदार मिलने लगे। मुख्य धारा की सिनेमा में आप कुछ सीमित तरीके के किरदार ही कर सकते हैं। आप एक ही तरह से सोचते हैं। लेकिन मैं ऐसी फिल्में करना चाहती थी जहां महिलाओं की भूमिका प्रमुख हो, जहां वे मजबूत किरदार में हों।'' दाम (40) ने 2006 में अपने करियर की शुरुआत की और तीन साल बाद नक्सल आंदोलन पर आधारित गौतम घोष के बंगाली ड्रामा 'कालबेला' से उन्हें लोकप्रियता मिली। फिलहाल पाउली दाम की थ्रिलर फिल्म 'रात बाकी है' जी5 पर आने वाली है। इसमें अनूप सोनी और राहुल देव मुख्य भूमिका में हैं।

अक्षय कुमार की सूर्यवंशी ओटीटी पर होगी रिलीज, लेकिन खरीदना पड़ेगा टिकट!

देश में कोरोनावायरस फिर से तबाही मचा रहा है। इस वजह से देश एक बार फिर लॉकडाउन की ओर बढ़ रहा है। कोरोना के बढ़ते प्रकोप को देखते हुए कई राज्यों में सिनेमाघर एकबार फिर बंद हो गए है। ऐसे में कई बॉलीवुड फिल्मों की रिलीज डेट फिर अटक गई है। अक्षय कुमार की सूर्यवंशी भी पिछले एक साल से रिलीज का इंतजार कर रही है। पहले कहा जा रहा था कि 'सूर्यवंशी' किसी भी सूरत में ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज नहीं होगी, भले ही कितना समय लग जाए। निर्देशक रोहित शेट्टी भी इसकी डिजिटल रिलीज के खिलाफ थे, लेकिन अब खबर है कि फिल्म थियेटर के बजाय ओटीटी पर रिलीज हो सकती है। बताया जा रहा है मेकर्स ने फिल्म को ओटीटी पर रिलीज करने का हृश्वलान तो बनाया है, लेकिन यह थोड़ा हटके होगा। यह नेटलिस, हॉटस्टार और अमेजन प्राइम पर बाकी फिल्मों की तरह रिलीज नहीं होगी, बल्कि इसके लिए यूजर्स को हर व्यू के हिसाब से भुगतान करना पड़ेगा। मतलब यह कि आपको निश्चित राशि का भुगतान कर एक ई-टिकट खरीदना पड़ेगा, तभी आप इस फिल्म को देख पाएंगे।

आधी फिल्म की शूटिंग करने के बाद कार्तिक आर्यन ने छोड़ी करण जौहर की फिल्म! वजह है विवाद

कार्तिक आर्यन जल्द ही फिल्म धमाका में नजर आएंगे, यह फिल्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी। फैंस उन्हें फिल्म में नये अवतार में देखने के लिए काफी ज्यादा एक्साइटिड है। एक तरफ कार्तिक ने धमाका से अपने फैंस को खुश दिया तो दूसरी तरफ उन्होंने अपने फैंस को एक निराश करने वाली खबर भी दे दी है। ताजा जानकारी के अनुसार कार्तिक आर्यन ने कॉमेडी ड्रामा फिल्म दोस्ताना 2 को छोड़ दिया है।

कार्तिक आर्यन ने छोड़ी फिल्म दोस्ताना 2

करण जौहर ने 2018 में फिल्म दोस्ताना 2 को बनाने का ऐलान किया था। फिल्म के 2020 में फ्लोर पर जाने की संभवना थी। फिल्म के लिए कार्तिक आर्यन को चुना गया था। कार्तिक आर्यन,अब फिल्म से बाहर हो गए हैं। हालांकि, यह स्पष्ट नहीं है कि फिल्म में कार्तिक आर्यन की जगह किसने ली है। कार्तिक के फिल्म छोड़ने के पीछे तारीखों की अनुपलब्धता को कारण बताया गया है। 2008 की हिट फिल्म दोस्ताना जिसमें प्रियंका चोपड़ा, जॉन अब्राहम और अभिषेक बच्चन थे। अब फिल्म की अगली कड़ी, को कोलिन डी'कुन्हा द्वारा निर्देशित किया जा रहा है और इसमें जान्हवी कपूर लीड फीमेल एक्ट्रेस हैं। यह फिल्म टेलीविजन अभिनेता लक्ष्या के बॉलीवुड डेब्यू को भी चिन्हित करेगी।

फिल्म को लेकर निर्देशक से विवाद, करण जौहर की चुप्पी

करण जौहर के धर्मा प्रोडक्शंस के करीबी सूत्रों ने पुष्टि की है कि 20 दिनों तक शूटिंग करने के बाद, कार्तिक आर्यन ने एक पैक कैलेंडर का हवाला देते हुए फिल्म को आगे की तारीख नहीं दी। हालांकि दबी आवाज में यह भी खबरें हैं कि कार्तिक स्क्रिप्ट से नाखुश थे और निर्देशक के साथ रचनात्मक मतभेद थे। अब कार्तिक के आचानक फिल्म को छोड़ने से कारण जौहर की भी मुश्किलें बढ़ गयी है। कार्तिक आर्यन ने पहले शेड्यूल की शूटिंग की थी। अब नये एक्टर के साथ इन शूट को फिर से करना होगा। जाहिर से करण जौहर और कार्तिक के बीच भी चीजें ठीक नहीं हैं। कार्तिक का फिल्म छोड़ना इस बात की पुष्टि करता है। नवंबर 2019 में था कि कार्तिक आर्यन और जान्हवी कपूर ने अमृतसर में दोस्ताना 2 की शूटिंग शुरू की। कार्तिक ने इंस्टाग्राम पर अपनी और करण जौहर की एक तस्वीर साझा की। फोटो में, अभिनेता दोस्ताना 2 की शूटिंग को शुरू करने से पहले फिल्म निर्माता का आशीर्वाद लेते हुए दिखाई देते है। टीम ने फिल्म के दूसरे शेड्यूल को क्रिसमस 2019 के आसपास पूरा किया था।

दीपिका पादुकोण और भंसाली के बीच दरार, दीपिका ने ठुकराया ऑफर!

दीपिका पादुकोण और संजय लीला भंसाली ने मिलकर 'गोलियों की रासलीला रामलीला', 'बाजीराव मस्तानी' और 'पद्मावत' नामक यादगार फिल्में दी हैं। दीपिका द्वारा 'बाजीराव मस्तानी' में मस्तानी और 'पद्मावत' में पद्मावती द्वारा निभाया गया किरदार अब तक सभी को याद है। दीपिका के करियर की बेहतरीन फिल्में संजय लीला भंसाली ने ही निर्देशित की है। दोनों एक-दूसरे के साथ काम करना बहुत पसंद करते हैं। लेकिन सुनने में आया है कि इन दिनों दोनों में खटपट चल रही है।

क्या है वजह?

दीपिका 'द्रौपदी' नामक फिल्म बनाना चाहती हैं। उन्होंने फिल्म का प्लान तो बना लिया और सोचा कि भंसाली इस फिल्म को निर्देशित करने के लिए उसी तरह राजी हो जाएंगे, जैसे कि दीपिका उनकी फिल्म करने के लिए तुरंत हां कह देती हैं। लेकिन भंसाली ने विनम्रता के साथ दीपिका के ऑफर को ठुकरा दिया। वे 'गंगूबाई काठियावड़ी' बनाने में व्यस्त हो गए। दीपिका को इस बात का बुरा लगा।

दीपिका ने ठुकराए भंसाली के ऑफर!

संजय लीला भंसाली को दीपिका की नाराजगी का अहसास तब हुआ जब उन्होंने 'गंगूबाई काठियावाड़ी' में एक आइटम सांग दीपिका को ऑफर किया। दीपिका ने मना कर दिया। यही नहीं, दीपिका ने भंसाली की 'हीरा मंडी' में भी अभिनय करने से इंकार कर दिया। भंसाली यह सीरिज डिजीटल प्लेटफॉर्म के लिए बना रहे हैं। यही कारण है कि भंसाली की फिल्म 'बैजू बावरा' भी ठंडे बस्ते में चली गई है जो उन्होंने दीपिका को लेकर प्लान की है।

मतभेद है मनभेद नहीं

दीपिका और भंसाली से जुड़े सूत्रों का कहना है कि यह सब मतभेद है, मनभेद नहीं। भंसाली काम के मामले में सख्त हैं। पूरी तरह से संतुष्ट होने के बाद ही किसी फिल्म के लिए हां कहते हैं। काम के बीच दोस्ती को नहीं लाते। दीपिका को बुरा जरूर लगा है कि भंसाली ने उनकी फिल्म 'द्रौपदी' निर्देशित करने से इंकार कर दिया है, लेकिन यह नाराजगी कुछ ही समय की है। जहां तक आइटम नंबर का सवाल है तो दीपिका अब नहीं करना चाहती हैं।

CMYK

रुपया 58 पैसे की तेजी के साथ 74.35 रुपये प्रति डॉलर पर बंद हुआ

मुंबई . निवेशकों की जोखिम लेने की क्षमता में सुधार और घरेलू शेयर बाजार में तेजी के बीच विदेशीमुद्रा विनिमय बाजार में शुक्रवार को रुपया, अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले 58 पैसे मजबूत होकर 74.35 (अनंतिम) प्रति डॉलर पर बंद हुआ। अन्तर बैंक विदेशी विनिमय बाजार में, डॉलर के मुकाबले रुपया 74.76 पर खुला और कारोबार के दौरान रुपये ने 74.28 के दिन के उच्च स्तर और 74.76 के निम्न स्तर को छुआ। लेकिन अंत में रुपया अपने पिछले बंद भाव के मुकाबले 58 पैसे की मजबूती दर्शाता 74.35 रुपये प्रति डॉलर पर बंद हुआ। बृहस्पतिवार को यह 74.93 रुपये प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच, विश्व की छह प्रमुख मुद्राओं की तुलना में डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला, डॉलर सूचकांक, 0.09 प्रतिशत की गिरावट के साथ 91.59 रह गया। बंबई शेयर बाजार का 30 शेयरों पर आधारित सूचकांक 28.35 अंक की तेजी के साथ 48,832.03 अंक पर बंद हुआ। ब्रेंट क्रूड वायदा 0.40 प्रतिशत की तेजी के साथ 67.21 डॉलर प्रति बैरल पर चल रहा था। शेयर बाजारों के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशक पूंजी बाजार में शुद्ध लिवाल रहे जहां उन्होंने बृहस्पतिवार को 979.70 करोड़ रुपये के शेयरों की खरीद की।

वर्ष 2020-21 के सत्र में कपास निर्यात 20% बढ़ सकता है: सीएआई

मुंबई: भारतीय कपास संघ (सीएआई) ने बृहस्पतिवार को अनुमान जताया है कि अक्टूबर में शुरू होने वाले 2020-21 कपास सत्र का निर्यात 20 प्रतिशत बढ़कर 60 लाख गांठ हो जाने का अनुमान। इसका मुख्य कारण अंतरराष्ट्रीय कीमतों का अधिक होना है। सीएआई ने एक बयान में कहा कि वर्ष 2019-20 के सत्र में, कपास का निर्यात 50 लाख गांठ का हुआ था। सीएआई के अध्यक्ष अतुल गनात्रा ने बताया, हम भारतीय कपास की तुलना में अंतरराष्ट्रीय कीमतों के अधिक होने की वजह से चालू सत्र में कपास का निर्यात 10 लाख गांठ बढ़कर 60 लाख गांठ होने उम्मीद कर रहे हैं। एक महीने पहले, भारतीय और अंतर्राष्ट्रीय कपास के बीच औसत मूल्य अंतर 10 से 13 सेंट के बीच था जो अब लगभग 4 से 5 सेन्ट के आसपास है। कपास के निर्यात की खेप, 31 मार्च, 2021 तक 43 लाख गांठ तक आंकी गई है।

आईआरडीएआई ने बीमा कंपनी रॉयल सुंदरम पर ठोंका 3 लाख का जुर्माना

चेन्नई। तमिलनाडु की राजधानी चेन्नई स्थित रॉयल सुंदरम जनरल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड पर 3,00,000 रुपये का जुर्माना लगाया गया और साथ ही मानदंडों के उल्लंघन के लिए भारतीय बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण (आईआरडीएआई) द्वारा इसे चेतावनी भी दी गई है। रॉयल सुंदरम को मोटर बीमा सेवा प्रदाता (एमआईएसपी) दिशानिर्देशों के उल्लंघन के लिए दंडित किया गया है। आईआरडीएआई ने रॉयल सुंदरम को उसके द्वारा मांगी गई जानकारी को प्रस्तुत नहीं करने के लिए भी चेतावनी दी है और अपने निरीक्षणों के दौरान मांगी गई जानकारी और दस्तावेजों को जमा करना सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है। बीमा नियामक ने 8-10 अगस्त, 2018 को बीमा कंपनी के अपने निरीक्षण के बाद रॉयल सुंदरम को 21 अगस्त 2020 को जारी कारण बताओ नोटिस पर यह कार्रवाई की है। आईआरडीएआई ने जुर्माना ऑनलाइन भुगतान करने को कहा है।

जल्द खुलेंगे देश में 8 नए बैंक, RBI ने यूनिवर्सल और स्मॉल फाइनेंस बैंक के नाम किए जारी

बिजनेस डेस्क:

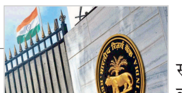

भारतीय रिजर्व बैंक को 'ऑन टैप' यानी कभी भी लाइसेंस के लिए आवेदन करने के दिशानिर्देशों के तहत कुल 8 आवेदन मिले हैं। इसमें सभी प्रकार की सेवाएं देने वाले यूनिवर्सल बैंकों के लिए चार और स्मॉल फाइनेंस बैंक (SFB) के लिए चार आवेदन शामिल हैं। निजी क्षेत्र में यूनिवर्सल बैंकों और एसएफबी (Universal Banks and Small Finance Banks) को ऑन टैप लाइसेंसिंग के दिशानिर्देश क्रमशः एक अगस्त, 2016 और पांच दिसंबर, 2019 को जारी किए गए थे।

यूनिवर्सल बैंक

यूएई एक्सचेंज एंड फाइनेंशियल सर्विसेज, द रिपैट्रिएट्स कोऑपरेटिव फाइनेंस एंड डेवलपमेंट बैंक लि. (**REPCO Bank**), चैतन्य इंडियन फिन क्रेडिट प्राइवेट लि और पंकज वैश्य और अन्य ने 'ऑन टैप' लाइसेंसिंग दिशानिर्देशों के तहत यूनिवर्सल बैंक के लाइसेंस के लिए आवेदन किया है।

स्मॉल फाइनेंस बैंक

वहीं स्मॉल फाइनेंस बैंक के लिए 'ऑन टैप' दिशानिर्देशों के तहत वीसॉफ्ट टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लि. (**VSoft Technologies Pvt**), कालीकट सिटी सर्विस कोऑपरेटिव बैंक लि., अखिल कुमार गुप्ता और द्वारा क्षेत्रीय ग्रामीण फाइनेंशियल सर्विसेज प्राइवेट लि. ने आवेदन किया है। दिशानिर्देशों के अनुसार, यूनिवर्सल बैंक के लिए न्यूनतम चुकता वोटिंग इक्विटी पूंजी 500 करोड़ रुपए होनी चाहिए। ऐसे में हर समय बैंक का न्यूनतम नेटवर्थ 500 करोड़ रुपए होना चाहिए। एसएफबी के मामले में न्यूनतम चुकता वोटिंग पूंजी/नेटवर्थ 200 करोड़ रुपए होना चाहिए। यदि कोई शहरी सहकारी बैंक स्वैच्छिक रूप से एसएफबी के रूप में परिवर्तित होना चाहता है, तो नेटवर्थ की शुरुआती जरूरत 100 करोड़ रुपए है। इसे पांच साल में 200 करोड़ रुपए करने की जरूरत होगी।

अशोक लेलैंड ने हल्के बुलेट प्रूफ वाहनों की पहली खेप वायुसेना को सौंपी

नयी दिल्ली. हिंदुजा समूह की प्रमुख कंपनी अशोक लेलैंड ने शुक्रवार को कहा कि उसने लॉकहीड मार्टिन के साथ भागीदारी में भारतीय नौसेना को हल्के बुलेटप्रूफ वाहनों की पहली खेप की आपूर्ति कर दी है। कंपनी ने शेयर बाजारों को भेजी सूचना में कहा कि इन आधुनिक वाहनों की आपूर्ति 13 अप्रैल को की गई। हल्के बुलेटप्रूफ वाहन (एलबीपीवी) लॉकहीड मार्टिन के कॉमन वेहिकल नेक्स्ट-जेन (सीवीएनजी) का ही अपनाया गया संस्करण है। इसका विकास लॉकहीड मार्टिन से अशोक लेलैंड को प्रौद्योगिकी के हस्तांतरण (टीओटी) के तहत किया गया है। कंपनी ने कहा कि एलबीपीवी कीचड़, मिट्टी, चट्टानों तथा उथले पानी में चल सकता है। इसमें छह लोग सवार हो सकता है। साथ ही मिशन के लिए उपकरणों को रखने को पर्याप्त स्थान भी है। इसमें सवार जवान बैलेस्टिक और विस्फोट के खतरों से बचे रहेंगे। अशोक लेलैंड के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) विपिन सोंधी ने कहा कि सैन्य बलों का आपूर्ति हमारे लिए गौरव की बात है। हमें खुशी है कि हम मोबिलिटी में अपनी विशेषज्ञता का इस्तेमाल राष्ट्र की सेवा के लिए कर पाए हैं।

नीरव मोदी को भारत लाने का रास्ता साफ, PNB घोटाले के आरोपी के प्रत्यर्पण को UK के गृह मंत्री ने दी मंजूरी

नेशनल डेस्क। भगोड़े हीरा काराबोरी नीरव मोदी को भारत लाए जाने का रास्ता साफ हो गया है। यूनाइटेड किंगडम के गृह मंत्री ने जालसाजी और धनशोधन के आरोपों पर भारत में वांछित हीरा कारोबारी नीरव मोदी के प्रत्यर्पण को मंजूरी दे दी है। हीरा कारोबारी नीरव मोदी पर **PNB** से करीब 14 हजार करोड़ की धोखाधड़ी करने का आरोप है। नीरव मोदी घोटाला का मामला सामने आने के बाद जनवरी 2018 में भारत छोड़कर फरार हो गया था। इस समय नीरव मोदी फिलहाल लंदन की एक जेल में बंद है। घोटाले के बाद भारत से भागने वाला नीरव मोदी इस समय लंदन की वांड्सवर्थ जेल में बंद है। प्रत्यर्पण से बचने के लिए नीरव मोदी ने कोर्ट में कहा था कि वह मानसिक रूप से बीमार है। साथ ही उसने भारत की जेल में सुविधाएं न होने का दावा किया। हालांकि, कोर्ट ने नीरव मोदी की इन दलीलों को खारिज कर दिया था।

भारत में महिला उद्यमियों का कारोबार अगले पांच साल में 90 प्रतिशत तक बढ़ सकता है: अध्ययन

नयी दिल्ली

भारत में महिला उद्यमियों द्वारा चलाये जा रहे व्यवसायों में अगले पांच साल के दौरान 90 प्रतिशत तक वृद्धि हो सकती है। एक नये अध्ययन में यह कहा गया है। इस अध्ययन में इस बात पर भी गौर किया गया है कि महिला उद्यमियों को समर्थन देने वाली सरकारी योजनाओं का लाभ उठाये जाने की दर भी काफी कम बनी हुई है। जाने माने परमार्थ कार्य करने वाले संगठन एडेलगिव फांउडेशन ने 13 राज्यों और संघ शासित प्रदेशों में यह अध्ययन किया है। इनमें कुल मिलाकर 3,300 महिला उद्यमियों की जानकारी प्राप्त हुई। इन महिला उद्यमियों को तीन अलग अलग श्रेणियों में बांटा गया। महिला उद्यमियों को विनिर्माण, खुदरा कारोबार और सेवा आपूर्ति उद्यमी की श्रेणी में बांटा गया। उसके बाद इनमें से 1,235 महिला उद्यमियों को अध्ययन के लिये चुना गया और उनसे बातचीत की गई। इन महिला उद्यमिचयों के साथ ही उनके परिवार के सदस्यों, कर्मचारियों और ग्राहकों से भी बातचीत की गई। इसके अलावा महिला उद्यमियों को प्रत्यक्ष समर्थन देने वाले 20 गैर- सरकारी संगठनों के साथ भी विस्तृत बातचीत की गई। अध्ययन में कहा गया है कि ग्रामीण और छोटे शहरों से आने वाले महिलाओं को कारोबार शुरू करने के बाद उनके सामाजिक- आर्थिक और सांस्कृतिक रूतबे में उल्लेखनीय सुधार दिखाई दिया। अध्ययन में यह बात भी सामने आई है कि सरकार की ओर से महिला उद्यमियों को समर्थन देने के लिये कई तरह की योजनाओं और नीतियों के होने के बावजूद इस तरह की योजनाओं का लाभ उठाये जाने के उदाहरण बहुत कम हैं। अध्ययन के मुताबिक, ''जिन महिलाओं के बीच यह अध्ययन किया गया उनमें केवल एक प्रतिशत महिला उद्यमियों ने ही किसी सरकारी योजना का लाभ उठाया और इसकी वजह शायद यह भी हो सकती है कि केवल 11 प्रतिशत महिलाओं को ही इस तरह की योजनाओं और कार्यक्रमों के बारे में जानकारी थी।'' अध्ययन में यह बात भी सामने आई है कि जहां एक तरफ उद्यम शुरू करने के बाद महिलाओं के सामाजिक- आर्थिक जीवन में काफी सुधार आया है वहीं दूसरी तरफ यह भी देखा गया है कि अभी भी वित्तीय मामलों की जानकारी, उपलबध संसाधनों को लेकर जागरुकता, उत्पाद के विपणन, उत्पादन और उनके समक्ष आने वाले सामाजिक- सांस्कृतिक

चुनौतियां कुछ हैं जो अभी भी बनी हुई हैं। अध्ययन के नोट में कहा गया है कि महिला उद्यमियों द्वारा चलाये जा रहे कारोबार में भारत में अगले पांच साल के दौरान 90 प्रतिशत तक वृद्धि की संभावना है जबकि इसी तरह के कारोबार के मामले में अमेरिका और ब्रिटेन में क्रमशः 50 प्रतिशत और 24 प्रतिशत वृद्धि की संभावना है। अध्ययन में कहा गया है कि सरकारों को इस तरह की महिला उद्यमियों की खास जरूरतों की पहचान करनी चाहिये। उनकी जरूरतों को पूरा करने के हिसाब से बेहतर कार्यक्रम तैयार करने चाहिये। महिला उद्यमियों द्वारा बनोय गये उत्पादों के प्रचार प्रसार के लिये एक साण ब्रांड नाम के तहत उनका संवर्धन किया जाना चाहिये साथ ही उनहें अकाउंटिक सहित कौशल प्रशिक्षण भी दिया जाना चाहिये।

सेंसेक्स, निफ्टी में मामूली लाभ, साप्ताहिक आधार पर नुकसान में

मुंबई.

वैश्विक बाजारों में सकारात्मक रुख के बीच शुक्रवार को बीएसई में उतार-चढ़ाव भरे कारोबार में सेंसेक्स और निफ्टी मामूली लाभ के साथ बंद हुए। यह लगातार तीसरा कारोबारी सत्र है जबकि बाजार लाभ के साथ बंद हुए। हालांकि, इसके बावजूद बाजार साप्ताहिक आधार पर कुल नुकसान की भरपाई नहीं हो सकी। कारोबारियों ने कहा कि रुपये में जबर्दस्त सुधार तथा वैश्विक बाजारों में तेजी से रुख से यहां बाजार को समर्थन मिला। बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 28.35 अंक या 0.06 प्रतिशत की बढ़त के साथ 48,832.03 अंक पर बंद हुआ। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 36.40 अंक या 0.25 प्रतिशत की बढ़त के साथ 14,617.85 अंक पर पहुंच गया। सेंसेक्स की कंपनियों में एशियन पेंट्स का शेयर सबसे अधिक 3.07 प्रतिशत चढ़ गया। अल्ट्राटेक सीमेंट, ओएनजीसी, महिंद्रा एंड महिंद्रा, सन फार्मा, एचसीएल टेक, टेक महिंद्रा और नेस्ले इंडिया के शेयर भी लाभ में रहे। वहीं दूसरी ओर आईसीआईसीआई बैंक, एलएंडटी, बजाज फाइनेंस, टीसीएस, एसबीआई, इन्फोसिस और रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयर 1.55 प्रतिशत तक टूट गए। कम कारोबारी सत्रों वाले सप्ताह में सेंसेक्स साप्ताहिक आधार पर 759.29 अंक या 1.53 प्रतिशत टूटा। वहीं निफ्टी में साप्ताहिक आधार पर 217 अंक या 1.46 प्रतिशत का नुकसान दर्ज हुआ। रिलायंस सिक्योरिटीज के रणनीति प्रमुख विनोद मोदी ने कहा कि कोविड की दूसरी लहर में संक्रमण के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। एक दिन में दो लाख से अधिक मामलों का आंकड़ा पार हो गया है। इससे निश्चित रूप से आमदनी की रफ्तार को कायम रख पाना मुश्किल होगा। उन्होंने कहा कि सरकार के टीकाकरण में तेजी के प्रयासों तथा महाराष्ट्र और दिल्ली में पूरी तरह लॉकडाउन नहीं लगाए जाने की वजह से शेयरों को कुछ राहत मिली है, लेकिन अन्य राज्यों द्वारा व्यापक आर्थिक अंकुश की संभावनाओं से निकट भविष्य में निवेशकों की धारणा प्रभावित हो सकती है। उन्होंने कहा कि इस बार राज्य पिछले साल की तरह पूर्ण लॉकडाउन लगाने से बच रहे हैं, क्योंकि इससे आर्थिक गतिविधियां बुरी तरह प्रभावित होंगी। स्वास्थ्य मंत्रालय के शुक्रवार को जारी आंकड़ों के अनुसार देश में एक दिन में संक्रमण के 2,17,353 नए मामले आए हैं। इस तरह संक्रमण का कुल आंकड़ा 1,42,91,917 पर पहुंच गया है। सक्रिय मामले 15 लाख से अधिक हो गए हैं। यह लगातार दूसरा दिन है जबकि एक दिन में दो लाख से अधिक नए मामले आए हैं। बीएसई मिडकैप और स्मॉलकैप में 1.17 प्रतिशत तक का लाभ रहा। चीन ने 2021 की पहली तिमाही में 18.3 प्रतिशत की रिकॉर्ड वृद्धि दर्ज की है। इससे अन्य एशियाई बाजारों में लाभ दर्ज हुआ। चीन का शंघाई कम्पोजिट, हांगकांग का हैंगसेंग, दक्षिण कोरिया का कॉस्पी और जापान का निक्की सकारात्मक रुख के साथ बंद हुए। कारोबार के मध्य में यूरोपीय बाजार भी लाभ में थे। इस बीच,

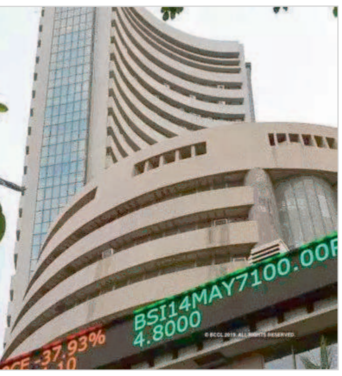

अंतरराष्ट्रीय बेंचमार्क ब्रेंट कच्चा तेल 0.40 प्रतिशत की बढ़त के साथ 67.21 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 58 पैसे की बढ़त के साथ 74.35 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। इस बीच, शेयर बाजारों के अस्थायी आंकड़ों के अनुसार विदेशी संस्थागत निवेशकों ने बृहस्पतिवार को शुद्ध रूप से 979.70 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे।

डेटॉल बनेगा स्वस्थ इंडिया अभियान के तहत युवाओं को डिजिटल हाईज़ीन समाधानों में योगदान देने की प्रेरणा देने के लिए रेकिट एवं व्हाईटहैट जूनियर ने हाथ मिलाए

श्री गौरव जैन, सीनियर वाईस प्रेसिडेंट, रेकिट साउथ एशिया ने कहा,''मौजूदा पीढ़ी और प्रौद्योगिकी के बीच अकल्पनीय संबंध है। यह संपर्क स्थापित करने, संलग्न होने एवं महत्वपूर्ण मसले उठाने के लिए उनका प्राथमिक

माध्यम बन गई है।'' उन्होंने कहा, ''इस अप्रत्याशित महामारी के साथ हमारे जीने, खाने पीने, व्यवहार करने एवं सामाजिक संबंध निभाने का तरीका बदल गया है। स्वास्थ्य एवं हाईज़ीन का ध्यान

रखना सबसे जरूरी हो गया है। व्हाईटहैट जूनियर के साथ हमारा सहयोग न केवल स्वच्छता व हाईज़ीन की गंभीर जरूरतों का तत्कालिक समाधान निकालेगा, बल्कि इसे उनके जीवन की प्राथमिकता बना देगा। हम उनके रचनात्मक समाधान देखने के लिए उत्साहित हैं, जिनके द्वारा वो इस संदेश का प्रसार कर हाईज़ीन की आदत का

विकास करेंगे।''

व्हाईटहैट जूनियर के संस्थापक एवं सीईओ, करन बजाज ने कहा,''रचनात्मकता एवं सहानुभूति बच्चों का प्राकृतिक गुण हैं। वो मौजूदा सिद्धांत या आसानी से होने वाले काम की सीमा में नहीं बंधे रहते, इसलिए वो मूलत: अभिनव समाधान प्रस्तुत करते हैं।'' उन्होंने आगे कहा,''यह अभियान व्हाईटहैट जूनियर के मिशन की मूर्त अभिव्यक्ति है, ताकि बच्चे प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल करने के साथ इसके रचनाकर्ता भी बनें।''

श्री रवि भटनागर, डायरेक्टर, बाहरी मामले एवं पार्टनरशिप्स, रेकिट एमेसा ने कहा,''डेटॉल बनेगा स्वस्थ इंडिया में हम शिक्षा को सामाजिक परिवर्तन का उत्प्रेरक एवं बच्चों को सशक्त बनाने का टूल मानते हैं। हम सामाजिक रूप से जागरुक लोगों को इस विषय पर पुनर्कल्पना करने का एक मंच प्रदान करना चाहते थे और ऐसे समाधान विकसित करना चाहते थे, जो बच्चों को इस अभियान में शामिल होने और परिवर्तन लाने के लिए प्रोत्साहित करें। हम इस अद्वितीय कार्यक्रम के लॉन्च पर उत्साहित हैं और इन समाधानों के साथ स्वास्थ्य की स्थिति में सुधार लाने के लिए आशान्वित हैं।''

हिना खान ने भारत के सबसे बड़े ऑडियो शो को बढ़ावा देने के लिए म्यूजिक वीडियो "बेदर्द" में किया अभिनय

लोकप्रिय सेलिब्रिटी हिना खान एक नए संगीत वीडियो "बेदर्द" में प्रशंसकों को रोमांचित करने के लिए तैयार हैं। ट्रैक को बेहद प्रतिभाशाली सिंगर स्टेबिन बेन द्वारा गाया गया है, जो वीडियो में दिखाई देना वाले मुख्या किरदारों में से एक है। %बेदर्द% भारत का ऐसा पहला म्यूजिक वीडियो होगा, जो किसीऑडियो शो को प्रोत्साहित करेगा। यह म्यूजिक %ये रिश्ता कैसा है% की भावनात्मक रूप से एक झलक प्रदान करता है। ये रिश्ता कैसा है, दुनिया भर में 100 मिलियन सेअधिक नाटकों के साथ भारत का नंबर हिंदी ऑडियो शो है। बेदर्द दर्शकों की जिज्ञासा एक रहस्य पर छोड़ देगा, और आगे की कहानी आर.जे कृतिका द्वारा पॉकेट एफएमपर सुनाई जाएगी। फैन्स पॉकेट एफएम के यूट्यूब चैनल पर पूरा संगीत वीडियो देख सकते हैं।

बेदर्द के बारे में बात करते हुए, हिना खान ने कहा,"जब पॉकेट एफएम ने मुझे अपने सबसे लोकप्रिय ऑडियो शो के लिए एक संगीत वीडियो करने के लिए संपर्क किया, तो मैं पूरी तरह से आश्चर्य में थी, क्योंकि मैंने ऐसा पहले कभी नहीं सुना था। %बेदर्द% के पीछे की कहानी ऐसी है- जिसने भी कभी प्यार किया है और दिल टूटने का अनुभव किया है, वो अपने आप को इससे जोड़े बिना नहीं रह पाएगा। मैं यह देखने के लिए उत्साहित हूं कि दर्शक इस अनोखे प्रयोग पर कैसे प्रतिक्रिया देंगे। "

स्टेबिन बेन ने कहा," बेदर्द एक खूबसूरती से लिखा गया गीत है, जो प्रेम के साथ लाए जाने वाले भावनाओं के गमगीन रोलर कोस्टर को पकड़ लेता है। मैंने अपने किरदार प्रणय के साथ-साथ टीना और रणविजय की संवेदनाओं को जीवंत करने की कोशिश की है। आशा है कि संगीत वीडियो दर्शकों को पॉकेट एफएम पर पूरी कहानी सुनने के लिए रोमांचित करेगा।"

असली विंडोज़ 10 सॉफ्टवेयर के साथ छोटे और मझोले कारोबार रह सकते हैं सुरक्षित

काम करने के हाइब्रिड माहौल में कारोबारों को डिजिटल आधार पर होने वाले बदलावों के सफर के बारे में नए सिरे से सोचने और उन्हें गति देने का मौका मिला है। इसके साथ ही आज के समय में जब पूरी दुनिया एक दूसरे से जुड़ी हुई है, ऐसे में साइबर सुरक्षा को लेकर चुनौतियां बिल्कुल वास्तविक हैं। कारोबारों को इस बारे में गंभीरता से विचार करने की ज़रूरत है कि वे किस तरह अपने संगठनों को नए या "ब्रिंग योर ओन" (बीवाईओ) कनेक्टेड डिवाइसों से सक्रिय तौर पर सुरक्षित रखेंगे। भारतीय कारोबारों पर वैश्विक औसत के मुकाबले रैनसमवेयर का 180 फीसदी, मालवेयर का 79 फीसदी, क्रिप्टोकरंसी का 300 फीसदी और ड्राइव-बाइ डाउनलोड हमलों का 11 फीसदी अधिक खतरा है।।

सामान्य तौर पर की जाने वाली गलतियों के अलावा, बिना लाइसेंस वाले सॉफ्टवेयर का भी कारोबारों पर काफी बुरा असर पड़ सकता है। वायरस और सुरक्षा के अपर्याप्त उपायों की वजह से डिवाइस पर साइबर हमले का खतरा रहता है। इन जोखिमों में पहचान की चोरी, क्रेडिट कार्ड या बैंक की जानकारी चोरी, डेटा का नुकसान, कारोबार से जुड़ी परेशानी पैदा होने, और मैटेरियल या साख को नुकसान पहुंचने जैसी चीज़ें शामिल हैं, हालांकि ये यहीं तक सीमित नहीं हैं।

नकली सॉफ्टवेयर की पहचान कैसे करें

बीते कुछ वर्षों के दौरान पायरेटेड और नकली सॉफ्टवेयर बनाने और उनकी बिक्री करने वालों संख्या काफी बढ़ गई है। यह जांचने के लिए कि आप जो सॉफ्टवेयर खरीद रहे हैं, वह असली है या नहीं, इन तीन पी (P) का खास तौर पर ध्यान रखें।

पैकेजिंग- प्रोडक्ट पैकेजिंग को काफी करीब से देखें, असली प्रोडक्ट में लिखा गया टेक्स्ट धुंधला नहीं होता, उसमें वर्तनी की कोई गलती नहीं होती है या गलत लोगो भी नहीं होता है।

प्रोडक्ट की प्रामाणिकता- आप डाउनलोड बटन पर क्लिक करें, इससे पहले वेबसाइट का स्रोत ज़रूर जांच लें। ऑक्शन करने वाली साइटें और पीयर-टू-पीयर फाइल शेयरिंग साइटों से बचें।

प्रोडक्ट लेबल- असली माइक्रोसॉफ्ट सॉफ्टवेयर में हमेशा ही सर्टिफिकेट ऑफ ऑथेंटिसिटी लेबल, होलोग्राम और 25 कैरेक्टर का यूनीक प्रोडक्ट की होता है। माइक्रोसॉफ्ट का कोई भी सॉफ्टवेयर खरीदने से पहले इन सभी पी का ध्यान रखें।

जब परेशानी में हों

ऐसे ग्राहक जिन्हें पता चले कि उन्हें नकली माइक्रोसॉफ्ट ऑफिस सॉफ्टवेयर देकर ठगा गया है, वे Microsoft.com पर काउंटरफीट सॉफ्टवेयर रिपोर्ट फाइल कर सकते हैं और सॉफ्टवेयर के बारे में जानकारी साझा कर सकते हैं। इसमें यह भी बताया जा सकता है कि सॉफ्टवेयर कहां से खरीदा गया है या यह उन्हें कहां से मिला है। आपसे कुछ वैकल्पिक व्यक्तिगत जानकारी भी मांगी जा सकती है, ताकि नकली सॉफ्टवेयर बेचने वाले कारोबारों के खिलाफ सही कार्रवाई करने में मदद मिल सके।

लोमोटिफ भारतीयों के लिये लेकर आया है, #डांस ऑफ चैलेंज

भारतीयों में जिस तरह की लचक, अभिव्यगक्ति और मूवमेंट देखने को मिलती है, ऐसा लगता है जैसे मछलियां पानी में अटखेलियां कर रही हों। प्रमुख वीडियो-शेयरिंग सोशल नेटवर्किंग प्लेयटफॉर्म, लोमोटिफ देशभर के डांसर्स को अपना हुनर दिखाने का एक मंच प्रदान कर रहा है। यह प्लेटिफॉर्म डांस के दीवाने देशवासियों के लिये लेकर आया है अपना प्तडांस ऑफ चैलेंज। 2 मई तक चलने वाले इस कॉन्टेलस्टड में सबकी निगाहें ईनाम पर टिकी हुई हैं। इसमें उन तीन टॉप प्रतियोगियों को पेश किया जायेगा, जिन्हेंफ सबसे ज्या दा वीडियो लाइक्सी और कमेंट मिले होंगे, जिसमें कुल नकद पुरस्काोर 3 लाख रुपये तक है।चाहे हिप-हॉप, भरतनाट्यम, भांगड़ा, गरबा, कत्थहक, कत्थपकली, कुचीपुड़ी, साल्साो, बॉलीवुड, बैले, कंटेम्पपररी या डांस के किसी भी रूप से दुनिया में हलचल मचाने की बात हो, हर भारतीय को ऐसी नेमत मिली हुई है कि कई लोगों के लिये वह ईर्ष्यािा का कारण बन जाये। 3 हफ्ते तका चलने वाले इस प्तडांस ऑफ चैलेंज में नई पीढ़ी और देश के जेनरेशन ज़ेड क्रिएटर्स को एक ऐसा प्लेयटफॉर्म मिलेगा, जो उन्हें अपना डांस टैलेंट दिखाकर दर्शकों का मनोरंजन करने और अपना फैन बेस तैयार करने का मौका देगा। इस कॉन्टेंस्टि के लिये कंटेंट क्रिएटर्स को अपनी परफॉर्मेंस रिकॉर्ड करके और हैशटैग #डांस ऑफ चैलेंज के साथ उन वीडियोज़ को एप्पल पर कैम्पेरन चैनल पर पोस्ट् करना होगा। ऐसा करने के लिये प्रतियोगियों को ऑफिशियल #डांस ऑफ चैनल को सब्सपक्राइब करना होगा। और वे पेज के निचले हिस्से में दिये गये कैमरा बटन के जरिये कोलेब्रेटर बन जायेंगे। इसके साथ ही क्रिएटर्स को म्यूपजिक की एक विशाल लाइब्रेरी से बेशुमार विकल्प चुनने का मौका मिलेगा ताकि वे इस चैलेंज के लिये अपने बेस्टय डांस वीडियो के लिये क्लिप्से को रिमिक्स कर बेहतर डांस पेश कर पायें।

#डांस ऑफ चैलेंज के लिये अपनी उत्सु कता जाहिर करते हुए, रेमो डिसूज़ा कहते हैं, ''लोमोटिफ इंडिया प्तडांस ऑफ चैलेंज के पहले एडिशन से जुड़कर बेहद खुशी महसूस हो रही है। मुझे पता है कि टैलेंटेड डांसर्स को अपना हुनर दिखाने के लिये एक मौका तथा एक प्लेखटफॉर्म मिलना कितना जरूरी है। भारत के दूर-दराज के इलाकों से काफी सारा टैलेंट उभरकर सामने आ रहा है। और युवाओं में शॉर्ट-वीडियो प्लेंटफॉर्म की बढ़ती लोकप्रियता के साथ मुझे खुशी है कि लोमोटिफ कल के उभरते डांसिंग सेंसेशन को एक मंच प्रदान करने में मुख्यं भूमिका निभा रहा है।

CMYK

टेनिस : जोकोविच को मिली हार, नडाल मोंटे कार्लो के क्वार्टर फाइनल में

रोक्यूब्रुने काप मार्टिन (फ्रांस)। सर्बिया के नोवाक जोकोविच को मोंटे कार्लो मास्टर्स टेनिस टूर्नामेंट में ब्रिटेन के डान इवांस के हाथों हार का सामना करना पड़ा जबकि स्पेन के राफेल नडाल जीत के साथ इस टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में पहुंच गए हैं।डीपीए की रिपोर्ट के अनुसार, विश्व के नंबर-1 खिलाड़ी जोकोविच का ऑस्ट्रेलियन ओपन के बाद यह पहला टूर्नामेंट है और उन्हें 2021 में पहली हार का सामना करना पड़ा है। इवांस ने जोकोविच को 6-4, 7-5 से हराकर पहली बार मास्टर्स 1000 टूर्नामेंट के अंतिम आठ में जगह बनाई। 30 वर्षीय इवांस का अगले दौर में सामना डेविड गोफिन से होगा जिन्होंने पांचवीं सीड एलेक्सजेंडर ज्वेरेव को 6-4 7-6 (9-7) से हराया। इस बीच, मोंटे कार्लो टूर्नामेंट के 11 बार के विजेता नडाल ने ग्रिगोर दिमित्रोव को 55 मिनट में 6-1, 6-1 से हराया। नडाल का सामना आंद्रे रूबलेव से होगा जिन्होंने रोबटरे बतिस्ता अगुत को 7-6 (7-2) 5-7 6-3 से हराया। स्टेफानोस सितसिपास ने क्रिस्टियन गारिन को 6-3, 6-4 से हराया और उनका अगले दौरे में सामना अलेजांद्रो डेविडोविक फोकिना से होगा।

आईपीएल 14 : मुंबई के खिलाफ मुकाबले से वापसी करना चाहेगा हैदराबाद

चेन्नई।

आईपीएल के इस सीजन में पहले दो मुकाबले हारने के बाद सनराइजर्स हैदराबाद की टीम शनिवार को गत विजेता मुंबई इंडियंस के खिलाफ मैच से वापसी करना चाहेगी। हैदराबाद ने जहां अपने दोनों शुरूआती मुकाबले हारे हैं वहीं मुंबई की टीम को दो में से एक मैच में जीत मिली है। यह देखना दिलचस्प होगा कि हैदराबाद की टीम इस मुकाबले में न्यूजीलैंड के बल्लेबाज केन विलियम्सन को खेलाने उतारती है कि नहीं, जिन्हें पहले दो मुकाबलों में एकादश में जगह नहीं मिली थी। रॉयल चेलेंजर बेंगलोर के खिलाफ पिछले मुकाबले में हैदराबाद के बल्लेबाज अच्छी शुरूआत के बाद लड़खड़ा गए थे जिसके कारण उसे जीते हुए में मैच में हार का सामना करना पड़ा था। विलियम्सन को टीम में जगह देने की मांग उठी है और पूर्व भारतीय क्रिकेटर वीरेंद्र सहवाग तथा संजय मांजरेकर ने कहा है कि हैदराबाद के बल्लेबाजी लाइनअप के लिए विलियम्सन का एकादश में शामिल होना जरूरी है। मुंबई के पास ट्रेंट बोल्ट और जसप्रीत बुमराह जैसे गेंदबाज हैं। ऐसे में हैदराबाद को कुछ ऐसे बल्लेबाज की जरूरत है जो लंबी पारी खेल सके। इस मैच में बोल्ट और हैदराबाद के कप्तान डेविड वार्नर के बीच जंग देखने को मिलेगी। इसके अलावा मुंबई के मध्य और निचले क्रम के बल्लेबाजों के लिए स्पिनर राशिद खान का सामना करने की चुनौती होगी। मुंबई की बल्लेबाजी पिछले मैच में कुछ खास नहीं रही थी। हालांकि उसके पास मध्य और निचले क्रम में ऐसे बल्लेबाज है जो बड़े शॉट्स खेलने का माद्दा रखते हैं। मुंबई की बल्लेबाजी दोनों मैचों में फेल रही थी। उसे बेंगलोर के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा जबकि कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ करीबी मैच में उसे जीत मिली थी। यह देखना भी दिलचस्प होगा कि क्या हैदराबाद की टीम तेज गेंदबाज संदीप शर्मा को जल्दी गेंदबाजी करने भेजेगी जो गेंद को स्विंग करा लेते हैं। बेंगलोर के खिलाफ भुवनेश्वर कुमार और जेसन होल्डर ने नई गेंद से अच्छी गेंदबाजी की थी। चेन्नई की पिच स्पिनरों की मददगार होती है और खेल आगे बढ़ते-बढ़ते धीमी होने लगती है। ऐसे में पहले बल्लेबाजी करने वाली टीम को विरोधी टीम की तुलना में फायदा मिलेगा। हैदराबाद को लक्ष्य का पीछा करते हुए ही दोनों मुकाबलों में हार का सामना करना पड़ा है जबकि मुंबई की टीम को स्कोर का बचाव करते हुए पिछले मैच में जीत मिली थी।

युवा विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप : अरूणधति क्वार्टर फाइनल में पहुंची

नई दिल्ली ।

खेलो इंडिया खेलों की तीन बार की स्वर्ण पदक विजेता अरूणधति चौधरी (69 किग्रा) ने पोलैंड के किल्से में चल रही युवा विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप के क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है जबकि तीन अन्य भारतीय मुक्केबाज भी जीत दर्ज करने में सफल रहे जिससे देश के मुक्केबाजों के लिए प्रतियोगिता में एक और अच्छा दिन रहा। विकास (52 किग्रा) और अर्शी खानम (54 किग्रा) हालांकि गुरुवार को दूसरे दौर के मुकाबलों में शिकस्त के साथ प्रतियोगिता से बाहर हो गए। अरूणधति के अलावा आकाश गोरखा (60 किग्रा), सुमित (69 किग्रा) और गितिका (48 किग्रा) जीत दर्ज करने में सफल रहे। अरूणधति ने कोलंबिया की डेयानिएरा केसस जेरेज को एकतरफा मुकाबले में 5-0 से हराकर अंतिम आठ में जगह बनाई जहां उनका सामना युक्रेन की अन्ना सेज्को से होगा। युक्रेन की मुक्केबाज को पहले दौर में बाई मिली थी। आकाश ने सर्वसम्मत फैसले में जर्मनी के एनरिको क्लीश को 5-0 से शिकस्त दी जबकि सुमित ने वेनेजुएला के राफेल एंटोनियो परडोमो को पांच मिनट से भी कम समय में हराया। सुमित के मुकाबले को रैफरी ने दूसरे दौर में ही रुकवा दिया। प्री क्वार्टर फाइनल में आकाश की भिड़ंत मंगोलिया के गेन एर्डिन गनबाटर से होगी जबकि सुमित को स्लोवाकिया के लादिस्लाव होर्वाथ के खिलाफ उतरना है। दूसरी तरफ गीतिका ने आसानी से रूस की डायना एर्माकोवा को हराया। वह दूसरे दौर में कजाखस्तान की अरेलिम मरात से भिड़ेंगी। विकास को हालांकि मंगोलिया के सुखबत एंखजोरित के खिलाफ 1-4 से शिकस्त झेलनी पड़ी जबकि अर्शी को उज्बेकिस्तान की निगिना उकतामोवा के खिलाफ इसी अंतर से हार का सामना करना पड़ा। भारत ने टूर्नामेंट में 20 सदस्यीय टीम उतारी है जिसमें 10 पुरुष और इतनी ही महिला मुक्केबाज शामिल हैं। टूर्नामेंट में 52 देशों में 414 मुक्केबाज हिस्सा ले रहे हैं।

यूरोपा लीग : सलाविया को हराकर आर्सेनल सेमीफाइनल में पहुंचा

यूरोपा लीग । सलाविया को हराकर आर्सेनल सेमीफाइनल में पहुंचालंदन, 16 अप्रैल (आईएएनएस)। आर्सेनल ने यूरोपा लीग फुटबॉल टूर्नामेंट में क्वार्टर फाइनल के दूसरे चरण के मुकाबले में सलाविया पराहा को 4-0 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई। डीपीए की रिपोर्ट के अनुसार, एक सप्ताह पहले क्वार्टर फाइनल के पहले चरण के मुकाबले में आर्सेनल और सलाविया के बीच मुकाबला 1-1 से ड्रॉ रहा था लेकिन आर्सेनल ने इस मैच को 4-0 से जीता जिसके बाद अग्रिगेट के आधार पर उसने 5-1 से जीत हासिल की।इससे पहले, आर्सेनल की ओर से निकोलस पेपे ने 18वें मिनट में गोल कर टीम को शुरूआती बढ़त दिलाई। इसके बाद एलेक्सजांद्रे लाकाजेते ने 21वें मिनट में गोल कर आर्सेनल की बढ़त को 2-0 कर दिया। इसके तीन मिनट बाद ही 24वें मिनट में बुकायो साका के गोल ने आर्सेनल को 3-0 की बढ़त दिला दी। पहला हॉफ खत्म होने तक आर्सेनल ने मैच में अपनी स्थिति मजबूत कर ली और उसे 3-0 की बढ़त हासिल हुई।दूसरे हॉफ में सलाविया ने वापसी करने की कोशिश की लेकिन आर्सेनल ने उसे रोके रखा। एलेक्सजांद्रे ने इसके बाद 77वें मिनट में एक और गोल किया और स्कोर 4-0 कर मैच को एकतरफा बना दिया। आर्सेनल ने अंतिम समय तक अपनी बढ़त को कायम रखा जबकि सलाविया निर्धारित समय तक गोल कर पाने में असफल रही और उसे हार का सामना करना पड़ा। सेमीफाइनल में आर्सेनल का सामना विलाररियल से होगा।

विनेश फोगाट ने एशियाई कुश्ती चैम्पियनशिप में पहली बार हासिल किया गोल्ड

अलमाटी।

ओलंपिक टिकट हासिल कर चुकी विनेश फोगाट ने शुक्रवार को एशियाई चैम्पियनशिप के फाइनल में अपनी प्रतिद्वंद्वी को एकतरफा मुकाबले में पटखनी देते हुए स्पर्ण पदक हासिल किया। कई बड़े खिलाड़ियों के बिना आयोजित इस प्रतियोगिता में विनेश पूरा दबदबा कायम रहा और उन्होंने 53 किग्रा वार्ग में बिना अंक गंवाये पहली बार एशियाई चैम्पियनशिप का पीला तमगा हासिल किया। पिछले साल दिल्ली में आयोजित हुई प्रतियोगिता में कांस्य पदक जीतने वाली विनेश ने फाइनल में ताइपे की मेंग ह्सआन हसिह के खिलाफ 6-0 की बढ़त हासिल करने के बाद उसे पूरी तरह से चित कर दिया। इस प्रतियोगिता में ताइपे की इस खिलाड़ी पर विनेश की यह दूसरी जीत है। इससे पहले उन्होंने इस चैम्पियनशिप में अब तक सात पदक हासिल किये हैं जिसमें तीन रजत पदक शामिल हैं। विनेश ने शुरूआती चरण में मंगोलिया की ओटगोंजरगल गनबातर और हसिह के खिलाफ तकनीकी श्रेष्ठता से जीत दर्ज की, जबकि सेमीफाइनल में उनकी प्रतिद्वंद्वी की ह्युनयॉन्ग ओह चोट के कारण रिंग में नहीं उतरी। पिछले दिनों इसी स्थल पर ओलंपिक कोटा हासिल करने वाली अंशु ने अपनी लय जारी रखते हुए फाइनल में जगह पक्की की। यह 19 साल की प्रतिभाशाली पहलवान शुरूआती दो बाउट में उज्बेकिस्तान की सेवारा इश्मुरतोवा और किर्गिस्तान की नाजिरा मार्सबेक कयजी को तकनीकी श्रेष्ठता के आधार पर पटखनी देकर सेमीफाइनल में पहुंची। मंगोलिया की बत्सेत्सेग अल्टांसेटसेग से वह 9-1 से आगे चल रही थीं जब रेफरी ने इस भारतीय खिलाड़ी को 'विक्ट्री बाय कौशन (प्रतिद्वंद्वी खिलाड़ी के जरूरत से ज्यादा आक्रामक रूख के कारण जीत)% के कारण जीत प्रदान की। इससे पहले इस मंगोलियाई खिलाड़ी को तीन बार चेतावनी दी गई थी। फाइनल में उनका सामना इसी मंगोलियाई खिलाड़ी से होगा। ओलंपिक कांस्य

पदक विजेता साक्षी मलिक भी 65 किग्रा वर्ग के फाइनल में पहुंच गई। वह अपने चहेते 62 किग्रा वर्ग में जगह बनाने में नाकाम रहने के बाद 65 किग्रा वर्ग में हाथ आजमा रही है। पहले दो मुकाबले तकनीकी श्रेष्ठता के जीतने के बाद साक्षी कोरिया की हैनबिट ली के खिलाफ 3-0 से आगे चल रही थी। कोरियाई खिलाड़ी को हालांकि घुटने में चोट लग गयी और वह प्रतियोगिता से बाहर हो गयी। फाइनल में उनका सामना मंगोलिया की बोलोटुंगालाग जोरिग्ट से होगा। दिव्या काकरान भी यहां दमदार प्रदर्शन करते हुए तीसरे दौर में पहुंच गयी।

संक्षिप्त समाचार

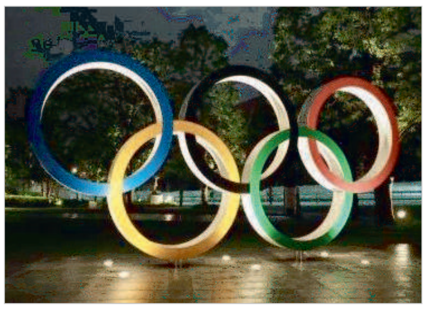

आयोजकों ने टोक्यो ओलंपिक रद्द या स्थगित करने की संभावनाओं को खारिज किया

टोक्यो। टोक्यो ओलंपिक के आयोजकों ने जापान में बढ़ते कोरोना वायरस के मामलों के कारण ओलंपिक के रद्द या एक बार फिर स्थगित होने की संभावनाओं को खारिज कर दिया है। डीपीए के अनुसार, आयोजन समिति की अध्यक्ष सेइको हाशिमोतो ने कहा, कई चुनौतियां है लेकिन टोक्यो 2020 की आयोजन समिति खेलों को रद्द करने के बारे में नहीं सोच रही है। जापान की सत्तारूढ़ पार्टी एलडीपी के महासचिव तोशहिहिरो निकाई ने कहा था कि कोरोना से स्थिति और बिगड़ती है तो ओलंपिक का रद्द होना भी एक विकल्प हो सकता है। इसके बाद जापान के प्रधानमंत्री योशिहिदे सुगा ने बयान जारी कर कहा था कि ओलंपिक खेलों को सुरक्षित तरीके से कराने के हर संभव प्रयास किया जाएगा और ऐसा करने के सरकार के स्टैंड में कोई बदलाव नहीं आया है। ओलंपिक का आयोजन पिछले साल होना था लेकिन कोरोना महामारी को देखते हुए अंतरराष्ट्रीय लंपिक समिति और स्थानीय आयोजकों को इसे एक साल तक के लिए स्थगित करना पड़ा था। टोक्यो का आयोजन इस साल 23 जुलाई से होना है।

यूरोपा लीग : ग्रानाडा को हराकर मैनचेस्टर यूनाइटेड सेमीफाइनल में

लंदन। मैनचेस्टर यूनाइटेड ने यूरोपा लीग में क्वार्टर फाइनल के दूसरे चरण के मुकाबले में ग्रानाडा को 2-0 से हराकर लगातार दूसरी बार सेमीफाइनल में जगह बना ली है। मानचेस्टर यूनाइटेड ने क्वार्टर फाइनल के पहले चरण के मुकाबले में भी 2-0 से जीत हासिल की थी जिसके बाद उसने ग्रानाडा को एग्रिगेट के आधार पर 4-0 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई।इससे पहले, मैनचेस्टर यूनाइटेड की ओर से एडिंसन कवानी ने छठे मिनट में गोल कर टीम को शुरूआती बढ़त दिलाई। मैनचेस्टर यूनाइटेड ने इस बढ़त को पहले हॉफ तक बरकरार रखा और ग्रानाडा को गोल नहीं करने दिया। दूसरे हॉफ में जहां मैनचेस्टर यूनाइटेड ने बढ़त बनाने की कोशिश की तो वहीं ग्रानाडा बराबरी हासिल करने की कोशिश करता रहा। मैनचेस्टर यूनाइटेड की ओर से जेसस वालेजो ने इंजुरी समय में गोल कर बढ़त को 2-0 कर दिया। निर्धारित समय तक ग्रानाडा बराबरी हासिल नहीं कर सका और उसे मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा।

धोनी को 7 नंबर के बजाए ऊपरी क्रम में खेलना चाहिए : गंभीर

नई दिल्ली।

भारतीय टीम के पूर्व बल्लेबाज गौतम गंभीर का कहना है कि चेन्नई सुपर किंग्स के कप्तान महेंद्र सिंह धोनी को नंबर-7 के बजाए ऊपरी क्रम पर खेलने उतरना चाहिए। धोनी आईपीएल के इस सीजन के पहले मुकाबले में खाता खोले बिना आउट हुए थे। गंभीर ने कहा कि भारतीय टीम के पूर्व कप्तान अब वो खिलाड़ी नहीं रहे जो आते ही बाउंड्री लगाते थे। गंभीर ने कहा, धोनी को ऊपरी क्रम पर खेलना चाहिए, क्योंकि उनका सामने से टीम का नेतृत्व करना जरूरी है। उन्होंने कहा, यह सभी को पता है कि एक लीडर को सामने से नेतृत्व करना चाहिए। आप अगर सातवें नंबर पर बल्लेबाजी करने उतर रहें हैं तो आप लीड नहीं कर सकते। कोलकाता नाइट राइडर्स के पूर्व कप्तान ने कहा कि चेन्नई की गेंदबाजी लाइनअप में कुछ दिक्कत है लेकिन धोनी का ऊपरी क्रम को खेलना टीम के लिए फायदेमंद हो सकता है। गंभीर ने कहा, चेन्नई के गेंदबाजी विभाग में कुछ परेशानियां हैं। इसके अलावा धोनी अब वैसे नहीं रहे जैसे पांच वर्ष पहले थे जहां वह पिच पर उतरकर शुरूआत से विस्फोटक बल्लेबाजी करते थे। मेरे ख्याल से उन्हें चौथे या पांचवें नंबर पर उतरना चाहिए।

मुझे ऐसी पारी खेलने के लिए ही टीम में लिया गया था : मोरिस

मुंबई। दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मैच जीताने में अहम भूमिका निभाने वाले राजस्थान रॉयल्स के ऑलराउंडर क्रिस मोरिस का कहना है कि उन्हें पता था कि टीम में उन्हें ऐसी पारी खेलने के लिए ही लिया गया था। दिल्ली ने राजस्थान को 148 रनों का लक्ष्य दिया था। लक्ष्य का पीछा करते हुए राजस्थान की पारी लड़खड़ा गई थी लेकिन डेविड मिलर और मोरिस ने आतिशी पारी खेल टीम को जीत दिलाई थी। मोरिस ने 18 गेंदों पर नाबाद 36 रनों का योगदान दिया था। पिछले मैच में संजू सैमसन ने अंतिम ओवर में मोरिस को स्ट्राइक नहीं दिया था और टीम को हार मिली थी। मोरिस ने कहा, मैं दौड़कर जाता भले ही इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि मुझे कितना त्याग करना पड़ता क्योंकि सैमसन अच्छी पारी खेल रहे थे। मैं इस बात से भी दुखी नहीं होता अगर वह अंतिम गेंद पर छक्का जड़ते। मोरिस को राजस्थान ने खिलाड़ियों की नीलामी में 16.25 करोड़ रूपये में खरीदा था। मोरिस ने कहा, कई खिलाड़ी हैं जिन्हें बड़े हिट लगाने के लिए टीम में लिया जाता है और मुझे पता है कि मुझे टीम में इसलिए लिया गया था। मैंने काफी गोल्फ भी खेला है। उन्होंने कहा, मुझे खुशी है कि हम मैच जीत सके। यह देखना सुखद है कि हम ऐसे मैच में भी जीत हासिल कर सकते हैं जहां हमारी शुरूआती बेहतर नहीं हुई हो। यही टी20 क्रिकेट की खूबसूरती है।

कोरोना से उबरी हरमनप्रीत कौर, ट्वीट कर दी जानकारी

नयी दिल्ली । भारतीय महिला टी20 टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने शुक्रवार को बताया कि वह कोराना वायरस संक्रमण से उबर गयी हैं। हरमनप्रीत ने 30 मार्च को जांच में कोविड-19 पॉजिटिव होने की जानकारी दी थी। दो सप्ताह से अधिक समय तक इसकी चपेट में रहने के बाद आरटी-पीसीआर जांच में उनकी रिपोर्ट नेगेटिव आयी है। उन्होंने ट्वीट किया कि सभी को यह सूचित करते हुए खुशी हो रही है कि जांच में नेगेटिव आयी हूं और मैं बेहतर महसूस कर रही हूं। आप सभी को मेरा एकमात्र संदेश है कि अपना ख्याल रखे और अतिरिक्त सावधानी बरतें। यह वायरस खतरनाक है। अधिकारियों द्वारा लागू किये गये सभी प्रोटोकॉल का पालन करें। जो इससे लड़ाई लड़ रहे हैं मैं उनके लिए हिम्मत की कामना करती हूं। हरमनप्रीत पिछले महीने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ घरेलू एकदिवसीय श्रृंखला में चोटिल हो गयी थी। वह इसके बाद टी20 श्रृंखला नहीं खेल पायी थी।

अर्जेन्टीना के खिलाफ जीत से मनोबल बढ़ा, ओलंपिक में इस लय का इस्तेमाल करना चाहते हैं: पाठक

ब्यूनस आयर्स ।

अर्जेन्टीना के खिलाफ भारत के शानदार प्रदर्शन में अहम भूमिका निभाने वाले खिलाड़ियों में शामिल युवा गोलकीपर कृष्ण पाठक ने कहा कि वह तोक्यो ओलंपिक के दौरान सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में रहना चाहते हैं और उनकी नजरें अगले महीने एफआईएच प्रो हॉकी लीग मैचों में ग्रेट ब्रिटेन के खिलाफ भी शानदार प्रदर्शन करने पर टिकी हैं। अर्जेन्टीना के खिलाफ भारत की ओर से 50 अंतरराष्ट्रीय मैच पूरे करने वाले तेइस साल के पाठक ने गत ओलंपिक चैंपियन अर्जेन्टीना के खिलाफ एफआईएच प्रो लीग में भारत की दोनों मुकाबले जीतने में अहम भूमिका निभाई। पाठक ने कहा कि 50 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलकर मैं बेहद खुश हूं। इतने कम समय में इतना कुछ हो गया। मुझे बड़े टूर्नामेंटों में खेलने का मौका मिला और अपने सीनियर खिलाड़ियों से मैंने काफी कुछ सीखा। कोचों को हमेशा मेरी प्रतिभा पर भरोसा था। मैं कड़ी मेहनत जारी रखना चाहता हूं और भारत के लिए मैच जीतना चाहता हूं। इस उपलब्धि को हासिल करके मैं गौरवांवित हूं। बुधवार को संपन्न अर्जेन्टीना दौरे के दौरान भारत ने मेजबान टीम को दो चरण के एफआईएच प्रो लीग मुकाबले में हराया। पहले मैच में शूट आउट में भारत की जीत के दौरान पीआर श्रीजेश ने शानदार प्रदर्शन किया जबकि दूसरे मैच में भारत की 3-0 की जीत के दौरान पाठक छाए रहे। दूसरे प्रो लीग मुकाबले में कई शानदार बचाव करने के बाद मैन आफ द मैच बने पाठक ने कहा, ''मुझे अर्जेन्टीना दौरे से काफी कुछ सीखने को मिला। मुझे पता है कि जब भी मैं खेलूंगा तो मुझे गोलकीपर के रूप में अपनी अहमियत साबित करनी होगी।'' भारतीय टीम अब एफआईएच प्रो लीग मुकाबले में आठ और नौ मई को ग्रेट ब्रिटेन से भिड़ेगी। अर्जेन्टीना के खिलाफ जीत के बाद भारत आठ मैचों में 15 अंक के साथ एफआईएच हॉकी प्रो लीग तालिका में चौथे स्थान पर पहुंच गया है। भारत, अर्जेन्टीना और आस्ट्रेलिया आगामी ओलंपिक में आमने सामने होंगे जहां उन्हें स्पेन, न्यूजीलैंड और मेजबान दावेदार जापान के साथ ग्रुप ए में रखा गया है। पाठक ने कहा, ''हमें सुनिश्चित करना होगा कि हम किसी भी चुनौती के लिए तैयार रहें। टीम में अच्छा माहौल है और हम इस लय का इस्तेमाल ओलंपिक में करना चाहते हैं।

गलत कोरोना रिपोर्ट के कारण पृथकवास में रूके नोर्जे, जांच के बाद आए बाहर

मुंबई । दिल्ली कैपिटल्स के तेज गेंदबाज एनरिच नोर्जे कोविड-19 की गलत रिपोर्ट के कारण 2 अतिरिक्त दिनों तक कड़े पृथकवास में रहने के बाद शुक्रवार को उससे बाहर आ गए। दक्षिण अफ्रीका के इस तेज गेंदबाज को पृथकवास के दौरान कोविड-19 जांच में पॉजिटिव पाया गया था जिससे उनका पृथकवास जारी रहा। इसके बाद आरटी-पीसीआर जांच में तीन बार नेगेटिव आने के आद उन्हें टीम से जुड़ने की मंजूरी दे दी गई। दिल्ली कैपिटल्स ने ट्वीट किया, 'तेज गेंदबाजी के हमारे सुपरस्टार अब पृथकवास से बाहर है। कोविड-19 की गलत रिपोर्ट के बाद एनरिच नोर्किया जांच में तीन बार नेगेटिव रहे और वह अब टीम बबल (जैव-सुरक्षित माहौल) का हिस्सा है। हमें उन्हें गेंदबाजी करते देखने का इंतजार है।' फ्रेंचाइजी से जारी वीडियो में नोर्जे ने कहा, 'कमरे (पृथकवास) से बाहर होना और नाश्ते के समय सब को देखकर अच्छा लग रहा है। आज अभ्यास शुरू करने को लेकर उत्साहित हूं।' उन्होंने कहा, 'स्टेडियम में वापस जाना अच्छा होगा और यह अच्छा है कि आईपीएल भारत में हो रहा है। मैदान पर वापसी करना रोमांचक है।' गौर हो कि आईपीएल में कोविड-19 के गलत जांच से प्रभावित होने वाले नोर्जे दूसरे खिलाड़ी है। इससे पहले कोलकाता नाइट राइडर्स के सलामी बल्लेबाज नितीश राणा को भी ऐसी स्थिति का सामना करना पड़ा था।

सूरत कोरोना खौफ: प्रवासी मजदूरों का पलायन शुरू

लॉकडाउन की अफवाह की वजह से प्रवासी मजदूरों का घर वापसी का सिलसिला अब तेज हो गया है

सूरत ।

गुजरात में कोरोना वायरस का कहर बढ़ता ही जा रहा है हर दिन दैनिक मामलों में एक हजार से ज्यादा नए मामले दर्ज हो रहे हैं। कोरोना पर काबू पाने के लिए राज्य सरकार की ओर से लगातार कोशिशें की जा रही हैं। बावजूद इसके दैनिक मामलों में कमी दर्ज नहीं की जा रही है। कोरोना की वजह से डायमंड सिटी सूरत की स्थिति गुजरते दिन के साथ खराब होती जा रही है। जिसकी वजह से लॉकडाउन की अफवाह तेज हो गई है। जिसकी वजह से प्रवासी मजदूरों का घर वापसी का सिलसिला तेज हो गया है। कोरोना के दैनिक मामलों के साथ सूरत में काम करने वाले प्रवासी मजदूरों के घर वापसी की संख्या में भारी वृद्धि दर्ज की जा रही है। एक आंकड़े के अनुसार सूरत से हर दिन २५ हजार प्रवासी मजदूर घर वापस हो रहे हैं। रेलवे स्टेशन से ही वेटिंग टिकट वाले यात्रियों को रेलवे द्वारा उनके गृहनगर भेजा जा रहा है।

इस बीच जो लोग ट्रेन से नहीं जा पा रहे हैं वह बस से घर की ओर रवाना हो रहे हैं। ट्रेन के मुकाबले बसों से ज्यादा यात्री अपने घरों तक पहुँच रहे हैं। सूरत में विभिन्न बस ऑपरेटरों द्वारा प्रतिदिन १०० से अधिक बसें चलाई जा रही हैं। उत्तर प्रदेश, बिहार और झारखंड की ट्रेनों में लंबी वेटिंग की वजह से लगातार ट्रेन की संख्या बढ़ाने की मांग की जा रही है। १५ अप्रैल को पश्चिम रेलवे ने सूरत से उत्तर प्रदेश, बिहार, पश्चिम बंगाल और ओडिशा के लिए १५ विशेष ट्रेन चलाने का फैसला किया है। सूरत से १८ हजार से ज्यादा प्रवासी मजदूर ट्रेन से अपने-अपने घरों की ओर रवना हो गए हैं। इसके अलावा मुंबई और अहमदाबाद से सूरत जाने वाली ट्रेनों में रोजाना ५ से ६ हजार लोग घर जा रहे हैं।

लॉकडाउन की डर से प्रवासी मजदूरों में अफरा-तफरी का माहौल है। इसलिए निजी पर्यटन से भी लोग जाने के लिए मारामारी कर रहे हैं। सूरत से हर दिन १०० से ज्यादा बसों को उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड और ओडिशा के लिए दौड़ाई जा रही है। प्रत्येक बस में १२०-१२० यात्रियों को ले जाया जा रहा है। गुजरात में कोरोना के बढ़ते आतंक के बीच राज्य सरकार जोर देकर कह चुकी है कि लॉकडाउन लागू नहीं किया जाएगा लेकिन सरकार की बातों पर अब मजदूरों को भरोसा नहीं रह गया है।

कोरोना की चपेट में आए निर्दलीय विधायक मेवानी

गांधीनगर ।

गुजरात के साथ पूरे देश में कोरोना वायरस ने फिर से एकबार लोगों की परेशानी बढ़ा दी है। कोरोना की दूसरी लहर का संक्रमण लगातार बढ़ता जा रहा है। गुजरात की स्थिति हर दिन रिकॉर्डतोड़ नए मामले दर्ज होने के बाद भयावह होती जा रही है। इस बीच जानकारी सामने आ रही है कि गुजरात के निर्दलीय विधायक जिग्नेश मेवानी भी कोरोना की चपेट में आ गए हैं। कोरोना की रिपोर्ट पॉजिटिव आने के बाद जिग्नेश मेवानी ने ट्वीट कर इसकी जानकारी दी। गौरतलब है कि निर्दलीय विधायक जिग्नेश मेवानी पिछले १० दिनों से अपने निर्वाचन वडगाम में थे। जहाँ वह निर्वाचन क्षेत्र के कार्यों में व्यस्त थे।

हालांकि कुछ दिनों पहले उनकी तबीयत खराब हुई थी और कोरोना का लक्षण दिखाने के बाद उन्होंने टेस्ट करवाया था जिसकी रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव आने के बाद जिग्नेश मेवानी फिलहाल खुद को होम आइसोलेशन कर लिया है। इतना ही नहीं उन्होंने अपील की है कि पिछले कुछ दिन में उनके संपर्क में आने वाले लोग कोरोना का टेस्ट जरूर करवा लें। इसके साथ मेवानी ने लोगों को मास्क, सोशल डिस्टेंसिंग जैसे कोई गाइडलाइन का सख्ती से पालन करने की अपील की है

। जिग्नेश मेवानी ने अपने ट्वीट में उन मेडिकल स्टाफ, डॉक्टरों और अन्य फ्रंट लाइन वर्कर्स को धन्यवाद दिया जो अपनी जान जोखिम में डालकर ड्यूटी कर रहे है। गौरतलब है कि गुजरात में पिछले २४ घंटों में सबसे अधिक ८१५२ नए मामले दर्ज हुए गए। वहीं इस दौरान ८१ लोगों की मौत दर्ज की गई। दैनिक मामलों में भारी वृद्धि के बाद लोगों में कोरोना की वजह से भय की स्थिति पैदा हो गई है।

कोरोना की चैन तोड़ने १० दिनों का स्वैच्छिक लॉकडाउन जरुरी

अहमदाबाद ।

गुजरात में कोरोना की दूसरी लहर ने हाहाकार मचा रखा है। दैनिक मामलों में दर्ज की जाने वाली भारी वृद्धि की वजह से अहमदाबाद और सूरत में स्थिति चिंताजनक हो गई है। कोरोना संक्रमण की श्रृंखला को तोड़ने के लिए सरकार ने नाइट कर्फ्यू को सख्ती से लागू कर दिया है। बावजूद हर दिन नए मामलों में चिंताजनक वृद्धि होने पर एक बार फिर शहर में लॉकडाउन की मांग उठने लगी है। मिल रही जानकारी के अनुसार, पिछले १५ दिनों में अहमदाबाद में १९ हजार से ज्यादा नए सकारात्मक मामले सामने आए हैं। वहीं इस दौरान मरने वालों की संख्या में भी वृद्धि दर्ज हुई है। दैनिक मामलों में दर्ज की जाने वाली भारी वृद्धि और उसके मुकाबले स्वस्थ होने वाले लोगों की संख्या में दर्ज की जाने वाली कमी की वजह से अस्पताल हाउसफुल हो गए हैं। जिसकी वजह से कई अस्पतालों के बाहर एंबुलेंस की लाइनें नजर आ रही है।

इस विकट स्थिति को देखते हुए अहमदाबाद हॉस्पिटल एंड नर्सिंग होम के सचिव वीरेन शाह ने स्वैच्छिक तालाबंदी का सुझाव दिया है। उन्होंने कहा कि जिस गति से संक्रमण की संख्या बढ़ रही है उसे गंभीरता से लेने की जरूरत है। शाह ने आगे कहा कि जब तक जरूरी न हो अगले १०-१२ दिनों के लिए घर से बाहर न निकलें। वीरेन शाह ने कहा कि कोरोना की चैन तोड़ने के लिए हमें स्वैच्छिक १० दिनों के लॉकडाउन का पालन करना होगा। अहमदाबाद हॉस्पिटल एंड नर्सिंग होम के सचिव वीरेन शाह ने कहा कि अगर आपको घर से निकलना है और कुछ खरीदना है तो एक हफ्ते का सामान एक साथ लेकर आ जाए ताकि बार-बार घर से निकलना ना पड़े। उन्होंने कहा कि लोगों को धार्मिक आयोजनों

और राजनीतिक समारोहों में जाने से भी बचना चाहिए। गौरतलब है कि लॉकडाउन से कोरोना पर काबू पाया जा सकता है लेकिन लॉकडाउन करने से अर्थव्यवस्था को भारी नुकसान होता है। रोजगार बंद होने से लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। देश में कोरोना के दैनिक मामलों में जारी वृद्धि के बाद कई राज्य और शहरों में वीकेंड लॉकडाउन लगा दिया गया है।

अहमदाबाद की सड़कों पर एंबुलेंस के सायरन की गूंज

मरीजों को नहीं मिल रहा बेड

अहमदाबाद ।

अहमदाबाद के लिए कोरोना संक्रमण की दूसरी लहर खतरनाक साबित हो रही है। कोरोना संक्रमण के बढ़ते आतंक की वजह से अहमदाबाद की ज्यादातर कोरोना अस्पताल हाउसफुल हो चुके हैं। अहमदाबाद की सड़कों पर एम्बुलेंस का सायरन २४ घंटे सुनाई देता है। सिविल अस्पताल सहित कोरोना अस्पतालों में उचित इलाज नहीं मिलने की वजह से कोरोना के मरीज मर रहे हैं। अहमदाबाद के अलावा सूरत और राजकोट जैसे महानगरों में भी स्थिति ऐसी ही है। अहमदाबाद सिविल अस्पताल के बाहर खड़े होकर मरीज के रिश्तेदार ने कहा कि "मेरे परिवार के सदस्य की कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। उसके ऑक्सीजन का स्तर लगातार घट रहा है, मुझे किस अस्पताल में बेड मिलेगा और मुझे ऑक्सीजन कैसे मिलेगी?" कोरोना महामारी से परेशान ज्यादातर अस्पतालों के बाहर मौजूद लोगों का यही सवाल है। पिछले १५ दिनों में अहमदाबाद में १९ हजार से ज्यादा नए सकारात्मक मामले सामने आए हैं। वहीं इस दौरान मरने वालों की संख्या में भी वृद्धि दर्ज हुई है। दैनिक मामलों में दर्ज की जाने वाली भारी वृद्धि और उसके मुकाबले स्वस्थ होने वाले लोगों की संख्या में दर्ज की जाने वाली कमी की वजह से अस्पताल हाउसफुल हो गए हैं। जिसकी वजह से कई अस्पतालों के बाहर एंबुलेंस की लाइनें नजर आ रही है। इतना ही नहीं कोरोना की वजह

से अब तक गुजरात में ५ हजार मरीजों की मौत दर्ज की जा चुकी है। अहमदाबाद नगर निगम के एक अधिकारी ने कहा कि निजी अस्पतालों में ऑक्सीजन की कमी है। वेंटिलेटर भी कम पड़ रहे हैं। ७०% लोगों को व्यवस्था की कमी के कारण बेड नहीं मिल पा रहा है। अधिकारी ने कहा, हमें एक शिकायत मिली है जहां एक मरीज को अस्पताल ले जाते समय स्ट्रेचर मिला। जिन मरीजों का ऑक्सीजन लेवल ९० से नीचे था ऐसे लोगों को अस्पताल में भर्ती नहीं किया गया क्योंकि अस्पताल में ऑक्सीजन की कमी थी ऐसे मरीजों को अन्य अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती करवाया गया।

गुजरात भाजपा प्रमुख को गिरफ्तार कर लोकसभा सदस्यता रद्द की जाए :दीपक बाबरिया

अहमदाबाद । कांग्रेस नेता और एआईसीसी के पूर्व महासचिव दीपक बाबरिया ने रेमडेसिवीर इंजेक्शन के गैरकानूनी वितरण मामले में गुजरात भाजपा के प्रमुख और नवसारी के सांसद सीआर पाटील को गिरफ्तार करने और लोकसभा की सदस्यता रद्द करने की मांग की है। बता दें कि सीआर पाटील ने सूरत में 5000 रेमडेसिवीर इंजेक्शन का वितरण किया था। इतनी बड़ी मात्रा में रेमडेसिवीर इंजेक्शन सीआर पाटील के पास कहां से इसका सवाल जब मुख्यमंत्री से पूछा गया तो उन्होंने इससे पल्ला झाड लिया और कहा कि इसका जवाब सीआर पाटील ही दे सकते हैं। इस मामले में गुजरात कांग्रेस नेता परेश धानाणी ने सीआर पाटील के खिलाफ हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की है। दीपक बाबरिया ने कहा कि सीआर पाटील ने डॉक्टरों द्वारा दिए जानेवाले 5000 रेमडेसिवीर इंजेक्शन का स्टॉक एकत्र कर खुद को कानून से बड़ा बताने का प्रयास किया है। मुख्यमंत्री विजय रूपाणी ने पत्रकार परिषद में 5000 इंजेक्शन का जवाब सीआर पाटील से मांगने को कहा था। बाबरिया ने कहा कि एक ओर आम मरीजों को इंजेक्शन नहीं मिल रहे और पाटील पांच हजार इंजेक्शन का स्टॉक अपने पास रखते हैं। ऐसा लगता है जैसे रूपाणी सरकार सीआर पाटील की जेब में है। एक सामान्य दवाई बेचने तो कानूनी रूप से लाइसंस प्राप्त करना होता है, जबकि पाटील ने पांच हजार इंजेक्शन का स्टॉक कर कानून की धज्जियां उड़ाई हैं। गुजरात की रूपाणी सरकार ने भी पाटील से डरकर उनके खिलाफ ड्रग्स कानून के तहत मामला दर्ज करने की हिम्मत नहीं की। नतीजतन नेता प्रतिपक्ष परेश धानाणी को गुजरात हाईकोर्ट के द्वार खटखटाने पड़े। बाबरिया ने कहा कि सीआर पाटील लोकसभा का वरिष्ठ सांसद भी हैं और कानून बनाने वाले एक सांसद होकर भी उन्होंने महामारी में जीवनरक्षक दवाई का स्टॉक बिना किसी कानूनी प्रक्रिया और मंजूरी के अपने कार्यालय में संग्रह कर कोरोना के कई मरीजों की जान खतरे में डालने का अधम कृत्य किया है।

सूरत में कोरोना वायरस की दूसरी लहर खतरनाक

गुजरात के कई जिलों में बच्चे कोरोना की चपेट में आ रहे हैं, जिसकी वजह से माता-पिता की चिंता बढ़ गई है

सूरत ।

कोरोना की दूसरी लहर पूरी दुनिया में हाहाकार मचा रही है। घातक वायरस के शुरुआती चरणों में ऐसे माना जा रहा था कि बच्चों को वायरस से नुकसान नहीं होगा। क्योंकि उनकी रोगप्रतिरक्षा प्रणाली काफी मजबूत होती है। लेकिन कोरोना की दूसरी लहर बच्चों के लिए भी खतरनाक साबित हो रही है।

गुजरात के कई जिलों में बच्च कोरोना की चपेट में आ रहे हैं। जिसकी वजह से माता-पिता की चिंता बढ़ गई है। मिल रही जानकारी के अनुसार सूरत में कोरोना की चपेट में आने वाली १४ दिन की एक लड़की की मौत हो गई। नवजात शिशु की जान बचाने के लिए उसे कोरोना इलाज में कारगर रेमडेसिवीर इंजेक्शन, प्लाज्मा सहित हर इलाज दिया गया लेकिन डॉक्टर उसकी जान बचाने में असमर्थ हो गए।

मासूम की मौत के बाद जहां परिवार पर गम का पहाड़ टूट पड़ा वहीं अस्पताल में ड्यूटी पर मौजूद कर्मचारियों की आंखें भी भीग गईं। मिल रही जानकारी के अनुसार, सूरत के वराछा इलाके मौजूद डायमंड अस्पताल में १ अप्रैल को बच्ची का जन्म हुआ था। लेकिन कुछ दिनों के बाद बच्ची की तबीयत अचानक बिगड़ने के बाद डॉक्टरों को शक हुआ। नवजात की जब कोरोना परीक्षण करवाई गई तो उसकी रिपोर्ट पॉजिटिव आई।

इससे पहले लड़की की मां में भी कोरोना के सामान्य लक्षण दिखाई दिया था। जिससे मां ने कोरोना टेस्ट करवाया था लेकिन उसकी रिपोर्ट नकारात्मक आई थी। जिसके बाद उसकी बच्ची को भी सर्दी-खांसी हो गई थी। लेकिन मां ने इसको गंभीरता से नहीं लिया। लेकिन जब उसकी तबीयत ज्यादा खराब हो गई तो डॉक्टरों के सलाह पर उसका कोरोना टेस्ट करवाया गया जिसमें उसकी रिपोर्ट पॉजिटिव आई।

नवजात बच्ची की स्थिति गंभीर होने पर इलाज के लिए वेंटिलेटर पर रखा गया था। इतना ही नहीं कोरोना इलाज के लिए रामबाण माना जा रहा रेमडेसिवीर इंजेक्शन और प्लाज्मा देने के बावजूद भी बच्ची की जान नहीं बचाई जा सकी। जब बच्ची को प्लाज्मा की जरूरत पड़ी तो सूरत शहर के पूर्व मेयर जगदीश पटेल ने खुद प्लाज्मा दान करके अपनी जान बचाने की कोशिश की। लेकिन मासूम कल रात कोरोना से जिंदगी की जंग हार गई।

गुजरात कांग्रेस दफ्तर में बनेगा ५० बेड वाला कोविड केयर सेंटर

अहमदाबाद ।

गुजरात कांग्रेस के अध्यक्ष अमित चावड़ा ने मांग की है कि कांग्रेस कार्यालय को कोविड केयर सेंटर में बदल दिया जाए। गुजरात कांग्रेस अध्यक्ष अमित चावड़ा ने अहमदाबाद मनपा आयुक्त मुकेश कुमार को पत्र लिखकर मांग किया है कि पालडी स्थित कांग्रेस भवन में ५० बेड की कोविड केयर सेंटर बनाया जाए। कोविड केयर सेंटर के लिए सभी डॉक्टर, नर्सिंग स्टाफ और पैरामेडिकल स्टाफ और अन्य सुविधाएं कांग्रेस पार्टी द्वारा उपलब्ध कराई जाएंगी। गुजरात कांग्रेस अध्यक्ष अमित चावड़ा ने नगर आयुक्तमुकेश कुमार को पत्र लिखकर मांग किया है कि अहमदाबाद सहित पूरे राज्य में कोरोना मामलों की संख्या बढ़ रही है।

कोरोना संक्रमण की स्थिति बेहद चिंताजनक स्तर पर पहुंच गई है। कोरोना पीड़ति और उनके रिश्तेदारों को इलाज के लिए काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। कोविड अस्पतालों में बेड, दवा और ऑक्सीजन की भारी कमी दिखाई दे रही है। ऐसी परिस्थितियों में कांग्रेस पार्टी लोगों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी रहने की नीति को अपनाते हुए लोगों की मदद के लिए आगे बढ़ी है। इसलिए हम राजीव गांधी भवन कांग्रेस कार्यालय में ५० बेड वाला कोविड केंद्र स्थापित करना चाहते हैं। इसके लिए आवश्यक डॉक्टर, नर्सिंग स्टाफ, पैरामेडिकल स्टाफ के साथ-साथ अन्य सुविधाएं कांग्रेस द्वारा प्रदान की जाएंगी।

कोरोना मरीजों की मदद के लिए खरीदा गया था रोबोट

वडोदरा के सयाजी और गोत्री अस्पताल में बीते दिनों ५० लाख रुपये की लागत से ७ रोबोट को खरीदा गया

वडोदरा ।

गुजरात सहित पूरे देश में कोरोना वायरस की दूसरी लहर ने हाहाकार मचा दिया है। वडोदरा में स्थिति हर गुजरते दिन के साथ चिंताजनक स्तर पर पहुंचती जा रही है। वडोदरा के सयाजी और गोत्री अस्पताल में कोरोना संक्रमित रोगियों की देखभाल के लिए बीते दिनों ५० लाख रुपये की लागत से ७ रोबोट को खरीदा गया था। लेकिन पिछले सात माह से इनका कोई इस्तेमाल नहीं होने की वजह से धूल खा रहे हैं। मिल रही जानकारी के के अनुसार, पिछले साल कोरोना महामारी की शुरुआत में यानी आज से ८ माह पहले कॉर्पोरेट रिस्पोंसिबिलिटी एथोरिटी द्वारा, वडोदरा की दो अस्पतालों में भर्ती कोरोना मरीज के इलाज में मदद के लिए ५० लाख रुपये की लागत से ७ रोबोट खरीदे गए थे। जिसमें से ३ रोबोट शहर के सयाजी अस्पताल में ३ रोबोट और गोत्री अस्पताल में ४ रोबोट कोरोना मरीजों की देखरेख के लिए लाए गए थे। अस्पताल के कर्मचारियों को संक्रमण के जोखिम को कम करने के लिए एहतियात के तौर पर रोबोट खरीदे गए। आइसोलेशन वार्ड में उपचार करवाने वाले संक्रमित रोगियों की जांच के अलावा यह रोबोटों मरीजो को भोजन भी परोसने का काम करता है। एक निजी कंपनी द्वारा सीएसआर फंड के तहत दान किया गया, ये रोबोट कोरना संक्रमित

मरीजों के साथ-साथ उनके परिवारों के लिए आकर्षण का केंद्र बन गया था। इतना ही नहीं उस समय कंपनी ने और अधिक रोबोट लगाने की भी घोषणा की थी। रोबोट लगाने के एक माह तक अच्छे से काम किया लेकिन उसके बाद ७ माह से यह रोबोट बंद हालत में पड़े अस्पताल में धूल खा रहे हैं।

AMC संचालित आधार कार्ड केंद्र अनिश्चित काल के लिए बंद

अहमदाबाद ।

घातक कोरोना वायरस की दूसरी लहर पूरे गुजरात में हाहाकार मचा रखी है। गुजरात भी कोरोना से सबसे ज्यादा प्रभावित राज्यों में शामिल हो गया है। गुजरात के प्रमुख शहर जैसे अहमदाबाद, सूरत, वड़ोदरा और राजकोट कोरोना का हॉटस्पॉट बन गया है। राज्य में बीते कुछ दिनों से रिकॉर्ड नए मामलों के बीच अब कोरोना योद्धा भी संक्रमित हो रहे हैं। जिसकी वजह से अहमदाबाद नगर निगम कल से अगले आदेश तक आधार कार्ड केंद्रों को अगले आदेश तक बंद रखने का निर्देश दिया है। राज्य भर में कोरोना के मामलों में लगातार वृद्धि दर्ज की जा रही है। जिसकी वजह से गृह विभाग की ओर एक अधिसूचना जारी की गई थी।

इस अधिसूचना के अनुसार आवश्यक कार्यों को छोड़कर सरकारी दरफ्तरों में आने वाले आगंतुकों पर अगले आदेश तक रोक लगाया जाता है। इस परिपत्र का अनुसरण करते हुए अहमदाबाद नगर निगम द्वारा संचालित सभी आधार केंद्रों को बंद करने का आदेश जारी किया गया है। इससे पहले १५ तारीख को अहमदाबाद नगर निगम ने निजी कार्यालयों के साथ-साथ संस्थानों में ५० प्रतिशत कर्मचारियों को बुलाने के लिए एक परिपत्र जारी किया था।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादक: संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोन: 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)